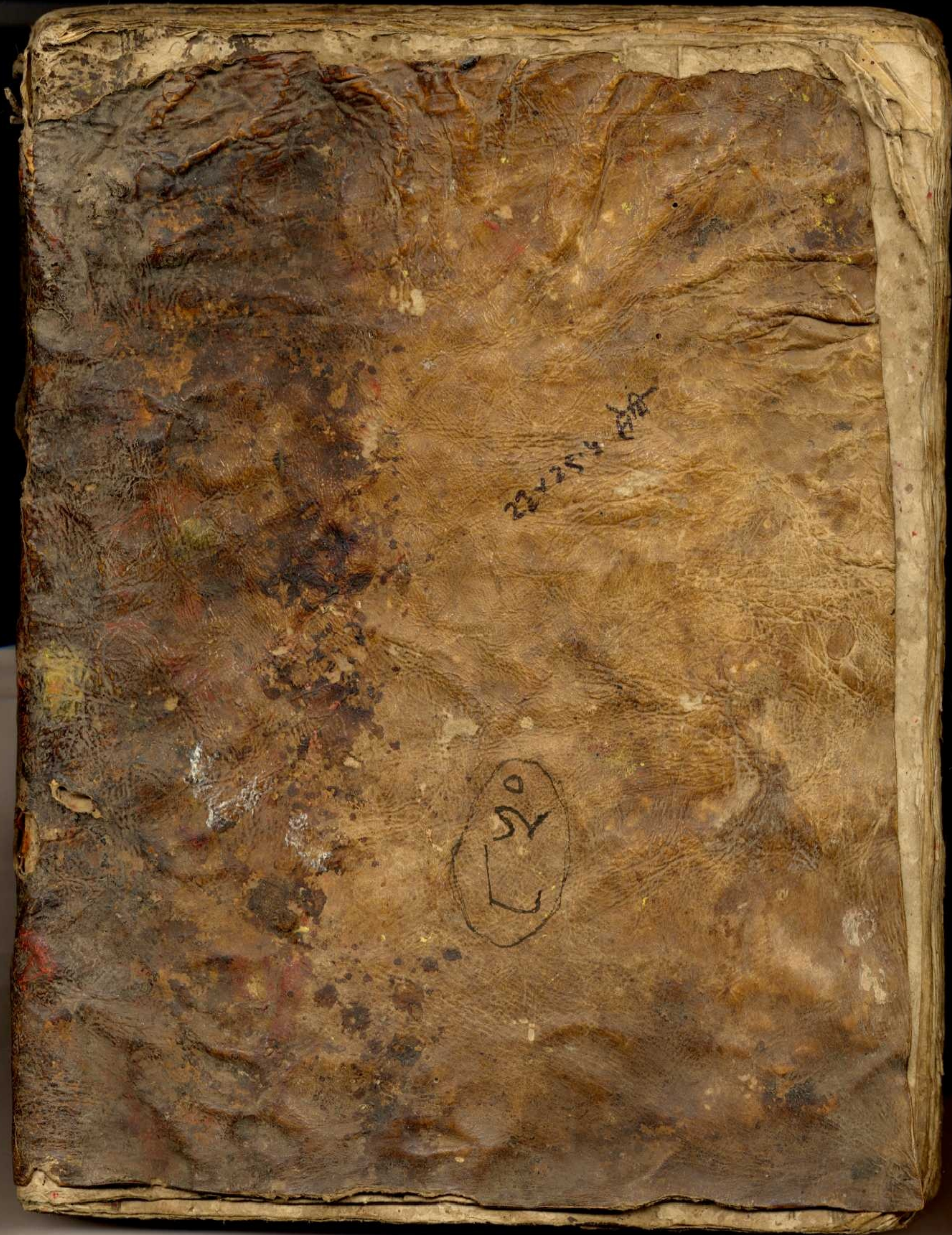




राग॥ यद्यदि॥ वं॥ प्रलयपयोधिजले प्रितवानसि वेदे॥ ॥ ॥
 विहितवारेचरित्रवेद॥ केगावृत्तनीतिरिजयजगदीशहरे॥
 क्षितिर्विचित्रतरेतवनिष्टतिष्ठे॥ धरणिधरणाकिनचक्रगती॥
 केशवधृतकक्षपरुषजयजगदीशहरे॥ २॥ वसतिद्वानशिरवरेधरणी
 तवलया॥ इसिनिकुलेककलेवनिमया॥ केशवधृतद्वारकरहयजय
 जगदिशहरे॥ ३॥ तवकरकसारवलेतवसमुत्तभृगे॥ दरिभिरराएक
 सिपुतनुभृगे॥ केशवधृतनरहरिरुपजयजगदिशहरे॥ ४॥ द्रव्यसि
 विक्रमरोचलिमत्तुतवासन॥ पटनखनीरुजनिजतनपावन॥ केश
 वधृतवासनरुपजयजगदीशहरे॥ ५॥ क्षत्रियरुधिरमृगजगद्वग
 तपाप॥ स्रपयसिपयसिसमितभवताप॥ ६॥ विरसिदिशुरा
 रिकपतिकमनीयं॥ दसमुखमौलिविचित्रमणी॥ केशवधृतपुष्पति
 रूपजयजगदिशहरे॥ ७॥ बहसिवपुषिविशदेवसनजलदाम॥ हर
 हतिभीतिमिलितयमुनाम॥ केशवधृतहरधररुपजयजगदिशहरे
 ॥ ८॥ निरुसियजुविधेरहृष्टतिजाते॥ सदयहृदयदर्शितपशुघा
 ते॥ केशवधृतबुद्धशरिरजयजगदिशहरे॥ ९॥ स्रद्धनिवहनिधनेक
 रसिकरवाले॥ धूमकेतुसिवकिगाधिकराले॥ केशवधृतकल्कि
 शरारजयजगदिसहरे॥ १०॥ श्रीजयदेवकवेरिदमुदिनमुदारे॥ ११॥
 गुणवदंभुभदंभवसर॥ केशवधृतदशविधरुपजयजगदीशहरे
 ११॥ ॥ गुञ्जलिपजमरागे॥ १२॥ ॥ श्रितकमलाकुचमराउतध
 तक्राउत॥ कलितललितवतनाल॥ १३॥ जयजयदेवहरे॥ १४॥ दिनम
 रासराउतभराउतभवराउत॥ मुनिजनमानसहंस॥ १५॥ कालियवि
 धधराज्जतजनरजन॥ रुद्रकलनलिनटिनेश॥ १६॥ सधुमानर

कविनादागारुडासनये असुरकुलकेलिनिदानज ॥ ४ ॥ अमरकमलदर
मोचनभवमोचन ॥ त्रिभुवनभवनविदा ॥ ५ ॥ जनकसुताकृतभुषणा
जितउषरो ॥ समरसमितदसकंथ ॥ ६ ॥ अभिनवजलधरसुन्दरक्षत
मण्डल ॥ श्रीमुखचोचकोर ॥ ७ ॥ नवचरोपतितावयमितिभावन ॥
कुरुकुशलप्रनतेषु ॥ ८ ॥ श्रीजयदेवकवेरिदंकरतेमुख ॥ मंगलमुज्ज्वल
गीते ॥ ९ ॥ २ ॥

३५

वसन्तराग ॥ य ॥ जलितलवंगलताशीलनकोमलमलयसमीरे
मधुकरनिकरकरं वितकोकिलकुजितकुंजकुनियोतीरे ॥ १ ॥
विहरतिहरिहरसरसवसन्ते नृत्यतिथयनजने ॥ नसमंसखिविर
हिजनस्यउरत्रे ॥ २ ॥ उनमदभद्रनमनोरथपथिकवधुजन
जतितविलापे ॥ अलिकुलभङ्गलकमुमलमुहनिनाकुलवकुल
ललापे ॥ ३ ॥ मृगमदसोरभरभसवसवदनवदलमालतिमाले
पुवजनहृदयविदारगामनसिजनारवहचिकिंशुकजाते ॥ ४ ॥
मदनमहिपतिकनकदण्डरुचिकेसरकुसुमविकाशे ॥ मिलित
शिलिमुखपाटलिपटलकृतस्मरभुराविलाशे ॥ ५ ॥ विगलितल
जितजगदवलोकनतरुणाकरुणाकृतहासे ॥ विरहिनिहृत्तनम
खकृतिकेतकिदत्तुरितासे ॥ ६ ॥ साधविकापलिमलललितेनव
मालिकयाभिसुगन्धौ ॥ मुनिमनसामपिमोहनकारिशितरुगा
कारणावन्धौ ॥ ७ ॥ फलदतिमुक्तलतापरिरम्भरामुकलितपुल
कितवृते ॥ मृन्दावनविधिनेपरिसरपरिगतयमुताजलपुते ॥ ८ ॥
श्रीजयदेवभगिणितमिदमुदयतिहरिचरणास्मृतिसारे ॥ सरसव

सन्नसमयवनवर्णनमनुगतमदनविकारं ॥ ८ ॥ ॥ ३ ॥

रामकलिरागे ॥ वं ॥ चंदनचर्चितनीलकलेवरपीतवसनवनम
लं ॥ केलिचलनसिंहासनालमण्डितगण्डमुगस्मितहाली ॥ १ ॥
हरिरिहमुग्धवधुतिकरेविलासिनिविलसतिकेलियरे ॥ २ ॥ यी
नपचोधरभारभरेराहुरिपरिभ्रमरागा ॥ गोयवधुरनुगायति
काचिउदंचितपश्रुमरागा ॥ ३ ॥ कापिविलाशविलोलविलोचनखे
लनजनितमनोजं ॥ ध्यायतिमुग्धवधुरधिकंमधुसूदनवदनस
रोजे ॥ ४ ॥ कापिकपोलतलेमिलितालपितुं किमपिश्रुतिसूले
चाहचुचुम्बतितेववतीदयितेपुरकैरनुकुले ॥ ५ ॥ केलिकलाकुनु
केनचकाचीदमुंजमुनाजलकुले ॥ मंजुलवंजुलकुंजगतंविचक
र्षकरेगाउकुले ॥ ६ ॥ करतरतास्तरलचलयावलि कलितकल
स्वनवंशे ॥ रासरसेसहनृत्तपराहरिगायवति ॥ प्रससशे ॥ ७ ॥
स्तिष्ठतिकामपिचुम्बतिकामपिकामपिरमयतिरामा ॥ पश्यति
सस्मितचारुपरासपरासनुगाहतिचामा ॥ ८ ॥ श्रीजयदेवभशित
मिदमुदयति केशवकेलिरहस्यं ॥ हृन्दावनविधिनेरचितं वितनो
नुसुमात्रिपशस्यं ॥ ९ ॥ ४ ॥

सिनुरारागे ॥ वं ॥ संचरदधरसुधामधुनधेनिमुखरितमोहतवं
शं ॥ वलितदृगश्चलचश्चरमौलिकपोलविलोलवतंशे ॥ १ ॥
रासेहरिमिहविहितविलासंस्मरतिमतोमरुतपविहासे ॥ २ ॥
चनुकचारुमपुरसिखराउकमगाउलवलपितकेशे ॥ प्रचुरपरच

रधनुरनुरजितमेडरमुदितसुवेशं ॥ २ ॥ गोपकदम्बनितम्बवनि
 मुखचुम्बनलम्बितलोभं ॥ वन्धजीवमधुराधरपल्लवकरितदरस्मितशो
 भं ॥ ३ ॥ विपुलपुलकभुजपल्लववल्गवलयितपुवतिसहस्रे ॥ करवर
 रोरसिमणिगाराभुषणाकिरराभिन्नतमीसं ॥ ४ ॥ जलदपटलवलदि
 नुविनिन्दकचन्दमतिलकललाटे ॥ पनपयोधरपरिसरमर्दननिर्दयह
 दयकपाटे ॥ ५ ॥ मणिमयमकरमनोहरकण्ठलमणितगणमदारं ॥
 पीतवसनसनुगतमुनिमनुजसुरासुरवरपरिवारं ॥ ६ ॥ विशदकदम्बन
 लेमिलितकलिकलुषमयंजामयत्रं ॥ मामपिकिमपितरंगमनंगद
 शामनसारमयत्रं ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवमणितमनिसुन्दरमोहनमधुरिपु
 रयं ॥ हरिचरणास्मरणप्रतिसंप्रतिप्रापवतामनुरूपं ॥ ८ ॥ ५ ॥

गौरिरागे ॥ प्र ॥ निभृतनिकुञ्जगृहगतयानिशिरहलितिलियवसत्रं
 चकितविलोकितसकलदिशालतिरभसरसेनहसत्रं ॥ १ ॥ सखिदे
 केडिमथनमुदारेरमयमंयासहसदनमनोरथभाषितयासविकार
 ॥ २ ॥ प्रथमसमागमलजितयापट्चादृशतैरनुकरं ॥ मडमधुरास्मि
 तभाषितयासिधिलिखतजघनडुकले ॥ ३ ॥ किशलयज्ञयननिवे
 शितयातिरमुरसिममैवशयानं ॥ कृतपरिभराचुम्बनयापरिभयक
 ताधरणं ॥ ४ ॥ अलसनिमीलितलोचनयापुलकावलिललितकपा
 ले ॥ श्रमजलसकलकरेवरयावरमदनमदादतिलोले ॥ ५ ॥ ॥
 कोकिलकरलवकुलितयालितमनसिजतत्रविचारं ॥ श्रथकुसुमा
 कुलकुललयानखलितितघनस्तनभारं ॥ ६ ॥ चरगारणिभमनि
 नुपुण्यापरिहरितसुरतवितानं ॥ मुखलविश्रंखलिमेखलयासक

चयहचुम्बनदाने ॥ ६ ॥ रतिसुखसमयसालसफादरमुकिलिननय
नसरोजे ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभगिनामिदमतिसयमधुरिपुनिधुवनशी
ले ॥ सुखमुक्तगिठनरिधिकयाकथितं वितनोनुसलीले ॥ ८ ॥ ॥ ६ ॥

मिमांसा

केदारागो ॥ ख ॥ मामियंचलिताविलोक्यज्ञतेवधुनिचयुन ॥ सा
पराधतयामपापितवारितानिभयन ॥ १ ॥ हरिहरहतादरनयागता
साकृपितेव ॥ २ ॥ किंकर्मिष्यतिदिविदिव्यतिसाचिरं विरहन ॥ किंजने
नधनेन किंममजीविनेन सुखेन ॥ ३ ॥ चित्रयामितदाननेकटिलधु
कोपभरेरा ॥ शोरायप्रमिवोपरिभ्रमताकुलंभ्रमरेरा ॥ ४ ॥ ॥
नामहृदिसंगतामनिशंभ्रशंरमयामि ॥ किंवनेनुसरामितामिह
किंवथाविलयामि ॥ ५ ॥ तन्निखित्तमसुययाहृदयत्रवाकलय
मी ॥ तन्नवेष्टिकुतो गतासिनतेनतेननयामि ॥ ६ ॥ इत्यसेपुरतोण
तागतमेवमेविदवासि ॥ किंपुरेवससंभ्रमेपरिरंभरोनददासि
६ ॥ क्षम्यतामपरंकदापितवेदंशनकरोमि ॥ देहिसुन्दरिदर्शनेम
मसन्मथेन उनीमि ॥ ७ ॥ वर्तितेजयदेवकेनहरेरिदंप्ररातेन ॥
किन्दुविल्वसमुद्रसंभवरोहिरिमरोन ॥ ८ ॥ ॥ ॥

मिमांसा

काहारागो ॥ ख ॥ ॥ निन्दतिचन्दनमिदु किरामनुविन्दतिखेदम
धीरं ॥ बालनिलयमिलनेनगरुडमि ॥ वकलयतिमलयसमीरं
१ ॥ साविरहेतवदीनामाधवमतसिजविहिरभयादिवभावनयाते
शीलीता ॥ २ ॥ अविरलनियतितमदनशरादिवभवदवतापवि
शाले ॥ ३ ॥ कुसुमविशिखशरतल्यमनल्यविलासकलाकमनी
ये ॥ वृत्तमिवनवपरिरम्भपुखापकरोतिकुसुमशायनीयं ॥ ४ ॥

वहति विलोल विलोचन जलधर मानन कमल मुदारे ॥ विधुमीध विकट
 विधुनुद दलन गलिता मृतधारे ॥ ४ ॥ विलिखति रहसि कुरंग मदे
 न भवत्तम स मशर मुते ॥ प्रणामति मकर मधो विनिधाय करे च शर
 न वचने ॥ ५ ॥ प्रतिपद मिदम पिनिगदति माधव तव चरणौ पतिता
 हे ॥ त्वयी विमुखे मयि स पद्मि सुधा निधिर पित नु ते न नु दाहं ॥ ६ ॥
 ध्यानलयन पुरः परिकल्प्य भवत्तम तो वेडराप ॥ विलपति हसति पीद
 ति रोदिमि च श्रुति मुश्रुति तापे ॥ ७ ॥ श्रीजयदेव भरीत मिदस्य
 धिकं यदि मनसानुनीये ॥ हरि विरहा कुरवत्सव युवति सखी वच
 ने पठनीये ॥ ८ ॥ ८ ॥

सप्तविंश

कोरावरागे ॥ ख ॥ जनविनीहितम पिहार मुदारे ॥ सामनुते कृशत
 नुरति मारे ॥ १ ॥ राधिक विरहे तव केशव ॥ २ ॥ सरसमसृणाम पिम
 लय जपं के ॥ पश्यति विषसिव वं पुषिस शकं ॥ ३ ॥ इयसित पवन मन
 प्रमपरिणाहे ॥ मदन दहन मिव वहरि सदाहं ॥ ४ ॥ दिशि दिशि विदि
 रति सजल कनजाले ॥ नयन नलिन मिव विगलित नाले ॥ ५ ॥ नयन वि
 षय मपि किशलयतल्ये ॥ कलयति विहित कृताशन कल्ये ॥ ६ ॥ भयज
 नित पाति तलेन कपोले ॥ घाल शशिन मिव सायम लोले ॥ ७ ॥
 हरि रिति हरि रिति जपति सकाम ॥ विरह विहित मररोचनिकाम ॥ ८ ॥
 श्रीजयदेव भरीत मिति गीते ॥ मुखयत केशव पद्मपनीत ॥ ९ ॥

वहति

राजविजयरागे ॥ ख ॥ वहति मलय समीरे मदन मुपनिवाय ॥ १ ॥
 फटति कुशूनिकरे विरहि हृदय दलनाथ ॥ २ ॥ तव विरहे वन

मालीसखीसीदति ॥ ५५ ॥ दहति सिसिरमयुखेमरशामनुकरोति
 पतति मदनविसिखेविलपति विकारकरोति ॥ ५६ ॥ धनति मधयसमुह
 श्रवणामपि दधाति ॥ मत्तसिवलितविरहे निशि निशि रुजमुपयाति
 ५७ ॥ वसति विपिनविताने तपजतिललितप्राम ॥ लुटति धरशायने
 बहुविलपति वनामे ॥ ५८ ॥ भरातिकवित्तयदेविरक्षिरसीतेन
 मनसिरभयविभवे हरिरुदयतुमुहनेन ॥ ५९ ॥ ५० ॥

विरचित

नटागे ॥ ६० ॥ रतिमुखसारेगतमभि सारेन दनमनोहरवेशं ॥
 नक्रुनितमिनिगमनविलम्बनमनुसरत हृदयेशं ॥ नक्रुनितमि
 यमुनातीरेव सति वने वनमाली ॥ ६१ ॥ नामसमेते कृतसंकेते गद
 यते मृदुवेणु ॥ ६२ ॥ पतति पतत्रे विचलति पत्रेशंकित भवइषयानं
 रचयति शयने सच कितनयने पश्यति च पथानं ॥ ६३ ॥ मुखरम
 धीरभ्यजमंजीर रिपु ॥ मिवकेलि सुलोलं ॥ चलसखि फुल्ले
 सति मीरपुंजं शिरयनी लरिचोलं ॥ ६४ ॥ उरसि मुखारे रूपहीनहा
 रे घनइव तरलवलाके ॥ नडिद्विपतिने राजसी सुकृतविपाके ॥
 ६५ ॥ विगलितवसनपरिहृतरसनं घटयजघरमपि धादै ॥ किंश
 लयशयने पंकजतयने निधिमिव हर्षनिधानं ॥ ६६ ॥ हरिरभी
 मानीरजनिशिदानी मियमपि पाति विरामं ॥ कुरुममवचनं स
 त्वरचने प्ररयमधुरिपुकामं ॥ ६७ ॥ श्रीजयदेवे कृत हरिसेवे भन
 ति प्रामरमणीयं ॥ प्रमुदीत हृदये हतिमति सद्यतमत सुहृ
 तकमनियं ॥ ६८ ॥ ५१ ॥

पश्यति

नटरागे ॥ वं ॥ पश्यतिदिशिदिशिरहसीभवत्ते ॥ तदधरमधुरमधु
रिपीवत्तं ॥ १ ॥ नाथहरेसीधतिराधाठतिराधावासगृहे ॥ कं ॥
नदभिसरराभसेनवलनी ॥ पततिपदानिक्रियत्रिचलनी ॥ २ ॥
विहितविहादविशकिशलयवलया ॥ जीवतिपरमिहत्तवरीकल
या ॥ ३ ॥ मुकुलवलोकितमराजलीला ॥ मधुरीपुरहमितिभाव
नशीला ॥ ४ ॥ चरितमुपैतिनकथमभिमानं ॥ हरिरितिबदतिसखी
मनुवारं ॥ ५ ॥ श्रुत्यतिचुम्बतिजलधरकल्पे ॥ हरिरुपगतशरीति
मितमनस्य ॥ ६ ॥ भवतिविलसिनिविगलितलज्जा ॥ विलपतिरोदि
तिवासकसज्जा ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवकवेरिदमुदितं ॥ जिकजनंतजुता
मतिमुदितं ॥ ८ ॥ १२ ॥

कथितम्

वेलावतिरागे ॥ रं ॥ कथितसमयेविहरिरुहूनययौवनं ॥ ममवि
फलमेतदनुरूपमपीयौवनं ॥ १ ॥ यामिहेकमीहशरणां सखी
जनवचनवेजिता ॥ कं ॥ यडनगमनायनिशिगहनमपीश्वरि
तं ॥ तेनममरुदयमिदमसमसरकीर्तितं ॥ २ ॥ ममरगामेव
रमतिवितथकेसना ॥ किमीहविषहामीविरहानलग्धचेतना ॥ ३ ॥
अरुहकल्पामिवतयादिमालाभुषणां ॥ हरिक्विरहदहनवहनेन
वदुहषणां ॥ ४ ॥ मामिहविधुरयतिमधुरमधुर्यामिनी ॥ कापिह
रिमनुभवतिक्लृप्तसुकुनकामीनी ॥ ५ ॥ कुसुमसुकुमारतनुम
तनुशाललीलया ॥ स्वगतिरुदिहस्त्रिमामतिविषमशीलया
॥ ६ ॥ अहमिहनिवसामितविगलितवनवेतसा ॥ स्मरतिमधुसुद
नीमामपीनचेतसा ॥ ७ ॥ हरिचरणाशरणाजयदेवकविभारती

वसतुहृदियुवतिरिरितिकोमलकलावती ॥ ८ ॥ १३ ॥

सु
मे

भोषारिगो ॥ वं ॥ स्मरसमरोचितविरचितवेशा ॥ गलितकुसुमभर
विलुलितकेशा ॥ १ ॥ कापिमधुरिपुणाविलसतिपुवतिरधिकगुणा
॥ २ ॥ हरिपरिभगावलितविकारा ॥ कचकलशोपरितरलिनह
ला ॥ ३ ॥ विकचजलजललिताननचन्द्रा ॥ तदधरपानरभसकृतत
डा ॥ ४ ॥ चञ्चलकृणुललितकपोला ॥ मुखरितरसनजघनग
तिलोला ॥ ५ ॥ दशतविलोकितलज्जितहसिता ॥ बहुविधकुचितर
तिरसरसिता ॥ ६ ॥ विपुलपुलकदधुवेयधुभंगा ॥ स्वसितनिसी
लीतविकसदनंगा ॥ ७ ॥ श्रमजलकनभरसुभगाशरिरा ॥ परिपरि
तोसिरतिराधीरा ॥ ८ ॥ श्रीजयदेवभगितंहरिमितं ॥ कलिक
सुखंजनयनपरिसमीतं ॥ ९ ॥ १४ ॥

समुद्रित

कामोदरागो ॥ १० ॥ समुदीतमदनरमणावदनेचुम्बनललित
धरो ॥ विलिखतिरिक्कं विलसदलकं मृगमिवरजुतीकरे ॥ १ ॥
रसतेपमुतापुलिनेवनेविपीमुरारिरधना ॥ २ ॥ घनचयरुचि
रेरचयतिचिकुलेतरलिततलतानने ॥ कुरुवककुसुमेचयला
स्वसमंरतिपतीमृगकानने ॥ ३ ॥ घटयतिजघनेकचयुगगाने
मृगमदरुचिरुचिते ॥ मणिरसममरतालकपटलेनखपद
शशिभुषिते ॥ ४ ॥ जितविशसकलेमृडभुजयुगलेकरतलन
लिनीदले ॥ मरकतपलयमधुकरनिचयवितरा ॥ तहिमसीतले
॥ ५ ॥ रतिगुरुजघनेविपुलापघनेमतसिजकनकासने ॥ मणि
मयसनेतोरगाहसनेविकिरेतिकृतवासने ॥ ६ ॥ चरगाकिस

लयेकमलानिलयेनखमरिभारापूजिते॥ वहरिपवररांयावक
भरराजनयतिहृदियोजिते॥ ६॥ रमयतिसंदशकामपिसुदश
रकुहरसदसोदरे किमफलमवसंचिरमिहविरसंवदसखिविट
पोदने॥ ७॥ हरसभननेकतहरीगुरानेमधुरिपुपदसेवके॥ कलि
पुगचरितंनवसतुडरितंकविनयश्रीनयदेवके॥ ८॥ ॥१५॥

प्रतिज्ञा

देखाखरागे॥ च॥ अनिलतरलकुवरयनयनेन॥ पततिरसाकि
शयसयनेन॥ १॥ सखियाभितावनमालिना॥ २॥ विकशि
तसरसिजललितमुखेन॥ स्फटतिनसामनसिजविषीषेन॥ ३॥
अमृतमधुरमृदुतलवचनेन॥ चलतिनसामरयजपचनेन॥ ४॥
स्थलजलरुहरुचिकरचररोच॥ लुठतिनसाहिमकरकिररोच॥
५॥ सजलजलदसमुदयरुचिरेरा॥ दलतिनसाहृदिचिरविरहेन
६॥ कनकनिरयरुचिसुचिवसनेन॥ असिनिनसापरिजनहसितेन
७॥ सकलभुवनजनवरमहरोच॥ वरुतिनसारुजमतिकरुरोच
८॥ श्रीजयदेवभरिताविमलेन॥ प्रविसतुहरिरविहृदयकरुरोच
९॥ १६॥

रजनि

भैरवरागे॥ ख॥ रजनिजनिनगरुजागरागकवायीमस्तननिवेशं
वरुतिनयनमनुरागमिवस्फुटमुदितरसाभिनिवेशं॥ १॥ याहिमाध
वयाहिकेशवमावदकैटवचादतामनसरससीरुहलोचनयातव
हरतिषाद्यं॥ २॥ कर्जलमलिनविलोतचुचनविरचितनीलीम
रुपं॥ दशनवसनमहरोचतवरुहप्रतनोतिननोरनुरुपं॥ ३॥
वपुरनहरतितवसरसगरवरनगरक्षतरेखं॥ मरकतसकलक
लितकरधौतलिपेरिवरतिजयरेखं॥ ४॥ चराकमलगलदलक

सिकमिव दंतवह दयमुदारः॥ दृश्यितीव वहिर्मदतद्रुमनवकि स
 लियप्रीतिः॥ ४॥ दृष्टानपदेभवदधरगतंममजनयतिचेतसीखेदे
 कथयतिकथमधुनापीमया सहतववपरेतदभेदः॥ ५॥ वहिरिय
 मलिनतरंतवक्रह्रस्ममनोपीभविष्यतिनुनः॥ कथमथवश्रुयसेज
 नमनुगतमसमशरज्जरुनः॥ ६॥ भ्रमतिभवानवलाकवलायवने
 पुकीमभ्रविचित्रं॥ प्रथयतिपुततिकेववधुवधनिर्दयवालचरित्रं॥ ७॥
 श्रीजयदेवभगीतरतिवश्रुतरवराडितयुक्तिविलापः॥ शृणुतसु
 धामधुरंविक्धारयतोषिसुरंकेडरवापः॥ ८॥ १७॥

धनाश्रीरागे॥ च॥ हरिरभिसरतिवहतिमप्रवने॥ किमपरमधिकसु
 खंसखिभुवने॥ १॥ माधवेमाकुरुमानिनिमानमये॥ २॥ तालफला
 दपिगुरुमतिसरसे॥ किंविफलीकुरुषेकुचकलसे॥ ३॥ कनिनक
 शितमिदमनुपदमचिरं॥ मापरिहरहरिमतिशयकचिरं॥ ४॥
 किमिति विषीयसिरोदिषीविकला॥ विहसतिपुवतिसभातवसक
 ला॥ ५॥ सजलनलिनदलशीलितशयने॥ हरिमक्लोकयसफल्य
 नयते॥ ६॥ जनयसीमनसि किमितिगुरुखेदे॥ शृणुममवचनमनीहा
 तभेदे॥ ७॥ हरिरुयपातुवदतिवहमधुरं॥ किमितिकरोषीहृदयम
 तिबिभुरं॥ ८॥ श्रीजयदेवभगीतमतिललितं॥ सुखयतुरसिकजने
 हरिचरितं॥ ९॥ १८॥

वगलीरागे॥ रं॥ वदसीयादिकीचिरपीदत्तरुचीकौमुदीहरतिदरति
 मीरमतिघोरं॥ १॥ प्रियचारुशीलेमुंचममिमानमनिदावं॥ सपदि
 मदनातलोदहतिमममानसदेहीमुखकमलमधुयाने॥ २॥

शुभे
 शुभे

वदसी

सभ्यमेवासीयदिसुदतिमयीकीपीनीदेहीखरनखरराध्याते ॥ घ
 टयभुजवंधनेजनयरदखराउनेयेनवाभवतिसुखजाते ॥ २ ॥ त्वमसी
 ममजीवनेतमसीमभुषांतमसीममभवजलधिरत्ने ॥ भवतुभव
 तीहमयीसततमनुरोधीनीतत्रममहृदयमितियत्ने ॥ ३ ॥ नीलनलि
 नाभमपितचितवलोचनधारयतिकोकनरूपं ॥ कुसुमशरवरा
 भावेरायदिरज्जयसिद्धममिदमेतदनुरूपं ॥ ४ ॥ स्फुरनुकचकुम्भ
 योरुपरिमणिमंजरीसंजयतुतवहृदयदेशं ॥ रसतुरसनापितव
 घनजघनमणालेद्योषयतुमन्मथनिदेशं ॥ ५ ॥ स्थलकमलगज्ज
 नेममहृदयरज्जनेजनिंतरतिरंगपरभागं ॥ भराससुगावाणिकर
 वारीयदयंकजंसरसरसदलककरागं ॥ ६ ॥ स्मरणरत्नरत्ननेमम
 शिरसिमणालेदेदिपदयत्नवमुदानं ॥ ज्वलतिमयिदासुरोमदन
 कदनासुरागोहरनुमड्याहितविकारं ॥ ७ ॥ इतिचनुरचाट्पट्चरुमु
 रवेरिगोराधिकामधिवचनजाते ॥ जयतिपद्मवतिरमराजयदेवक
 विभारतिभरिातमितिगीतं ॥ ८ ॥ ५२ ॥

विभीष

गोपिवत्लभरागे ॥ ३ ॥ धिरचितचाट्चरनचनेचररोरचितंश्रिणि
 पाते ॥ संप्रतिमंजुलवंजुलसीमणिकेलिशयनमनुजाते ॥ ४ ॥ मुग्धेमधुम
 थनमनुगतमनुसरणधैके ॥ ५ ॥ घनजघनसरधारभरेटरमहत्तच
 रराविहारं ॥ मुखरितमणीमंजीरमयैहिविधेहिमरालविकारं ॥
 २ ॥ शृणुमणीयतरंतरुणीजनमोहनमधुयविवातं ॥ कुसुमशरा
 सनशासनवन्दिनीपिकनिकरेभजभावे ॥ ३ ॥ अनिलतरलकिश
 लत्तयनिकरेणालेणालताशिकरसं ॥ प्रेरणामिवकरभोरुकरो
 तिगतिप्रतिमुश्रुविलम्बं ॥ ४ ॥ स्फुरितमनागतरेणवशादिवसुचीत

हरिपरिरम्भ ॥ दृक्मनोहरहारविलसतललधारममुकुटयकुम्भ ॥ ५ ॥
 अधिगतमखिलसखोभिरिरिदंतववपुरपिरतीरसासज्ज ॥ चरिडरसि
 तसस्तारवडिणीममभीसरससमतज्ज ॥ ६ ॥ स्मरसारसुभगनखेत
 सखीमवलंबकरेराशरी ॥ चलवस्यकृतिनैरवबोधयहरिमपि
 निज्जातिशरी ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरितमधरीकृतहारमुदासितवासं
 हरिविनीहीतमनसामननिष्ठतकंदतधमविरामे ॥ ८ ॥ २० ॥ ॥

मानुरागे ॥ वं ॥ मंजुतलकुंजतलकलिसदने ॥ प्रविशाराधेमाधवसमी
 पमीहविलसरतिरभसहसितवदने ॥ १ ॥ नवभवदशोकटलशाय
 नशारे ॥ प्रविशाराधेमाधवसमीपमिहविलसकुचकलशतरहारे
 २ ॥ कुसुमचपरचितश्रुविवासगृहे ॥ प्रविशाराधेमाधवसमीपमिह
 विलसकुसुमकुसुमारदेहे ॥ ३ ॥ चलमरययवनपवनसुरभीसा
 ने ॥ प्रविशाराधेमाधवसमीपमिहविलसवलितललीतशीते ॥ ४ ॥
 विततवहुवल्लितनयपलवसुधने ॥ प्रविसराधेमाधवसमीपमिह
 विलसतिरमतसपीनजघने ॥ ५ ॥ मधुमुदीतमधुपकलललितराव
 प्रविसराधेमाधवसमीपमिहविलसमदनशररभसभावे ॥ ६ ॥
 मधुतरलपिकनिकरणीतदमुखरे ॥ प्रविसराधेमाधवसमीपमिह
 विलसदशनरुचीरुचिरक्षिखरे ॥ ७ ॥ विहीतयद्गावतीसुषसमा
 जे ॥ कुरुमुरारेमंगलशतभिभरातिजयदेवकविराजराजे ॥ ८ ॥ २१

मालवरागे ॥ रे ॥ राधावदनविलोकनविकशीतविविधविकारविभंगे
 जलनिधोमिवविधुमण्डलदर्शिततरलिततरलतरंग ॥ १ ॥ हरिमेकर
 संचिरमभिलषितविलाससाददर्शगरुहर्षवशम्बदवदनमनेगवि
 कासे ॥ २ ॥ हारममलतरतारमुलसिद्धतपरितव्यविरार ॥ स्फटतर

फेराकदसकरमितमिवयमुनाजपुले ॥ २ ॥ इषामलमडरकलवरमरा
 लमधिरगौरडकुले ॥ नीलनलीनविवपीतपरागपटलभरवलपितस
 ले ॥ ३ ॥ तरलहगश्रुलचरनमनोहरवदनजनितरतिरागे ॥ स्पटकमलो
 दरखेलितसेजनयुगमीवशरदितरागे ॥ ४ ॥ वदनकमलपरिशोरनमी
 लितमिहिरसमकराहतशोभं स्मितरुचिरुचिरसमुत्तसीताधरपल्लव
 कतरतिलोभा ॥ ५ ॥ शशकिरगोठुरितोदरजलधरसुन्दरकुसुमकुके
 शं ॥ तिमिरोदितविधुनिर्मलमराउलमलयजतिलकनिवेशं ॥ ६ ॥
 विपुलपुलकदरदनुरीतरतीकेलिकलाभीरधीरे ॥ मरागीगसाकीर
 रासमुहसमुज्जलभुषणाभुभाशरीरे ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरातिमती
 शोभनविभवविभुषणाभागे ॥ प्रणामतदुदिसुचिरंविनिधायहरिसुह
 तोदयसारं ॥ ८ ॥ २२ ॥

किशोर

रामकलिरागे ॥ वे ॥ किशलयशयनतलेकुरुकामिनिचरानलितवि
 निवेशं ॥ तवपदपल्लववैरिपराभवमिदमनुभवतुसुवेशं ॥ १ ॥ क्षराम
 भुजानारायणमनुगतमनुसराधिके ॥ २ ॥ करकमलेनकरोमिच
 रणामहमागमितासिविहरे ॥ क्षयामुपकुरुशयनोपरिमासिवनुपुर
 मनुगतभूरे ॥ ३ ॥ वदनसुधाविधिगलितममृतमिवरचयवचनम
 नुकुले विरहमिवापनयामिपयोधरोधकमुरसिडकुले ॥ ४ ॥
 प्रियपरिभरणभसवलितमिवपुरकितमतिइखापं ॥ मडरसीकुच
 कलशंविनिवेशयशेषपमतसिजतापं ॥ ५ ॥ अधरसुधारसमुपनय
 भाविनिजिवयमतमिवदासं ॥ त्वयिविनिहीतमनसविरहातलेदग्ध
 वपुषमविलासं ॥ ६ ॥ ससिमुखामखरयमलिरसतागरामनुगतक
 राठनिनादं ॥ श्रुतिपुगलेपिकरुतपुगलेममशमयचिरादवसा
 दं ॥ ७ ॥ मामतिविफलस्साविकरीकृतमवलोकितमधुनेदं मीली

तलजितमिवनयनेनवधिद्वयममसतिरे॥ ७ ॥ श्रीजयदेवभरति
तमिदमनुपदनिगादिनमधुरिप्रमोदं॥ जनयनुरमिकजनेसुमनो
हरतिरसभावविनोदं॥ ८ ॥ २३ ॥

कुरु
यज

सारंगरागे॥ वे॥ कुरुयजनन्दनचन्दनशिशिरतरेराकरेरापयो
धरे॥ मृगमदपत्रकमत्रमनोभवमंगलकरससहोदरे॥ १ ॥
निजगादसायजनन्दनेकीडतिरुदयानन्दने॥ २ ॥ अलिकुलगंज
नसजनकरतिनायकसायकमोचने॥ चदधरचुम्बनलसितक
ज्वरमुज्ज्वलयप्रियलोचने॥ ३ ॥ नयनकुरंगतरंगविकाशनिरा
शकरेश्रुतिमराडले॥ मनसिजयाशविनाशधरेश्रुभवेशनिवेश
यकुराडले॥ ४ ॥ भ्रमररयंचयंतमुपरिरुचिरंसुचिरंसमसमुखे॥
जितकमलेविमलेप्रतिकर्मयनर्मजनकमलकंसुखे॥ ५ ॥
मृगमदरसवलितेललितंकुरुनिलकमलिकरजनीकरे॥ विहा
नकलंकफलंकमलामनविश्रमितश्रमासिकरे॥ ६ ॥ सुमरुचिले
चिकुरेकुरुमानदमानसंजधजवामले॥ रतिगलितेललीतेकुसुमा
निशितराशि॥ सिरवराकडामये॥ ७ ॥ सरसघनेजघनेममसंवस्था
त्तरावारराकन्दरे॥ मगिरसनावसनाभरगातिशुभासयबासय
सुन्दरे॥ ८ ॥ श्रीजयदेवचचसीजयदेवसदयहृदयकुरुमराडने
हरिचरासमुरागमृतकृतकलषज्वरसंज्वरवाडने॥ ९ ॥ २४ ॥
इतिश्रीजयदेवकृतगीतागोविन्दसमाप्त॥ ॥ यदिसुदमसुदंवाक्ष
मतापरमेश्वरः॥



रागकोला ॥ एकताल ॥ उजजाह्या मुरथजावामुरे ॥ हाटेनारिका मालस
 सअपालवसयासारअनयाभावेर ॥ नागयाहालमनीअपालवसया
 शालसपनुमालरे ॥ १ ॥ लोकयाभावभमकयावपुजा ॥ कयाववेलावि
 आवरे रथदयावस्वभा ॥ लविज्यायह्यावप्रापुभुज आवरे ॥ २ ॥
 पुसुह्याकरथचाकमलपिष्याकस्यकमिज्याकरे ॥ स्वयमगाकमल
 नकाकभतिमयाकजिघतायाकरे ॥ ३ ॥ हेरयाभाकजाजुलिमानकनकी
 पानवसयास्वानी ॥ पालयाभानशुज्यावातनुयाजोलावसयास्वा
 नरे ॥ ४ ॥ स्वातयाततसिलया ॥ जंतुकप्रिमतमतयाततरे ॥ वखलवत
 गदिजादससुज्यामतलदिनलाकरे ॥ ५ ॥ धीजेथानाववखलसेन
 संसारनेतरे ॥ दिश्लोकनाथभावनकेननुगत्याधदासंसारनेतरे ॥ ६ ॥
 राज्याजीकुडती ॥ देविनविलंवहिडनाभमहिड ॥ राज्यस्वरिदेविजय
 ईश्वरिह्याजाथलीजगदिस्वरिरे ॥ हाटेउजजाह्या मुरथजावामुरे ॥

पुस्तक

रागभैरव ॥ शु ॥ ससेसंभुनाथकोपावपरिमाधिये ॥ १ ॥ परपरसे
 वतागललितस्वहायिये ॥ गौरिअरधंगअंगसिसहुनचायिये ॥ २ ॥
 जोगिनिजमाथसाथेअमरिनचायिये ॥ देवतागनवेलोकतालहुय
 जायिये ॥ ३ ॥ हाथमेविशुलसाथेवसाहाविराजिये ॥ राजादाजाजय
 प्रकाशभैरवपदगायिये ॥ ४ ॥ ५ ॥

पुस्तक

रागभैरव ॥ शु ॥ तंदेवीजयजयअसुरनासिनि ॥ भवभयउगतिनासि
 नी देवस्वरुपिनिगुराप्रकासिनिजगतजनसवमोहिनी ॥ १ ॥
 सिंधिनिचांचुनिदाहिनीवाहिनिरवतपरभुजधारिनि ॥ परवतवासि

पशुपति

निसिंहचाहिनिरक्तवदनत्रिलोचली॥१॥कनकमनिमयमकुटसुन्दर
श्रवणकण्डलभुषिणी॥भक्तजयप्रकाशभुवनिभक्तजनप्रतिपालि
नि॥ २ ॥ २ ॥

सागरि

रागभैरव॥ ब॥ पशुपतिसंभोभवसागरतारननुमहीसंसार॥६॥
इन्दुकलागंगालिरवारी॥भुजंगवरयतन्निवाहनविषधरउरहार॥१॥
सैजसुताजिनप्राणपियारि॥विभुतिधवलभुपतिकोनुमदेहोवधा
रि॥ २ ॥ ३ ॥

रागभैरव॥ चं॥ आपहिछेलवेलामेरेसतगुरुआपहिधरमधारि॥६॥
ननुतोखंसमानसमानाजिमीदोलेचावारी॥चतुसुर्यदोनमसलव
नोयाएसेकुदरतवानि॥१॥रामनामकारोपटमागेलिजेमोहरस्था
मा॥करुतकविरसुतोभायिसाधुहमजितानुमहारा॥ २ ॥ ४ ॥ ॥

देविजयचरन

रागभैरव॥ भृ॥ देविजयजयवरनभरनखिजीपारिसोहनेदया
दसे॥६॥रालमनीसमजुलह्रयाडनधरनभयंकररखालरे॥चक्र
वाकटिकवसमोलनसिलसवानतयमारले॥१॥पुतशासनसंग
नसुरगनवलसमहिमाअपारले॥चराउमुरायामुराह्येतभलया
परसिकडभालरे॥२॥उपजडवर्णरलासमतोलतदेवस्यायनुवि
चाररे॥फेसहेसनढेगलिवशतननियकघाघलडभालरे॥३॥
मुराडमालनगलसहावननरयाहाररहार॥वालककुराडलअतिरु
न्दनथथिडमंगलधाररे॥४॥कालजगजयमलनपतिथकलभ
वरासंसाररे॥गुह्याचरनसभावभागतिनभवजलनिधिपारले॥
५ ॥ ५ ॥

रमाकपि ॥ जयजयवीसुनुमतीपापीनुयागतीससाविधयामनि
 लातभगतीमातायीसुनुमती ॥ समागोरिवोनवसज्जानदनवीसु
 नुयातामभीनपीत्याकरस्कन ॥ विज्याकवेगतभंगनमनपुरेयाना
 वीविमनस्यभाव ॥ १ ॥ तीथयासलिलवाघयाशीलपुज्यार्थीलकौ
 नसंदोल ॥ गंगायावारासीयावसंसारगाऊतकालपापजलसइडा
 व ॥ माता ॥ २ ॥ कानोलयातीथभगतयातीथभावभगतिलायदवगुली
 तीथरे ॥ मनीउलकुदमतीसुलवधुमुसुदकरेशानोयीनीगंध ॥ मा
 ता ॥ ३ ॥ उवकडलमसावगुतीथपीतासकरनकससनुततीथरे ॥
 ईस्पस्ययाथायभजनतीयायवडगुखयवयकठवास ॥ ४ ॥ मावाल
 मुषीताथपसुतीनाथपापनेयाधनवागमतीथरे ॥ गवलीघातगवता
 गुतीतिथकासीवडुतीकुवघाततीथ ॥ माता ॥ ५ ॥ वाताइसीतीसे
 धमालतीथभावभगतीनलायदवडगुलीतीथरे ॥ भयीलोवीतघात
 कुत्याखइताथसागरसमुदसंगमतीथ ॥ माता ॥ ६ ॥ जनपुतीथतंके
 सारताथकाययापपीत्रयातीथरे ॥ स्ववनतोथविज्याखरनाथाभागन
 रसंगमकृतीयातीथरे ॥ माता ॥ ७ ॥ धरमयावंधुमनुष्ययावंधुपाप
 मोहनपाक ॥ गधुरीयावंधुरे ॥ नुसुभेयाइखनुसुभेयासुषसंसारन
 भजतयासपततीथ ॥ माता ॥ ८ ॥ भीष्मिथिनागपराधरमसवासगुनी
 जनकानाथधम ॥ लहेसुवासरे ॥ संवसतमंगलवारकमालीमाघयासु
 कनुसतमीतीथरे ॥ माता ॥ ९ ॥

सागरसुक्त

रागरामकलि ॥ १७ ॥ स्यामसंकरसरनभजोमन ॥ गौरिपतिवयताह
 रुक्रमनिसत्तजनडुखभतभेजोमन ॥ १८ ॥ वयपितामुरखयवद्येवरगरुड
 वसाहाचउर ॥ उनकमुरलिउनकडमरुआपरसधुमिकरनभजर ॥ १९ ॥
 उनकअंगविभुतिसोभितउनकतिलकविसरा ॥ रुद्रप्रडरवनमालसोभा
 शिवकेसोभावात ॥ २० ॥ उनकसंखचक्रगादापडमहौउनककरातिरसु
 ल ॥ वयकहावयपतितपावयवयअभयवरमुल ॥ २१ ॥ दिनवंधुदया
 लहोतमरंककेडुखहरण ॥ मानुपिताकुलनारवकोसुरमागतसरन
 ४ ॥ ११ ॥

जगदेव

रागरामकलि ॥ १७ ॥ जयदेवदेवीजोगनिजाजोतिरुपजोलामुखी ॥
 असुरसकलसंहारसंकुश्रिदेवानसवकियोसुषिजया ॥ १८ ॥ जयतिअं
 वाअंबीकेत्रिजभक्तअभितदाहिनी ॥ कालिकाखरखर्गखर्परधरुजसे
 पितपायोनि ॥ १९ ॥ सुरससिडरश्रवराकुराडलसिहजानित्रिशूलनि
 मुगाडमालसुकराडसाभितआदिकारनसिखनी ॥ २० ॥ तेवतहेनिपसिं
 हमयोध्यानरुपहरहरि ॥ तोहेदेतकडनेविलभधनजनपदमपरपरमे
 श्वरि ॥ २१ ॥ २ ॥

जगकालि

रागरामकलि ॥ १७ ॥ जयकालिकानुवचनसेवाभक्तकेशुखदाहिनि
 रक्तवीजयनिसुंभसुंभमहिषाअसुरसंहारिनि ॥ १८ ॥ कनकमनिमयम
 कटसोभितविकटदंतप्रकासिनि ॥ सुरतिडरजुगअमरलोचनखड्ग
 फेटकवारिनि ॥ १९ ॥ कोतिरविससिचदनस्वभितकालिकासवदाहिनि ॥
 भुवतवन्दिनिअसुरखन्दिनिलेवककेसुखदाहिनि ॥ २० ॥ पुनतिसुरमुनि
 विमलयदजुगंअगमभवजलतारिनी नामसुमरनपापमोचनदेत
 अभवरदाहिनि ॥ २१ ॥ भावतिमधुकरविविधसेवापाहिमकोहेसंपदे ॥
 सुमरिजयप्रकाशभुपतिविनतिनुवचनमुमे ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥

शुनियक

रागरामकलि ॥ ५ ॥ सुनियकपातकहरनिगंगा ॥ ६ ॥ गंगागिताभगति
भावहरि ॥ ७ ॥ कलिजुगगतितरनि ॥ ८ ॥ वरसकियगतिपाचनासिनि ॥ ९ ॥ परस
कियोगतितरनि ॥ १० ॥ हरिचरनारविनुसेनिकलिआयिहै ॥ महादेवसिर
धरनि ॥ ११ ॥ सरदासकेप्रभुनुमानिदरसको ॥ भगिरथकेकुलतरनि ॥ ४ ॥
॥ ४ ॥

नमस्ते

रागरामकलि ॥ ५ ॥ जनमजनमनुवशासमहेश्वर ॥ ६ ॥ भसमलेपितअं
नेसिजयागंगे ॥ पारवतिअवरधंगे ॥ ७ ॥ विश्वरउम्बरुहाथेवालचडमाथे
यकतंधंवरसाथे ॥ ८ ॥ गलसभितभुजंगेनवरसरंगे ॥ राधोमोहिशिवसे
ने ॥ ९ ॥ मोहिअनथकेनुमारिदरसको ॥ इखनारोसुखदेहो ॥ ४ ॥ ५ ॥

साधु

रागरामकलि ॥ ५ ॥ आपकोपहिचानहोनारायन ॥ ६ ॥ जिहूतोहेजिय
दिहोताकेतुभजनकिहो ॥ बाहिकेतुनामलेकेतरना ॥ ७ ॥ चतुभजचतुर्वे
दचातुभमही ॥ संखचक्रगीरधारी ॥ २ ॥ ६ ॥

नमस्ते

रागरामकलि ॥ ५ ॥ वसतधिवकाहुजियनियोचित ॥ ६ ॥ लखसरसन
हेताजयधिधिलील ॥ काहुजुनवसतकासेकदमावेसदील ॥ ७ ॥
गुपननतपागुलिरवनजीसलील ॥ पोचिलिसलिलसोसेमुसुहुनही
ल ॥ ८ ॥ काहुजुनजियनिसलज्यायाजदिल ॥ धिरजनचोनेगथेअसिक
नसील ॥ ९ ॥ गोवेलतयकाहुपोचिलीसलिल ॥ सहश्रविनतिजिमिन
लातकीघडील ॥ ४ ॥ हरियादासननूलधुलितोकविराचररासरनवि
वत्रिभुवयावीर ॥ ५ ॥ ७ ॥

१० १०

१० १०

१० १० १० १० १०

रागाय

रागरामकलि॥ वं॥ जोगयाखण्डयसंदेशउधव॥ नयनवन्दावनसस्नेतर
 जुयावेलसगतवनधरवडयदेश॥ ५॥ जिकेनकरुनिनवुयाथेविभु
 तिनवेगलिनतियमसुहेस॥ तिसामाविकमोतिनतियावसतजनिनग
 थेकाजेगितीयाभेस॥ ५॥ दतोलेजिहुरिसकेसेतयाकांमरसआवहु
 यापवहुवेस॥ दरसनमवियानसियधुनवसवनमदतोतामथुरायादेस
 २॥ कनेमतेधरवहिनसेहरपेहुमतिनफुटकरजिथवसनेस॥ थास२
 पिरतिनहुयकावतिलतिनमंदतोलाकरुनायालेस॥ ३॥ गवालदास
 नहायनमनमदेलेहायथथेमखुवसहेहेकेश॥ विजोगजुलेसजोगताया
 वयावडजोगजोगरुहमनामतिवमेस॥ ४॥ ॥ ॥

शिवभे

रागरामकलि॥ शु॥ शिवकेभावसविहारमाननकरो॥ ५॥ सवकेडयका
 रिबभचठतसे॥ जयप्रकासराजभारा॥ २॥ २॥

विपुनरुडा

रागरामकलि॥ शु॥ दिगुनहाडानमव्याकशिवशिव॥ ५॥ विषनदहल
 पुखडावतवतपुकातकृतनेगलवाका॥ महिडसेतलपुअसहसेहलपु
 छिमजलपुहममयाका॥ ५॥ उह्लादिदेवनपुजायाडभजलपुवाजनहरष
 तथाका॥ त्रिशूलधरलपुसानचललपुसितलसुरवसविज्याका॥ २॥
 श्रीनागभाससपुनसेघाहाकुसुपुहषयावपुनसेहाका॥ सदानवास
 दिपरसतुजिययापुछियालियातलनगाका॥ ३॥ १०॥

रागाय

रागविभास॥ रे॥ राग्यानामकावजिवअधिरसोयाव॥ परडयकालजस
 याहुनेसियाव॥ ५॥ जमयाउवाभवनेमभ्लीवनगाकरे॥ थुलिभारपाव
 थमयावतायाकरे॥ ५॥ मायामोहतमलोभमननलिकावले॥ सवध

लगु

रमतपजुं गतिनयावरे ॥ २ ॥ हाकहननहासेतयाविचारयाडावरे
दयिवनयाकोजुललोभनहुचावरे ॥ ३ ॥ १ ॥

मुयाकेम

विभास ॥ १ ॥ मुयाकेभरोसायायथुलिजुगसरे ॥ धरमसम
नमषुकलियालोकसरे ॥ ५ ॥ थवधकचोडासजासेवयावस
सरे ॥ थवथिथिइष्टमडविपतिडरवसरे ॥ १ ॥ दइवनविलड
त्वाथिरसुरवसरे ॥ थथेलाजरमवियतवयाकुलसरे ॥ हाक
सयाआसाजुलद्विपारिनिपासरे ॥ इश्वरिविनानमडसरमया
थासरे ॥ ३ ॥ १ ॥

कपटिमा

रागविभास ॥ १ ॥ कपटिमायानकेडाहेराम ॥ ५ ॥ हवसजिदो
डाद्विपालिमजोडासुखयारसतुलिज ॥ लोभमनुडधधिरताले
चोडाजमयायासमवडा ॥ १ ॥ हिननजिकडाहससमथजआव
गुगरमधिज ॥ धनारिमननलिमममवजाममुलपुसडविज
२ ॥ पुरानआदिनतंत्रमंत्रजपतपटकोजिनवाडा ॥ हिदिद्विया
षितजुसेवनदिनदिनामकायमलाज ॥ ३ ॥ अनेगविधिननरया
पतिनमलमहिडनहाज ॥ कुयापदासिनिसेमाजियापिनिह
समयादासनहाज ॥ ४ ॥ ३ ॥

विननीस

रागविभास ॥ १ ॥ विनतिसहश्रयाडाहेराम ॥ ५ ॥ मेलेमडश्रास
गयादथवाससिमावडतिजियाडा ॥ थवनयासिसखोसेवव
मिसमेघयारुपकिहाज ॥ १ ॥ पुननसेफककचाटकोसुकमे
लेयाआसमयाडा ॥ मगलमजुदयापसजिदिनुकगजतसमा

पानकेडा ॥ २॥ ऐसे इले चोडा हुव सजि दो ज आव काल नमला
डा ॥ छियालि मजो जगार स मव त्या ध्वजर भ सजि घाडा ॥ ३ ॥
श्रीनाग भास सत से घा पुन सं नन्द अना धन ह्राडा ॥ छेले न ह्राग सव
र सन व सव ले स भाग न वडा ॥ ४ ॥ ४ ॥

मत्तम

रागविभास ॥ शु ॥ मनन मढेडा अतिसुन्दर पुरम नि ॥ क ॥
नीपनि अवला जाति मसिया छियालि पति ॥ दरसन विव भति सो
गुलिलोक पाधनि ॥ १ ॥ हि हि छिया भाव धि ते करुणाम डला जिके
गुस हो व सान ड ति जुल प्रभु थ मथनि ॥ २ ॥ गथे न ध दिन हने रान
वने गन चो ते ॥ गथे ध य रान हने जु गुति माल पोथनी ॥ ३ ॥ तिरिया
विपति अति वियम ते ज ड पति ॥ हा क ह ध विन तिल खल पि पा पि
पति ॥ ४ ॥ ५ ॥

रुप

रागविभास ॥ शु ॥ इश्वरि गुह्य श्वरि माता ॥ करुना मिखान सो क अ
नाथ सिया व ॥ क ॥ चड किरन ड ति छिरु पया ते ज जो ति ॥ मोह मा
ल भिड अति चरि भगवति ॥ १ ॥ थाय म फु छि भगवति दो र्था स
जि विनति ॥ वियम ते ड ख अति छि चर रा स गति ॥ २ ॥ महि क जि थ
न अति से ह ल पा चो ड म ति ॥ म भिड कु दिन अति ल ख ल पि भगव
ति ॥ ३ ॥ जगत सम ड छि तिसदा शिव छि पिरिति ॥ हा क ह य निर
गति कृपा या व मु गति ॥ ४ ॥ ५ ॥

गुरु

रागविभास ॥ शु ॥ चराम नो हर जुग जग तारन ॥ कर हो भजन म
नरे हा हारे अथिर न न धन ॥ १ ॥ सकरा चरा चर ड त्रपति कार रा
करु व हरत मनरे कमल निजा ड भन ॥ २ ॥ अगम अगोचर गताम

यसागर॥ वरुपनिरंजनरेघटघटपरसनगुनरेधवरअरुनतन॥४॥
 वरनतसुन्दमभुवनअधारय॥ सहगुननिरंगुनरेरसीककविरतन॥
 ५॥ १॥

देविमाइहेम

रागविभास॥ सु॥ वं॥ ययाहमभुवनफायाउयजडी॥ हयहायज्याव
 जिनकायहाजवपासाहाय॥ ५॥ सतरनजियेहरेनसामरपात्रे॥ थम
 खोसेचकुलसजुयासाजयाव॥ २॥ नामदकालनसरिघालसधेया
 व॥ पिरितिसहरहयाधुगुनदयाव॥ ३॥ वकुलसजुयगथेथमलु
 याव॥ श्रीखारसहाकफसनजिहंगजाव॥ ४॥ पदपतिहेधुआख
 लडिडिकायाव॥ लिथसनसिकसेसोववोडाव॥ ५॥ ॥६॥

देविमाइ

रागविभास॥ स॥ चौ॥ देविमाइहेमभुवनभारिसिंहयरासनरुणमा
 नीहारि॥ कं॥ विमलाननसेरोजयावनेरिसुमेरनकरियमनायिम
 हासुखमैपाइरेभारि॥ १॥ सकलामनमनिसभावधरेतनमनभगति
 जनायीमहिपतिभनरसलायिरेभारि॥ २॥ ॥३॥

रागविभास

रागविभास॥ अथिरधसलिलछायनिदानसयायपरउयकार॥ प्र॥
 क॥ अतिहरखनदडावरसरथवहितह्रवोडाव॥ वनेउमानसचोन्य
 सेतावअनअनेगखानसोपाव॥ १॥ अतितवविरंजुस्यचोनवलहि
 लेअतिनसलिलगाजाव॥ वालखगर्भनपितयावेधनप्राणमलेनिथ
 चोन॥ २॥ खडावअनअतिअरुणाउयतिजुयावमननहिलाव॥ को
 यावरुस्पलितदकोथवहितवजवथमयाकातन॥ ३॥ दकोस
 लिलयातोयावतिलहिलखायावसिमायाचोस॥ वडाववयाथास
 क्रियावखर्गनभोगविलथवसस॥ ४॥ जरमजरमयाकसधरम
 जुयावसुगतिनाम॥ हाकसयाथुरिफुतकिपापगुलिबिहरेसल

नक्षियाली ॥ ५ ॥ ॥ १० ॥

कहुया नमो

रागविभास ॥ शु ॥ कहुया नमो लाहेडमाताडमपतिमोरागतिवयज
यति ॥ क ॥ जुयावडिगवरवसतिमुसानो ॥ नयावमागिरीभिसीयोस
थिसज्यानुमोरागतिवयजति ॥ १ ॥ जुयावडिगवरपरिधिडदासी ॥ नया
वप्रथववरकासिपुरतासिमारागतिवयजति ॥ २ ॥ जुयावडिगवरधरधी
कुवानि ॥ नयावडमपतिहामुहेभवानि ॥ ३ ॥ मनयविद्यापतिमुनोहे
भवानी ॥ विहीनोलमंवहेडरहेकपरानिमोरागतिवयजति ॥ ४ ॥ १ ॥

राग ॥ करताकेकदुदोषतही ॥ त्रिजकरनिकेफलभुगतो ॥ क ॥
जोकडलेषाभागअपमा ॥ अवरकडुजोमिलटनहिरामा ॥ १ ॥ १२ ॥

जोगिवन

राग ॥ श्री ॥ या ॥ जोगीजीवनहमाला ॥ केशजनवरजमायिहेमार
नीभमरा ॥ क ॥ जाहिलागितपकेलअहोतिसीजागि ॥ पुरुवसुक
तफलसेहअनुरागि ॥ १ ॥ चान्तिलकसोभेडरफनियति ॥ यहोनस
हरसारकेवजगजोति ॥ २ ॥ मागीचाहिआनसिवडम्वरुवजायि ॥ के
वनधरंघरमायिहेधनुरंगजायि ॥ ३ ॥ हरमारगतयितेपरलहुधंधा
अंनुरखरेभोजनमायिहेवाद्यकालावंधा ॥ ४ ॥ मनकविराजगावेजुग
जुगसेवा ॥ चांदरदेविपतिवैजनाथदेवा ॥ ५ ॥ ॥ १ ॥

मनीजुर

रागश्री ॥ वे ॥ मनिचुरतिवासिनिश्रीवर्ज्योगिनी ॥ सिद्धिनिरुपिनि
धरिदेविवाद्यनिरुपिनि ॥ १ ॥ त्रिनयनसुन्दरिनरमुगडमाल ॥
खडीनीरुपिनीसैषासुरकरनासे ॥ २ ॥ त्रैलोक्यजननिइश्वरिको
हिनहिजाने ॥ भैरवमात्रिकागनेसकुमारकालिका ॥ ३ ॥ पंचक
पातलातकनागअस्त्रभुषीनी ॥ हारआभरनसुर्यकोटिरक्तवर

न॥४॥ तोह दो व सु मर न तो हे डु य तारा॥ संकट जार निहू पा करो श्री भ
वा नि॥५॥ श्री परताप मल संसार कि सार॥ रिपि कुल ना सि नि करो रु द
य डु मा रे॥६॥ २॥

माना रा वि

राग मालव॥ लं॥ मातारा नि न मो दे वी न मो ना टे श्व रि॥५॥ राल ड नि
क पुर या ते ज च ड सुर र्य या॥ ह स स क र ल भि ड वि या॥ सिल स म ड
क लु या हे ल मो ति मा नि क या घ ल घ स छे ल क व न या॥५॥ कु लि स
फ ह न म या हार ज भि न न नि या॥ न र सि र ना ग न को षा या॥ वि ज्वा क
र स न ग या मो ल दो स क व न या ग न स हि त म जु या॥ २॥ स्व र्ग ख र्प र
सुर जो ड व ड म्ब रु था या॥ फ र ट क र ग न व प रि या॥ अ भ य व र वि या
र स न प्पा र व न हु या मो ह ल प्र म न सं क र या॥ ३॥ हा य म फ र व स या
म हि मा अ पा ल या॥ अ न न त ग रा गो ह न ह या॥ अ ने ग दो न क्षे मा या
हु ने श्री मा हा मा या हू क ह्म अ ना थ सि या॥४॥ ३॥

गौरा वी

राग मालव॥ प्र॥ गौरा व रि हे वा ल कि डी व व र भो रा को ने वि धि स मु द र
गौरा डी व भो ला॥ अ॥ व सा ह च ड ल सि व भ स म वि भं गा॥ धा र वि शा
र ल ज टा म धा गं गा॥५॥ न य न का ज ल सो भे सिल डो भे मो रि॥ हि न हु
का सा ज वि या हे हे कि गौ रि॥२॥ पा व प रि सि नि अ प ज स ले हो ग व
रि म ता य के को हे व र दे हो॥३॥ भ न य वि शा प ति सु म हो भ वा नि॥
ति नि भ व न के य ह व र दा ने॥४॥ ४॥

हेरु ने श्री

राग मालव॥ भु॥ हेरु ने श्री भै र व वि न ति ख ह्मा य॥ मे व म ड जि भ ग
ति छि छ ल स हा य॥ अ॥ म या ज डु जि न से वा ज न न ड या य॥ पा ड या
ज ज न त म जि व रो का य॥५॥ या य म फ र थ नि थ म कु ल या वे हा र॥
म या से म जु से चो ने लो क स को पा य॥२॥ मो चा तो प नि स थ व व

सतनवान् ॥ नातके मफतज्या समनस अभिमान ॥ ३ ॥ भुजगस
निधनलानुवालेनसिक ॥ उखयाखुहायमेवमजुवपतिक ॥ ४ ॥
इतज्जन्तवधेसमउधरसार ॥ उखवेनकससीयजमयाखार ॥ ५ ॥
दइवधकाविजिनतयाआसाअनेक ॥ सेवलयाचोउअनमयाक
विवेक ॥ ६ ॥ हाकलअनाथसिसेयाहुनेउवाय ॥ उखहाजसमुदर
होहुनेजिपार ॥ ७ ॥ ५ ॥

रागमविना

रागमालव ॥ भु ॥ स्यामविनानरुहमविनानहरिहरिगथेनय
थुगलिपारान ॥ ५ ॥ साजयावसितावचोउवह ॥ ग्वहनयनयो
वोडाव ॥ आवरसनलायगथेनयाडाव ॥ १ ॥ खालचउमाथेभि
उपलेहलमिषानसोपिवहिलव ॥ चितचियमफुजिनवसनुम
डाव ॥ २ ॥ मोतिमार्तिकथुडावतयालुयापलनपालिसयाडाव
उनसजुइवमरुमनिवसुनान ॥ ३ ॥ हाकलयाअभुग्वयालसुन्दर
संसारसारवधान ॥ हमीसभावननापलाइवननान ॥ ४ ॥ ६ ॥

मोवयास

रागमालव ॥ अ ॥ सोवपासादोडावखहेडा ॥ ५ ॥ गोपालपुरुषसखि
असिकमदेडा ॥ लुमजलुमजवहचहसमदेडा ॥ १ ॥ मभालपामा
नतलेथमअतिगयडा ॥ मोहयापोसनथनिगलसजिकेडा ॥ २ ॥
हिनसदेवेहजजिमुडेसथेडा ॥ कपतनथनिसोवतिमायानकडा
३ ॥ हाकलपामनहरिचररासयडा ॥ राधाजुयामनतिवथुलिइवफे
डा ॥ ४ ॥ १ ॥

सुन्दरवि

रागश्री ॥ सुन्दरविभुतिवसागवरिखेववेतसासदानवसयागथथ
सा ॥ नदीभट्टिनिहपासाविश्वरडम्बरजोसासिलसमनुकरुयापुसा
५ ॥ अनिरसएसनसाजठनसपोलहिसाहारयाजभितनजीसहिसा

धुयाडेगलियालासावालकचउमाकुसाथासभिडवियातिसा ॥ २ ॥
 वसतजिगलिदिसाजगतयावसपुमातरहनमेवमइधासा ॥ भगतजनया
 आसाफुडकअनेगदसात्रिपुरसुरजुलस्यासा ॥ ३ ॥ भावभगतिरया
 सासंसारयानामकासा ॥ मोहमालगतसकोवाया ॥ हाकहयामनन
 सावविनानेमउजोसापुरेयावलिमनयाआसा ॥ ४ ॥ ॥ ८ ॥

मायीदेविया

रागकोजा ॥ मायीदेवियाकायमृतिनसुचरजगतसंसाररघायाव
 नुयोऊनसुचरिवसलोहवले ॥ कुविलीकुलिवसतनजुतिकलोहव ॥ मा
 यी ॥ १ ॥ पलेहलमीसावानवसलोहवरे ॥ कुरिकुरिसडहवसभगवासा
 हनमायी ॥ २ ॥ पदसीदयायसवसलोहवले ॥ पीलिरितीकाजयाहाव
 मायीदे ॥ ३ ॥ चवदीगयायसवसलोहवले ॥ गहगहडवीजुलडहसुवी
 याहामायीदे ॥ ४ ॥

रागआवरितालचो ॥ मोहनसुधरागोकुलवालचवमनुखयाहतासखि
 हाकसलिलसचितकपालस ॥ कुकमयारसलोवसवी ॥ १ ॥ वाजतालमिदं
 गधोतक ॥ जत्रनमोराथावसवी ॥ २ ॥ व्यावरागालीनीथमथमयारस
 भीनकसाजराहुवसवी ॥ ३ ॥ कोकिलहालिवजीमनचंचल ॥ वासुरियास
 लनेरासवी ॥ ४ ॥ कामनीजौउन्ननचीलडदासन ॥ हाकहयामरातीवसवी
 ५ ॥

हेरामअध

रागआसावलि ॥ १ ॥ हेरामअधरमजुगयावेहाग ॥ २ ॥ सयाववदायसन
 थवयाततबजनवेहलपेखववेमुमाल ॥ गनधनवनअनलोभपीनतल
 मनयायपुनंमयाकविचाल ॥ ३ ॥ धरमखगपतनअरजनकयतनथव
 थवजकडपकाल ॥ सियधककेवलनमभालपुसंसारतथमथमयानि

निषसिताल॥ २॥ धुरतयासभावनकसलपेसवसुननुयफतवहननि
हाल॥ रसतिथेसुवचनचित्तुफउरजनछलवेतथिथिवेवहार॥ ३॥
अनुगतिरहनयायमटेअकरमअत्रकालजुयितहुहाल॥ करमया
सुफलनलायसुखडुखथनभजलपेमालवेसयाल॥ ४॥ १

गोसाइरास

रागाश्रासावलि॥ व॥ गोसाइरामुभवतिनकोवमुगुत्तिनमागोप्रभुरस
मुनतमुतावयहोरामकर्मभवतारमनोहरंजनमजनमगुनगाय॥ ५॥
गंगाजलहरिस्नानकरावयपिताम्बरपहिरोवय॥ कवलकृगडलकीमालाग
थिकहुहरिजुकेकरावनाथ॥ १॥ तुलसितोरेगोपालहिपुजेचन्दनलेपवना
य॥ धुपदीपनैवेदेकिआरतियहविधिदिपवनाय॥ २॥ सुन्दरसरिरभ
तादिवनायहरिजुकेनन्दगुनगाय॥ सातपात्रमिलिहरिजुकेआगेगावतता
लवजाय॥ ३॥ अम्बरिषप्रहलादभिविधरावेढभागवतसाधी॥ सुरदासप्र
भुहरिजुकेचाकरहरिकेचररचितलायि॥ ४॥ २॥

हेमोहरिना

रागाश्रासावलि॥ वे॥ हेमोहरिखिनुअवरनकोपि॥ ५॥ तवतोकहाहरि
गुनगायगार्भवासजवहोय॥ अवतोजनाज्ञगतहमारा॥ थकतफिरतसक
धि॥ १॥ देखतउनियांमानभयोमनहरिकेनामप्रलायि॥ निसिदिनधंवा
मायावतोरयाआधिरसंगनकोपि॥ २॥ यसवसंगमदोहयहरकिधन
जनजउवनजोयि॥ रामनामबिनुसुमरहोप्रानिअतकवनगतिहोयी॥ ३॥
जिनअवलाकेचिरचढापिततमनसुमरतसोयी॥ कहतपरतगोविन्द
विनाहोजनमअकारथषोयि॥ ४॥ ३॥

विजयसो

रागाश्रासावलि॥ व॥ निरुमसिकागतकमतचलायानामजिधरतिकव
नकिहहाय॥ ५॥ त्रिजुगमोरावताराजालंकाकोवताया॥ यकलष

प्रतसवालवनातिसोरावराकोदियानवाति॥१॥ मेरोवेतिमेरोवारिमेरो
वनेफलवारि॥ मेरोमेरोकहतसभायिमेरोरुथोहरिकेनामभुलायि॥२॥
४॥

विनाकर

रागआसावलि॥ प्र॥ करवनमालिहमेराचिना॥ क॥ पुरुवजनमयक
कोततपकियोऊधरभयोमेरिवासा॥ वडोपापहमनुडुलगोसायिजनपत
पनामतेहारा॥ १॥ गाइडुयिमेष्टतंडपक्षायेसर्वदेवनकोआहारा॥
पुत्रपौसिमेहरहिजोतायाजवनमनामपुकारा॥ २॥ हमगाइमुमवाल
गोसायिजनमजनमखवाला॥ हमकोपारउतारगोसायीतवनमखस
सहमारा॥ ३॥ जातकिजोलाहानामकचिरामरनेकोहैअगवारा कपरा
विनेनामहिदिपेसुमरतनामतेहारा॥ ४॥ ५॥

कनाजिय

रागआसावलि॥ वे॥ कंटाजियतनमारोमुवामतिल्यावमंसविनाघर
मतिआवा॥ अ॥ उनविनुषरविनुपंकचरनविनु जलसायविनुहंसा सोसा
वडाकोमारिजोल्याववाकोरकजनमंसा॥ १॥ नदियारयकवेलकिवेरु
वावामेपत्रतहिहै सोवेलिचुनिनुनिवावतमगावामुगकेसिसनहिहै
२॥ हाथलियएकयफहीधनुषवावामेपंजानहिहै॥ सेचनवानमारनम
गवामुगकेघावनहिहै॥ ३॥ कहयकविरसुनोभायिसाधोयहपदवुके
नवेला॥ जोयहपदकेकरननिवेलासोगुरुहमवेला॥ ४॥ ५॥ ॥

वुडाइ

रागधरालि॥ प्र॥ बुडाइकोनवुहायीहमायी॥ जकतभरसयतपरिजन
सेकेसेवेसोगामाइ॥ क॥ नघरसंवरनपृथग्निम्वरनमिलेपैचउधारिसकल
संयतिमयघोजिआयलपावलभसमहोरि॥ १॥ वासुकीजिवतपवनपिव
तहरजितविषयायि॥ २॥ सेवकस्वामीदोउभायिमिलसहमारिकउनउ
पायी॥ ३॥ ततयवभुलभुखेवेयाकलकिलयवोधवननि॥ वहेवडाहाथे

वापतं देल हि देल हि आमाया बोधि ॥ ३ ॥ कोटम आ नलठानि सुखावर
 वाघहि काला विष्णु ॥ ४ ॥ हम अभागिनि पातिका गेलहु वसाहा दुदल पाधि
 ४ ॥ येत यट कागाल चट कर पावर भमर भुलायि ॥ एक दिन भुवन सेहत
 पातुत मासे मासे उपचास ॥ ५ ॥ मायिन सोचन वापन सो जल पो जल
 देव अघरे ॥ विधित लेषल मिटन पावन हा किय मर हारि ॥ ६ ॥ मन य वि
 यापति सुत हो पावति स्वामी के नावो लो मन्द ॥ वहं मं हे श्वर जगते श्वर
 भुगति भुगति दाता ॥ ७ ॥ १ ॥

जिह्वे नके

रागवला लि ॥ वं ॥ निके निके करो माहि पारे हे माधयी आ ॥ ३ ॥ सवे गपि
 गेलि निके निके ॥ महु कि आ वल छिके ॥ ५ ॥ गंगा जमुना वह निके ॥ बाल
 कछ शमोरा कारे ॥ २ ॥ दान देहे मर हारे ॥ कर धरि करु पाहिरे ॥ ३ ॥
 दहि धर मर पसारो ॥ दान तो हर छधिकारे ॥ ४ ॥ विष्णु गुरि कवि भारे
 तो हे प्रभु मा धिसारे ॥ ५ ॥ २ ॥

धधमसु

रागवला लि ॥ वं ॥ थथे मधुन वस्यारीत उधव ॥ ३ ॥ वस भूवन मविथ
 थि डडु कर नि ॥ जि के वचन नषात कुवजा वचीत ॥ ५ ॥ जिय नि अभागि
 नीन भजल पाचाने हिरो ॥ अजु गति उख जुल थथि डलाधीत ॥ २ ॥ गथे न
 थो दिन हने थु गति उख सुकने ॥ ३ ॥ हुने मन सत सेव सया दिहात ॥ ३ ॥
 थ उख से हर पे न सियतु मन सयन ॥ विभुति कथा फेने कडे थचरित ॥ ४ ॥
 निरम नि उ निखाल वसया खाल जिघाल ॥ वसया नुगल छिहु कने पर
 ति ॥ ५ ॥ ५ ॥ हा कलया धविन ति वस चरन समति ॥ विपति सधै रजमया
 य विपरित ॥ ६ ॥ ३ ॥

रागवलालि॥ वं॥ कल्पजुयाचरिगथीइहसखी॥ ५॥ जौवनजासेवल
कमयावलानकल॥ नुगलसमिठोवमजेउ॥ १॥ रुयहडाचपास्वान
स्रयाअतिभिडवान॥ जुइगथेमसीयानिदान॥ २॥ मनुमजतलथ
नरिपतिगथेमषन॥ थुगुइखप्रटकिननान॥ ३॥ हिहिडियाधिरहन
उरसुखमनुमइ॥ धैरतयायिवसुरागत॥ ४॥ हाकलकहनसेसोहुने
करतादसे॥ जनमजनमवसंधान॥ ५॥ ४॥

मरुमरे

रागवलालि॥ वं॥ मनुमनेमदेहरितामहेहरि॥ ५॥ स्यानिगुनिमुमति
श्रीभागवतआदिन॥ मनतस्यइहुनेपुरान॥ १॥ धनजनजौवनसदा
नचोमिवषन॥ थवमपुत्रुयिवनिदान॥ २॥ हीहिडियावनदिनकदि
कमायामेभिन॥ दानपुराणयाहुनेननान॥ ३॥ मदेलेपायससनेथुगु
जिवगथेहने॥ दुवायिइजमयासभान॥ ४॥ ननमनयावध्याननुयम
नेथवज्ञान॥ हाकलयाववनइडान॥ ५॥ ५॥

कृपातिव

रागवलालि॥ वं॥ कृपातिववालकगोपारहेहरि॥ ५॥ खालयलेस्वान
हालमिषावजनयाजोल॥ अजुगुतिसंसारयासार॥ १॥ सोसेनसोय
मगाफलसिकरवानलाक॥ केनथावपेथथसंसार॥ २॥ कंशकिसिफ
नफलभगतलहिसेतल॥ धायकलदंडाअवतार॥ ३॥ चरणासरनवव
दाइविकोदकोहिवा॥ हाकलयापाहुनेउधार॥ ४॥ ६॥

मुरेआ

रागवलालि॥ वं॥ जैहैआजभावजनावरे॥ ५॥ सौवननगरसकलसुर
पावत॥ पशुपतिदेखतभावजनावरे॥ १॥ संकटतराडरितहरिपावन
भरचपमानसरसलगावले॥ २॥ ७॥

रागवलालि॥ वं॥ बुधवाहेरंगरसिथा॥ सनयजुवतिदेवीतनयविह
सिया॥ ५॥ मागिचाहिज्ञानसिवतुमयितपसिया॥ हरकेचरितरदेवी

ब्रह्मवारे

हस्यपरोसिया ॥ १ ॥ कालाविद्यालागहवेसलतपसिया ॥ मिहिभोज
नपरनायकरसिया ॥ २ ॥ वनहिबुधधिककहवदरसिया ॥ सुखलागत
जत्रिअवररसिया ॥ ३ ॥ मनयविद्यापतिसुनहोतपसिया ॥ वनहिबु
धधिकत्रिभवनरसिया ॥ ४ ॥ ८ ॥

इश्वरवि

रागवलालि ॥ १ ॥ इश्वरविधातायाअजुगतिरचाल ॥ २ ॥ तवतवसिमा
ससीसाफलचगोर ॥ षवजापरसितुसिगुषिचासंसल ॥ ३ ॥ नुथिहिति
यालखतोनेहुसवार ॥ दकेलषमुडावनसमुदरवार ॥ ४ ॥ ग्यानिगु
नियतिउमयातिरिअसयान ॥ ललवरअनारियातिरिजसयान ॥ ५ ॥
थसंसाफुरयातअतितवजाल ॥ थमथमभालयाथेमजुवछतान
॥ ६ ॥ हाकलकहनादसेयाहुनेउधार ॥ छिपालिनिपायाकोसविवजि
नवास ॥ ७ ॥ २ ॥

चणनव

रागवलालि ॥ रागमाल ॥ चणनचंदमारेजतयापालसलेषयाभयाचारा
वीमककरिनागयाकुदरतीसाजाकोचयाहा ॥ हायसदन ॥ १ ॥ नाहा
यसरनप्रमथगनयानायक ॥ भुतनभुनकेवाहानदोहलथुसजा
कामयाकाहाय ॥ हादेगुलिबसनपासनरसनसकल्यासंसाहाय
रसन ॥ २ ॥ वसयाचरनरेगुलीनवरनगनयागुलिबल्याहाय ॥ चंदसे
वालनामयावीनतिछायालिनीयासंलाहायसरनप्रमथगनया
नायक ॥ ३ ॥

देविनमो

रागाललित ॥ १ ॥ देविनमोनमोजगदेविकेछविकोटिरविससिआ
नने ॥ २ ॥ सिवशक्तिगुनउपायिये ॥ विधिविहृहरयंचानन ॥ ३ ॥ नमजो
तिजाहाताहादेसिये ॥ गिरागानभुनलतारन ॥ ४ ॥ देविहेमानुवगुणाका
लिके ॥ अमरमकेनिधमसेसारने ॥ ५ ॥ देविहेमाजगतउधारिति ॥ ६ ॥
गजयमलनुवसस्ने ॥ ७ ॥ १ ॥

आदिभवा

रागललित ॥ ५ ॥ आदिभवानिहेमाताचणिभवानिहेमाताकृपावरदानि
कु ॥ सिंहचठिरनिडम्बरुवाजय ॥ नाचतवेतारजोगिती ॥ १ ॥ कुंजलहरति
मौतिकेमालिनि ॥ त्रिभुरखलागवारिणी ॥ २ ॥ हेमंगिरिवालकुमारिनिरा
जनि ॥ मारियकौषादिनासिनि ॥ ३ ॥ मेरेमनसुमरनडखमारिनी ॥ पा
पीयकेल्यानरूपीनी ॥ ४ ॥ २ ॥

मनकाम

रागललित ॥ वे ॥ मनकामनामहामायामातकल्यानि ॥ १ ॥ मनकेकाम
नामनकेभावना ॥ मनकेहरनदेवि ॥ १ ॥ उखभजतिररमतिनासिनी
इगीजगतकेरानि ॥ २ ॥ पतिनडधारिनीपदमप्रमेश्वरि पुराणमुगतके
रानि ॥ ३ ॥ ३ ॥

सोचरे

रागललित ॥ भु ॥ सोचहैहरजानकीमोहगतहनुमाराकि ॥ १ ॥
वचअम्वरागनसोमिति ॥ मुरतिअधिकप्रमाराकि ॥ १ ॥ अरुनफन
विषजानवाय ॥ केशवसंगतभानकि ॥ २ ॥ दासनुलसिकरनअसु
ति ॥ देहोवुडीवरदानकि ॥ ३ ॥ ४ ॥

हेकाकु

रागललित ॥ वे ॥ हेकाहुरचितचोरवंक ॥ १ ॥ आघहिगावय ॥ आ
पुवजावय ॥ वरसानेकिवरवंक ॥ १ ॥ कहजोगायोककुछलछवि
लोलेजोगयोमनमोरवंक ॥ २ ॥ जुगलदासप्रभसरखसलुटे
नागरनन्दकिसोरवंक ॥ ३ ॥ ४ ॥

भजनकव

रागललित ॥ वे ॥ भजनकवकरिहोजनमसिरान ॥ १ ॥ जवजनमेनव
भजनकबुल ॥ बाहिरसुधविसरान ॥ १ ॥ वालापनमेवेलिगमाया ॥
मरुनापैठिगुमान ॥ २ ॥ छवभवोजवआलसडपजे ॥ सिरधुनीधुनि
पछुतान ॥ ३ ॥ तुलसिदासप्रभनुमारेदरसके ॥ जमकेहातविका
ना ॥ ४ ॥ ६ ॥

सिध्याधस

रागललित ॥ वं ॥ सिंध्याधसजोतायानयाधाल ॥ ५ ॥ अतभुतजुलथ
 निसंसारयाधाल ॥ इवोसेवनेधालडेनामडसाल ॥ १ ॥ सुमेल्यात्ताफ
 लसगुवीचायावासरे ॥ चलानहुयकलखिचानिमहाल ॥ २ ॥ हेलया
 सिनद्रादिकनतायवनमुलरे ॥ कोखनवीयकलेकिसीनीमहाल ॥
 ३ ॥ लिदायावहयधकासायानिमुडावरे ॥ डलकनलिसोयावतल
 अयमान ॥ ४ ॥ पार्थीवेदुमलहूलजुगतिविहाररे ॥ थंवरितिथम
 सासेयाववेवहार ॥ ५ ॥ ७ ॥

जिबवत

रागललित ॥ वं ॥ जिववतहयायासासोयावड्यायाव ॥ अखतन
 सनेमतेहतासचायाव ॥ ५ ॥ इतजाववनैसालकवयाव ॥ सतनयाय
 मालकुलजोडाव ॥ १ ॥ सायाडावयनभिप्रथायथेनकावरे ॥ हसिगि
 जोजलपाभिनकसावाव ॥ २ ॥ तिथिगुसिहनहूलवचनडेडावरे ॥
 जिवसेनडेनेमालखवभालयाव ॥ ३ ॥ ८ ॥

सुवट

देविदायक

रागललित ॥ ३ ॥ देवीदायकसंकरितुडदलमलडरकरतुम ॥ ५ ॥
 सिंधवडीतुमडत्रविराजे ॥ करत्रिभूरभयकरि ॥ १ ॥ ब्रह्मावेदपठे
 देविदारे ॥ हाटिजपतमहेश्वरि ॥ २ ॥ नारदनितेपठेदेवीदारे ॥ ह्रस्व
 वजावयवासुरि ॥ ३ ॥ स्वभावठेदेवीभृंगविराजे ॥ पुजामेयादिम
 हेश्वरी ॥ ४ ॥ असुभुजादेवितारसिंधासन ॥ धामधरतसिवसंक
 र ॥ ५ ॥ भातजनकोकरकृपादेवि ॥ आदिरुपमहेश्वरि ॥ ६ ॥ ९ ॥

ब्रह्मवसिलाल

राग ॥ च ॥ ब्रह्मवसिलालभैमोरेगागरिकोयकसि ॥ ५ ॥ गागरि
 पकरिभराकियाहे ॥ मोतिकेमालाकोलटकी ॥ १ ॥ मैजमुनाजर
 भरनजातेरहि ॥ द्विनिलियोमोरेमडकी ॥ २ ॥ जायपुकारेराजा
 केशकियाके ॥ न्यावनहिमथुरानगरि ॥ ३ ॥ चडसवीहीतयाल

करम छवि ॥ दरसरावातिरमै अटकी ॥ ४ ॥ १० ॥

रागवेलाव

रागवेलाव ॥ ३ ॥ हरिपदभक्तलेमानसहै भुमसवसुखदायि ॥ ५ ॥ यकवल
कजगभोगकनियपिछेक्षियउडिजियि ॥ मातजनकसुतबंधुप्रेमकोपि
संगनकयी ॥ १ ॥ लकभुवनपतिमानभविक्षरादेहजलायी मोहमं
दिरपरमोजकरनहै आधिरजमकेउहायि ॥ ३ ॥ भुलतमुनितनपहितन
मोचनमायापलरचायी ॥ ३ ॥ चररासररागतिदासतेरेप्रभुपरचित्तडा
यि ॥ मानसकलतेजिधानधरनिकेहहीगुनागयी ॥ ४ ॥ १ ॥

मिठाहो

रागवेलाव ॥ तं ॥ मिठाहोमिठाहरनामजोपिवयताकोवलिबलिजाय
॥ ५ ॥ मिठारामपिवयनरहरि ॥ गुगावठावतगनिकातरि ॥ १ ॥ मिठानाम
पिवयसिवसेस धुंधीवनारदउपदेस ॥ २ ॥ इजयविजयसराकादिक
पिवय ॥ प्रह्लादमयी सोराघलिया ॥ ३ ॥ रामनन्दकविरोहिदास ॥ पिपाये
मपिवययकसाथ ॥ ४ ॥ अयकीलजनुरसिपिवय ॥ दासमुरारिसंगतक
रतिय ॥ ५ ॥ २ ॥

दुपरेष

रागवेलाव ॥ तं ॥ देषुदेषुदेषुनावेनगरनटा ॥ हाथडम्बरुसिरफुजलजटा
॥ भावरिदेवितहरखसुअरधंग ॥ सिलसंपतिससिखसलभुजगा ॥ ५ ॥
कालामालाधैललिहकाय वसाहावधतनिबुनलयगाय ॥ ३ ॥ कठक
वाजयरुंडकिमात ॥ लागलेलगलिवजावसिवगाल ॥ ३ ॥ गावतिधुवानाल
धरो ॥ तीनीनयनयकअनलवरे ॥ ४ ॥ भनहिनामदेवदिनटयाल ॥ हरभ
यभोरभोरकोनेहार ॥ ५ ॥ ३ ॥

रागवेलाव

रागवेलाव ॥ तं ॥ रामेरेष्टजिरामेधेधनयहपुजिसोरखोमनेमन ॥ ५ ॥ यह
पुजिहेअगमभपाल ॥ कोहियकवनिजासाहुकार ॥ १ ॥ साहुकेपुजिआ
वयजाय ॥ एकदिनवेधेमुठगवाल ॥ २ ॥ वेतिनकरियवतिजामजाय ॥
रामधजानावेधेयाय ॥ ३ ॥ यहपुजिअग्रीदहयनजाय ॥ राजनडाडे

चोरिनजाय ॥ ४ ॥ सुरदासप्रभुयहउतगाय ॥ रामनामलियकराहलगा
य ॥ ५ ॥ ॥ ४ ॥

रागवेलाव ॥ प्र ॥ जगतमजुलवह्नसारसोवपास ॥ वसयातुतिसम
लिसमसीतपानजपिवगतिउरव्यासमदरपान ॥ ५ ॥ सोगुलिलो
कयाधनिसंसारसजुसेमनिगुलसकालअवतार ॥ निरगुनजन
पनिनापनसेराधापनिधायकलथमआववार ॥ १ ॥ रूपकामदेवको
टिदोलहि सुरपजोतिरखिचंद्रमासमेखाल ॥ निरमनिउतउति
नेजजुरअनुतिजुसेचीनगुनयाअपाल ॥ २ ॥ अहपुरानपुरुष
फुदककंसमुरुषमतलभुमीसचोडभार ॥ स्पवकयाकोसेउखद
यानबिहुनेसुरवहकहयायाहुनेउधार ॥ ३ ॥ ५ ॥

रागवेलाव ॥ प्र ॥ संसारसमउद्वितानगोपालप्रभु ॥ ५ ॥ सुन्दरखाल
यावानमफसरेचकुमानहससकुराएलनसयान ॥ घासेनयाताकसा
नकलिकसधापानमदुकनसिलगुनारा ॥ १ ॥ भिजअजिह्नयावा
नवनमालाकोषायानपुषसमदुवससान ॥ कामकलारसेयापि
वानपलेपतिवानमोहयातवपिनीसोयान ॥ २ ॥ जगतविरववान
रसअजिगमानकंशकिसिआदिनस्याजन ॥ पुननावतवडाव
फुनऊउतोडनवमोहयायअनेकसयान ॥ ३ ॥ कुवजाजिहमिसा
मचितनसाकतपारनलपेनवसयारूपान ॥ दोलद्विहुनुथुलानम
फटेहायविधानलवलपिहाकहअगपान ॥ ४ ॥ ६ ॥

रागवेलाव ॥ व ॥ मैनाहिप्रभुसबकहुनेराइधेनिरगुनउधेसरगन
खेलकरतविदस्वामीमेरा ॥ ५ ॥ मगरमेआपवाहरफरआपेप्रभुमे

मै नाहि चम

रेकासागरवसेरा॥ आपहिरायनआपहिरायाकहुकहुथाऊरकहुक
हुवेरा॥ १॥ कहोसेउरातकहावरवाको जाहाजाहापेपोताहाताहाने
सा॥ साधुमुरतसनगुरुनामकमिलसागरबुदनहिअनहेरा॥ २॥

मुक्तिमय

रागकोलाव॥ ३॥ चण्डिजयजयचरनसरसाभवानि॥ ४॥ आठदशभु
जसप्रसजुक्रमहिवापुरखंदिनि षोदसहस्राआथदललहुमधे
सोभितचण्डि॥ ५॥ रुधिरपानहिब्रधमनोचनि अरुनसवमुखग
ह॥ सिखाहितिसमरविजयनिकरतवहुविधरं॥ ६॥ कनकम
निमयभंगभुषनमस्तजोगिनिसंगहो॥ दमरुडिमिडिमसवदसु
निकहुअसुरमनभयरागे॥ ७॥ विष्णुवासचवसुविधाताअवेरदि
गयतिदेवहे॥ जोरिकरजुगजुगतजगानिचररापेकजसेवा॥ ८॥
भनतिहृतमपितपतिजगजोतिसरनकयलतोहारहे सरन
लक्षनिपापमोचनिकरतमौरडधार॥ ९॥ १॥

अत्र जय

रागकोलाव॥ वं॥ हेनघनचिनिविनतिसुनिय॥ १॥ कउनेगतिअ
वहमाभयभवानि॥ सवविपरितकाजकिंकरवरा॥ २॥ करम
दियतोआजनजा नियहमे॥ होटवरकरोदेवीतोहरसरने॥ ३॥
कनकपञ्चवडरवमनकेडदास॥ नहिनुवछाडीआनददयहोअस
३॥ मनुषेजरमलेलभेलयितदिने॥ कहुवनभावेजगेकयलअ
धि॥ ४॥ जतअछुडरितजतमेव्यरुथाने॥ नदिपारभवासमोहि
परितामे॥ ५॥ २॥

मै नाहि चम

विष्णुधरि

रागकोराव॥वे॥विष्णुधरितोहे जयमाहाभावावर्जजोगितिसेगे
 भू॥विष्णुमनितिरश्चानंदश्चानंद॥जोगभोगसवैथयमाता॥१॥
 कोटिदेवाकरअरुनसवसुरव॥रक्तसुवरनत्रिनयनतागर॥२॥हेम
 मुनिर्मलसुन्दरदंता॥सुन्दरसोभेनरमराडमाला॥३॥त्रिनिभुवन्त
 पतिजागतेश्वरि॥विश्वव्यापितजगतमोहिनि॥४॥जयजयजन
 नितुवपदसेवा॥भास्करमलनपनुवपदगावय॥५॥३॥

हेजगजन

रागकोलाव॥वे॥हेजगजननिकरुनाकरिया॥६॥सकरजनमगेल
 किहुनकपियभेल॥भरमिभरमीभाभवतिनजानि॥७॥खेलयित
 किहुदिनकहियवालक॥जौवतजुवतिजतालेलरोगआरि॥८॥विष
 यविषमगानकुटलतिनुपन॥धरमसुकुतिसवतजलधरात्रि॥९॥
 उरमतिउरातिउरियकपलपाति॥सरनअधमभीमगृह्यकालिरा
 नि॥४॥४॥

अनभनजोगि

राग॥॥वे॥अनभनजोगियकरुपड्वारेथाटेहो॥१॥कौनेरुपकौ
 नेभेसकालाचरिआयहो॥२॥हाथमेलोभाकिदन्नाडपरत्रिकोना
 हो॥कुटललोकाकडकवद्यवरकाधेहो॥३॥सीरमोतिनिजटा
 यकगंगामाथेहो॥गोरवधनयकसाथकमंदलुहाथहो॥४॥
 मनेगिवहेवहेआयड्वारेथाडहो॥वासकिवसुरिवजायसवद
 अतिनोनाहो॥५॥कहतभगवतिदासउंझनहिपावयहो॥धन्यभवा
 तिकेभागआपहिसिवआयहो॥४॥५॥

राजेशी राजसभा

राजेशीये ॥ कसुपार परवत चासं वसर पदीर वास अमित भग्न स्पज
पद्यान ॥ भदना याव डन सहेला मुतिमार लस ॥ ५ ॥ लोक स्पेन फोना
वलध मागलिनी लछिन नुत छ ता परसन जु यमार ॥ स्वजी पाणिपा
र बाल चान न्यर पुहाला थो हाल अनवाली नुस्प खल राहाथ ॥ सलो
ल सहेया ॥ निधी राल पाचोन ससमी चकाल तो इमाना छोव ॥ अ
ने अने वैठे केन नान लाउ पकाल पाना मगेल जीत ड पकाहार ॥ ३ ॥
चाह हि हु सुलल सपा अन देया के भगति याला जीवना वदया भदीटे
व ॥ थु गदी व फल की व छल पै र छे लखना आम तवया भरखाव ॥ ४ ॥
अगनीया अवतानो नियत्र भीजय वीट भीजय यल ता पमोल हाक ल
या व हि जुरती याल मर पा प्रन नुत लख यत्पर मुदा तिमार वान ॥ ५ ॥

सुकर

रागा तोरि ॥ चौ ॥ संकर विष हरि चित्र मालिला ट विभुति वसर जा के गले
रुगु माल ॥ निल करा हरु ड दास पार्थीय हि अवसर कर निशुर ड
मरु डिमि किकारन ॥ ६ ॥ काम वसन वस की जे गौवाहन संग लिज
अइ से विष हारि महा देवा ॥ सुर लोक मृत लो क भुवलोक मे स्वभुता
न से न से न को छि जु गारा जत तारना ॥ ७ ॥ ७ ॥

राजराजा

रागा तोरि ॥ वं ॥ राम राजान वे निधी मेरि सवय क पल क धन मेले ॥ ८ ॥
नागे आव नाना गेजाता ॥ कौतर है ये से राजा राजा ॥ ९ ॥ अवतन समर
गजा संगति ॥ काहा भय दरवाजे हाति ॥ १० ॥ कागठ सोने का भया
मरुषरावन काले गया ॥ ११ ॥ कलक विर कहु गुन विचारो चलनु
वारि दो कर हारो ॥ १२ ॥ ॥ २ ॥

नन्दन

मेरे सर

गमगम गवपरी

मावलो कर्तन

रागतोरि ॥ ३ ॥ नन्दन नन्दन प्यारे अविवाहे वारि ॥ ४ ॥ वसिको वज्रया अवर वज्र
को वसिया अवर गिध को बेलैया अवर ॥ जमुना मै पेथे कालिना गगन थो
या अवर ॥ ५ ॥ ३ ॥

रागतो लि ॥ चै ॥ मेरे नुसर स्वति घट घट घट भरे पुरे राख्यो अतिनाम धरा
यो देखि वाक बानि ॥ ५ ॥ जल स्थल मध्य पति नुहि जाले या भवानिया कचामि
अन्न को नुम पायो नि ॥ १ ॥ कोटा कोटा निमे गायी भवानि चार जुग मानि
दया करो रागिना न सेन को पर साद दिजे भवानि कंथ पति कन नु अव
धानि ॥ २ ॥ ४ ॥

रागतो ॥ राग मालवा ॥ गन पती नाम वासंसार न भज लये डी विदिसि ति
स्वल नाहा सुन डपया दतना ॥ कु — कप्यात नाहा वीजो नान डवह
मना ॥ ५ ॥ चंद माया वरन सुर जो गया ते जो ना ॥ सुस्वीर घाना ह म डकु
ल जो नान मना ॥ २ ॥ सिल सक नु कना हा मुना माल घातिसा ना कीत की
या खान नाहा नु नि स्वभावान लाहा कना ॥ ३ ॥ जय माला वो साने प सु
पा जो साना ॥ बाहान ती दना नी भी सिची संग रहना ॥ ४ ॥ वी वजीत
दरसन दीयाली या को न ॥ वी गनरी ना सने डीयाली या को ती वन ॥ ५ ॥

राग काफी ॥ माह तो कनु मन तोल ता वजन धन सीवा या करे स्रया डव
ना सजुत जुल धु डपन ॥ की सिधाल ह्रु सहन कु न धया घा प्रव समा
न ॥ नुति वाग्ध्यान वान न न द क या कर नथान क सो रे हे प्या धन सरा
न ॥ ५ ॥ मकुतन डव हि दय दत द प्र सुम लप्य गथा नु डन ॥ डत सव डमा
डन मुनि देव द को मुना प्रजा सी वारे या क भु भु न ॥ २ ॥ नकन चो जा
व सील फाही न नाहा व स्वल सेरवना ग व ड्रु जी जोल ॥ घोथ नुति वत
स्वल स्वान पा माल न लो वयाली नी पारे पान पले हल ॥ ३ ॥ बाहान भ

शालिग्राम

दसेवा

वाहनभमीयानसाथासाधासवीयातिसासदानपालीडमलजोसा
 उषेलाहातीसनफासामहीदिकोपुयानसालीधसिधिरदेवीनील
 पासा॥४॥हाकहयाहीदयभीनाथभीगादेशदीवीनानमेवमड
 आसा॥नसवासमनतसेधरुयापालीनीयासभजलयेहयाडव
 नास॥५॥

गा
 ३५

रागकाफि॥४॥गाइयगारापतिजगवदन॥संकरकुवरभवानिनन्द
 न॥५॥सिधिसरनगजवदनविनायक॥कपासिंधुसोभासुभदायक
 ॥६॥मोदकपियाभुजमंगलदायक॥विद्यावाद्यबुद्धिदायक॥७॥
 जाचनतुलसिदासकरजोरो॥वसहिरामसियामानसंमोरे॥८॥९॥

पु
 ३६

रागकाफि॥१॥भजलहोरामसंगातिप्यारेमन॥२॥क्यातेरेघरनवव
 तवाजेर्यातेरेघरहति॥चरदलगाहवेपिमानवलायीसिरपरकार
 वराति॥३॥अठिमायाअठिकायाअठिकुंडमकुलनाति॥यहसंसार
 वनिजकोआयकरसंडदाडधिजायी॥४॥कहयकविरसुनोभाइसा
 धुयहजगपरमडदासि॥रामरायजवलेषामागेचन्दसुप्यदोनेसा
 छि॥५॥६॥

श्री
 लक्ष्मी

रागकाफि॥१॥श्रीलक्ष्मीनारायनभजलेहोयमिनजगमोजिवनथो
 रारे॥२॥भजनमनधनजिवनपाननुमयहनहिहैकोयितेरारेमन॥अत्र
 रामकोयिआवतराहिजगलहोयवसेरारे॥३॥मातपीतावनितासुत
 दारोअवरनहैकपितेरोरेमन॥रामप्रसादजियसोचाहिययरविधि
 उनयेपारारे॥४॥५॥

पु
 ३७

रामकाफि॥१॥ससेवापुरजोगियहविधिआहरागआपि॥२॥पहोडि
 मिडिमिडम्वरुवाजेयपाटलिवाघहिछाला॥पासरेपासरेभागविवावि
 यवाजेनवांजनगारा॥३॥जवेमहादेवपिडाचरुलजपाप्रदिवहेगागा

जदाहिगंगाभसमभंगानयनहवारुदेकापि ॥ २ ॥ किहोकिहोक्यकिहो
मन्दाकिनिश्रुतचक्रसिरसोभो ॥ जगमगकेपियत्रैलोक्यनारागाव्यभ
गवतिदास ॥ ३ ॥ ४ ॥

रागकाफि ॥ ५ ॥ श्रानन्दरूपभवानिजयथकरानि ॥ ६ ॥ नुमिभारानुमत्रि
पुरास्यामा ॥ नुमिनिगमागभवानि ॥ ७ ॥ रिपीकुलनसिनिवृद्धिप्रकाशि
नी ॥ उरमतिदहनिक्रपावि ॥ ८ ॥ उरमतिदहनिस्रभयवरदानि ॥ सुमर
तनिर्गुनवानि ॥ ९ ॥ विशापतिपरकृष्णकिजे ॥ नगरकोटकीरानि ॥

४ ॥ ५ ॥
रागकाफि ॥ ६ ॥ जोधावयसोहियावयसादिअंवि को ॥ ७ ॥ सुहृत्तावेद
पुणतहारितरे ॥ इहश्रारतिउतारे ॥ ८ ॥ नारदभजनकरतनिसवासर
शिवशिवकरपुकारे ॥ ९ ॥ मनवाचिनफलदेनिभवानि ॥ नारसेनज
सगापि ॥ १० ॥ ११ ॥

रागकाफि ॥ १२ ॥ मथुरासहरसविज्याकभालयागुलिकेजव ॥ १३ ॥ सुन्द
रसुधरस्यामरामबालवगवालमुजवमननमानिकतयानयालिपा
परसलदयकाव ॥ होहोपलेखानजोनखालनमुसुपहिलसोयावर
डानमोहनमिसानतिसावसतफेवमचाव ॥ १४ ॥ खनेगकतकयापा
प्रिधनिसत्रासादतधरवजवबुदेवदेवकियामनसअतिहर्षविधा
व ॥ परममुखकंशकिसिद्यादिनस्याकसेतावभगतिभावनलायर
थासतिहुनेहाकलसियाव ॥ १५ ॥ १६ ॥

रागकाफि ॥ १७ ॥ रमिगेरोजोगिहेवतो जंगलगेलावास ॥ १८ ॥ होटिमोटिमा
धेयादसदरवाजा ॥ पाचप्रधमंछथोमनराजा ॥ १९ ॥ जडिगोलोमावै
उडिगोलोकाया ॥ खरगलोकविचअगमअपाला ॥ २० ॥ करुयकविर
सुनोभायिसाध ॥ हमकोरोवयनरामदाहापि ॥ २१ ॥ २२ ॥

श्रीनन्द

जोधावय

मथुरास

रमिगेले

मेरोराम

रागकाभि॥चं॥मेतोरासमभजोरेउनियावावरेहो॥५॥खोजतखोजतपायो
हरिराम तारोगनिकावठलविमान॥१॥हमरभुललभुलयमतिकोवि॥
साधुजलयफेरिअवतानहो॥२॥ह्याकरमातापितापुतवधुभावि॥हंस
निरासयमकलाजाय॥३॥विषघातिदीचोमकोहरियरसाद॥विय
लसघायलअम्बरघाय॥४॥मिराकेप्रभुगिरिधरलाल॥नुमादिदरस
विनुभयहवेहाल॥५॥९॥

हालघन

काफिरागे॥प्र॥हारयुनेघनेघुघुस्वाजयेमनेमनेहसिवोले॥रगत
हेमातावकैस्येनाचयकाषयभसमहोरि॥१॥बहेमहेश्वरमोहन
सगारचक्रमानिकटसोय॥सिद्धिसिधेसोरिपुसुममाललवाहनव
साहागौरा॥२॥भुतवेतालनातवजावयनन्दिभुन्दिगीतगावय
इमिकिडिमिकिडम्बरुवाजयनाचयसंकरभोला॥३॥भनयविद्या
पतिसुनहोपार्वतीस्वामीकेनावोलोमन्दा॥तोहरस्वामीजगन्
ईश्वरभगतिमुगुतिदाता॥४॥१०॥

वरनराजा

रागकाभि॥चं॥वरराजावन्दश्रीवालमकुन्द॥प्रनुप्यारेनेरिघट
लेखिनपरंत॥५॥जनमलियवसुदेवकीघनकुटगइसवफटं॥
प्रीतिकरेजसोमतिघरआइनामधरेनन्दनन्द॥१॥कपतीहेन
पुतनातारेजाकेपानकरत॥दरसनदिजेमारेकुवरकहैयातर
नहिमुक्तिकरंत॥२॥खरउखरजववाधेलागीतोरोदोहुकम्ब॥
माटियातमुषदेघमहरजवतिनिलोकदेघद॥३॥खेलतखेलत
गीरपरिहैजमुनामेकुन्दपरंत॥पैठिपतालकालिनागनाथक
नियरनिरतकरंत॥४॥सुखकेसागरउखकिहरियाप्रसाय
रमानन्द॥गोविनाथप्रभुकुंजविहारिआवन्दवनचरन्द॥५॥११॥

मंगलकालि

रागकाफि ॥ ३ ॥ मंगलकारिनिदेवीभवानिमापिजननिभवानिसिंहतनु
परचारनोदयविदविनासिनी ॥ ४ ॥ मुरासालकलालकरधरषड्यप्यार
धारिनीभयहारिनीभवतारिनीजयशक्तिके ॥ असुरसुरनरलोकमोहि
निचतुमुदुवितासिनिमग ॥ १ ॥ सजलजलधरवदनतनुपरवि
कटसतप्रकासिनिखरनासिनिगिरिवासिनिजयचरिउके ॥ चरणा
पंकजधानवरतनभक्तअनुगतपारिणिमग ॥ २ ॥ १२ ॥

गोपालध

रागकाफि ॥ वं ॥ गोपालधनिअपतिननुयतुछाय ॥ कारजननिपति
उथेठवयमानिगुलिदवछिनजिलाय ॥ ५ ॥ हतासनवयाथनधरि
मिरवनेअनपारमविसेतयछाये ॥ साजलवनेथासदयिवरेअव
सरमालकोखअनहाय ॥ १ ॥ घातसपडातसेतवनथथेससेल
वालपनेमनेछाय ॥ लुलहुलयाडावसनेसनेअवलावहतनम
मालेमनेव ॥ २ ॥ रसयाखरसननुइवसहजनवलनहुधिरतिधा
य ॥ विततियाडजिननुयधुनछिअधिनममालेदुयाहतयाय ॥ ३ ॥
रुहप्रपास्यवकनहाडाथोवचनहुहुनेअवसरथाय ॥ नयनलाय
गानवस्मयछिकेसविमुरवसनेहायहाय ॥ ४ ॥ १३ ॥

नामस्तुत

रागपञ्ज ॥ ३ ॥ नामसदासुखदायिमेहरके ॥ जाकेसुमेरअजामिति
उठरो ॥ गत्रिकाहोगतयायिमे ॥ १ ॥ पंचालिनकोराजसभामेरासनाम
सुधीआयि ॥ बाकोइखहररोकरुनामयअपनिपेजवठायि ॥ २ ॥
धनदवलतसुतअपनेकरजानेछिनमेहोनपरायि ॥ रामनामछाडि
अवरतजानेगायेछिनकेमिटन ॥ ३ ॥ जोतरजसकृपानिधिगावय
तापरभयहसहायि ॥ कहनानकमोहियाहिभरोसाआनिगायिसरना
यि ॥ ४ ॥ १४ ॥

वावाजेजा

मधुकेतु

रागायन ॥ १ ॥ मधुकैटवमर्दनसहो ॥ मधुमुरगाजराकंसारकमलनय
नक्रपातनक्रस्महरे ॥ २ ॥ पदमताभनिरंजनजगादिसजगतउधार ॥ म
क्षेकहेवाराहनरनरसिंहरूपधरे ॥ १ ॥ वाचनेप्रसुरामयामसहल
धरेसुधरे ॥ बुवधविविधनगपतिवयदोयितकलुषहरे ॥ २ ॥ दमिभन
नमुरलिकविसोदसभवतारयहविधिरे ॥ जोसत्रिचितदेसदारनर
हतसिधिनधिरे ॥ ३ ॥ २ ॥

मात्र

रागायन ॥ चै ॥ माननकरिपरिस्पससुन्दरसोहेजाकेदवेदेधतिनि
लाकसाहे ॥ १ ॥ दधिकेलुटनिहारसगालियगालवालमुलालिकेते
रेधुनिअनिसोहे ॥ १ ॥ नन्दकेकुवरेलालजसोदाकेअतिप्यारेराधि
कभैवेहारसेतुमकोवाहिसत्रमनसरसविनवानिककवहुवा
लककवहविधाताकेलिकरतदोडउनदोड ॥ २ ॥ ३ ॥

गर्व

रागायन ॥ वे ॥ गर्भकीयोजनहारोसितानामजिसे ॥ १ ॥ गर्वकी
यासमापति रावन ॥ डुकडुककरडासो ॥ १ ॥ गर्वकीयोदना
नरसागर ॥ निरालकरडायो ॥ २ ॥ गर्वकीयोउनचकवाचकव
गी ॥ पयनविदुरकरडायो ॥ ३ ॥ गर्वकीयोहरिनाकुसराजा नवध
पिउदरविडायो ॥ ४ ॥ कहनानकसवगर्वकरैया सरनआयो
सतवायो ॥ ५ ॥ ४ ॥

वाचनेजग

रागायन ॥ वे ॥ वावादेजगदिसकहातेआयकरुकडनेववराय
॥ १ ॥ आपुमहमदआपुमहादेववह्माआदमकहिय ॥ कोहि
उकेतरककहावययकघरमोरहिय ॥ १ ॥ कोडकरानपरा
नपठतहेकोडमुलनाकोडयाडे ॥ एककुहमागाठेवहुतेरेष

कमटिकेभाडे ॥ २ ॥ गहनमेकनककनमेगहनयामेभेदनडजा ॥
 कहनसुननकोदोकरमारेवहिरेंजावहिपुजा ॥ ३ ॥ सोयहविरिठत
 सोयहगपानिजोयहयदहविचारे ॥ कहयकविरसुनोभायिसाध
 म्पुतरेमोहितारे ॥ ४ ॥ ५ ॥

जयजयपरी

गायर्ज ॥ ६ ॥ जयजयलंगोदरमंगलसरसकलनसरनगरोस ॥
 ७ ॥ तोहिबुह्मातोहिरिहरसकलसुधारन ॥ तोहिभवजलनिधि
 सुचररा ॥ ८ ॥ स्थावरजंगमतोहिजलस्थलसकलसुधारन ॥ तो
 हिजगमाजोतिचररासरनगनेस ॥ ९ ॥ चरननगिरिवरराजमहार
 जडीतविदारन ॥ तोहिअसरनलोकसरनसररागरोश ॥ १० ॥

हरसुख

गायर्ज ॥ धमाका ॥ हरसंकरमधुरियमहेसरनहरिवियुगानि
 ११ ॥ वावनंयसुपतिमकुदंमदसुदनवनवाति ॥ १२ ॥ नीलकाठ
 नागदाजेविषवभनवेहारि ॥ गवरियतिगादायदमइश्वरहेन
 रधारि ॥ १३ ॥ सहसतरंगधाराविषलवारैहुंकारि ॥ सुमीरोदरना
 थकेप्रभ ॥ गिरपतिगिरधारि ॥ १४ ॥ १५ ॥

रामकृष्ण

गायर्ज ॥ वे ॥ रामकहतक्यारागेवडरेमत ॥ १६ ॥ जनमजनमल
 गीअवनकिसौवपतेरिकहततहिजागी ॥ निमोपनविषयारस
 भुलेअबहुनविस्मात्यागे ॥ १७ ॥ जगमफूलहिफूललिकंचन
 सकलदेवारे ॥ मधुकुजराजमत्रासकथिनहेअवहुनचेतअभा
 गो ॥ १८ ॥ १९ ॥

नृसिंह २५२

गिरि नंद

नरहर

वाजनाथ

राग॥ अस्तुति॥ उस्मानि उस्मानाहा माया देवी॥ ५॥ महेश्वरी कुमा
रिविष्णु विचाराहि॥ इजायणी चामुराडा माहा माया देवि॥ १॥ गनेस
भेइख सिंधि निचायुनि॥ सेतभइरवन मोन मो देवि॥ २॥ ८॥

रागभियंरास॥ ३॥ गिरिनन्दिनिकुमारिहे माहा माया॥ ५॥ सेवक
परिनि संकट नारि नो भव भय हर निरा नि॥ मुनि जन मानि जग उख
हर नि उर मति दह निरा नि॥ ५॥ दिति कुल नासि निकलुष हर नि सुर
वर दाहि निरा नि॥ जगत जन नि संकर रम नि दिज पति राषो निरा
नि॥ २॥ ५॥

रागभियंरास॥ ३॥ नहि हर कउनर हे को नर हिय हो॥ ५॥ यह नग
रि को मर मत जाने अठि जन मग माय॥ नहि हर र हिय बहु न डर पा
पिय ला सुर जन मग माय॥ १॥ माटि हइ ना माटि विछाड ना माटि
मो मिलि रह ना॥ सुरदास प्रभु नु मारि दर सको बहु न गाय थो रि
हिय॥ २॥ २॥

रागभियंरास॥ ३॥ वाजनाथ आनन्द वटा यि हे अवध पुर॥ नृपदसर
थ जि के राम जन मभयि॥ गज मोति चिज लुटा यिय॥ ५॥ गुरु
वसिष्ठ गुरु आयतु रत पठत वेद मन लायि॥ सुरब्रह्मा दिवटे
विमान न गान सुमन सरिलायि॥ १॥ भरत सत्रु गान लक्ष्मी मन ज
न मे सविय न मंगल गायी॥ सुत मागत वदिय निमि दुक जप ज
पधि भु पर द्वायिय॥ २॥ करत सिंगार चरे वन कामी निन वस
त साज सगायी॥ तुलसि दास प्रभु नु मारि दर सको मन इक्षा फ
ल पायिय॥ ३॥ ३॥

भरविना

साभिपरास ॥ ३ ॥ भद्रविनारिनिभगवतिदेविसंकरानिभवानि ॥ ३ ॥
 समाअसुरसंहारतदपरपदमसिचपरमेश्वरी ॥ पापवनिहरभारभंज
 निजननिमुनिमयरेतिनि ॥ १ ॥ चररासेवकजानिअनुगतगवीले
 वमहेश्वरी ॥ तुमहीकरुनारुपत्रिभुवनवदितिगिरितन्दिनि ॥ २ ॥
 पतिततारिनिपरमपदवरदाहिनिभुवनेश्वरी ॥ भनतिभगवतिदा
 सनिसिदितचररासरगागुह्यश्वरी ॥ २ ॥ ४ ॥

आजुभा

साभीपरास ॥ ५ ॥ आजुभगतिघरिघरिकीहोरियारासपरदियाहो
 ॥ ६ ॥ चितनजाकेहरयकलियचिनाउखहरेनाकेचिहाहो ॥ जाकेवा
 वयसुरगुनपावयमंगलतापरदियाहो ॥ १ ॥ तुममनभावयसवसु
 खपावयदंभविनासनभावयहो ॥ गिरिवरभुपतिरंगरसपावयच
 रनकमलचितनायिहो ॥ २ ॥ ५ ॥

पुनका

सागकवसि ॥ ६ ॥ पुनकरायोमकोपिउरेपुरिआजुआसाहे ॥ ७ ॥
 दियोमनिकोदानसुरससे ॥ पियातनुसाथमिलायोरे ॥ १ ॥ सजाति
 तकीअजहिनन्दनि ॥ पियाकहमातमलायोरे ॥ २ ॥ तुमतेजे
 थात्रिविनतिकरनुहे ॥ प्रभुधनतवलनूलायोरे ॥ ३ ॥ पुरनहोतपु
 रायोवरुदक्षिना ॥ नृपधनदेहीपुरायोरे ॥ ४ ॥ ६ ॥

रुमी

सागकवसि ॥ ७ ॥ हेभंगियातमासाकडनआयोमेरेमियारे ॥ ८ ॥
 आगामेधंवादि लिमेधंवा ॥ धुंधासहरवगाराते ॥ १ ॥ ७ ॥ ॥

वरेलार

साग ॥ प्रह्लादविचारेहोमारेतोनामअधारकरुत ॥ ९ ॥ आगरव
 गरपरेज्यापटावयहमतेपटेरामनाम ॥ विनहविभनामोमृक्ति
 कहुकैसेधिननिवतविसरात ॥ १ ॥ वेदयडावतपतिरुतथाकयकहि

येनृपतिसेजाय ॥ सबलडिकनकोपयमेभुलायातालमृदवजाय ॥ २ ॥
यतनासुनिहिराणकुसकोपयवाधेरबाल्याय ॥ खऊनिकालथाडेभ
पडधरकहाहरिसंहाय ॥ ३ ॥ अधरपितामोरेबुद्धेनहिताकोजलथलया
पितराम ॥ तोहसामोहेसासर्गखवासाकउनकरेसंग्राम ॥ ४ ॥
नरसिंहरूपलेतिरहरिप्रतेनिकेसेखवाफारे ॥ हिराणकुसनखडड
रविदारेसुरकेखामीसहाय ॥ ५ ॥ ८ ॥

राजभजन ॥ वे ॥ रामनामसोभातिरेमनमेतो ॥ ५ ॥ आपप्रभुसिंहासन
वेथे ॥ वैकुण्ठकउनवचावरेमन ॥ ५ ॥ उररामलक्ष्मीमनभाइ ॥ रावनके
उरेहाहायरेमन ॥ २ ॥ यहचडसुख्यदानवासा ॥ दीपककउनेआसारे
मन ॥ ३ ॥ भवसागरसोउतरोपार ॥ सोधुसेमिलिरहोरेमन ॥ ४ ॥ तुल
सिदासप्रभुतिहारिमिलनके ॥ हरिकेचरनचितलावरेमरा ॥ ५ ॥ ९ ॥

रागागाधार ॥ ३ ॥ मनदियसुनियवचनहसारि ॥ ६ ॥ वसतमभानव
सातवंधंवरकरतभुतगतसंग ॥ भसमहायकिनतसवकाननहस
ननहेतिरभगा ॥ ५ ॥ वासवविष्णुविरिचिसुधाकरनेजिसकलदिग
पाल ॥ कौनविचलसेगौरिकमानराहरपरहोतरसार ॥ २ ॥ कौनदे
ससआयमिलेतुमकौनपुछेउपदेस ॥ बाहराकेतुमभेचलियाहे
निन्दकीयोपरमेस ॥ ३ ॥ सबसोअधिकजानीसदासिवचरनकमल
परधान ॥ करुतसुमतिजगतजयभुपातिसिवसेकाउनसमान ॥ ४ ॥
५ ॥

रागागाधार ॥ वे ॥ मेरेअवतिरथकीमनलायी ॥ ६ ॥ देसनेपालधरम
कीसार ॥ देखनकोपथलायि ॥ ५ ॥ वागमतिमनमतिकेसंगम ॥ संख
मिलचितलाइ ॥ २ ॥ मनजानोप्रभुसरनपयोरी ॥ पशुपतिदरसन

राजनामसोभा

मन

मेरेअव

भरमन

लाइ ॥ ३ ॥ २ ॥ रागाधार ॥ वे ॥ मेरे वन को वर रागि करि गयो ॥ ५ ॥ ॥
 हाथ लकडिया का धक मरिया ॥ जमुना पार उतरि गयो ॥ १ ॥ कचा कोत
 पका दरवाजा ॥ छिडकि बोल निकरि गयो ॥ २ ॥ आपहि जाय दारिका
 डाय ॥ संख चक्र गडा करि गयो ॥ ३ ॥ सुरदास प्रभु मारि दरस को चर
 रा कमल चित धरि गयो ॥ ४ ॥ ३ ॥

नयन

रागाधार ॥ वे ॥ नयन न आधियन लाल वयाल ॥ ५ ॥ हम जो गयि
 जमुना जल भरने ॥ भरला पी जंजाल ॥ १ ॥ वृन्दावन मे कुंज गलिल मे
 मिलि गयन नंद के लाल ॥ २ ॥ हारे अधिन दिन नाते रि ॥ सख बधियन
 अमाल ॥ ३ ॥ सुर पर प्रभु की रया किव ॥ सख संतन रक्षपाल ॥ ४ ॥ ४ ॥

पशुपति

रागाधार ॥ वे ॥ पशुपति जग के हैतार ॥ ५ ॥ जो कसु मे रि विरह वै
 था है ॥ नुक मे हरय हिसार ॥ १ ॥ सो तिव मोहि ॥ सदा वरदाइ ॥ २ ॥ ५ ॥
 भनत वारवार ॥ ३ ॥ ५ ॥

नयन

रागाधार ॥ वे ॥ तन मन भज ले जय जग नाथ ॥ ५ ॥ जा के सरन मिल
 सुख पाइ ॥ सख चक्र धरो हात ॥ १ ॥ सो प्रभु मोहि सदा वरदाइ ॥ कहतर
 सिक मोहि नाथ ॥ २ ॥ ६ ॥

उत्तर

राग इमन ॥ चौ ॥ पुनर करत मन इच्छा सावरि सुरत दृष्ट परसन ॥ ५ ॥
 तिकिरि किंद सत ॥ मो मन भुलाया ॥ मुरु मुरु मुरु मुरु वर परतन ॥ १ ॥ १ ॥

हेअनरे

राग इमन ॥ चौ ॥ हे आजु ही नन्द डम दचलो रे सखि सख वने वने ॥ ५ ॥
 मंगल गावत चौका पुरा बत वाजेत वाजेत जैसे मग घने ॥ १ ॥ २ ॥

मोरन

राग इमन ॥ मोहन लाल दरसन तेरा लाल तु मारे दरसन डपर वार
 वार बहु वेला ॥ ५ ॥ फल भम रजे से छित वनि है ॥ माल लियो मन मे

रा॥१॥नानकगुरुविनुरह्वनजायि॥मिललियोकरचेरा॥२॥३॥

राम

म

रागइमन॥व॥हमलदयारकरपाकिजेकिरपाकिजेप्रभुदरसनदिजे
दिजेदिजे॥५॥आनजलासोकाजलकहुवा॥एकवृजाचातुकमुखदि
नेदिजे॥१॥भलिमकरदसोचरराकमलसो॥इहमनफिरफिरनि
जलिजे॥२॥विनुमिलवेताहिसंतोवो॥मेवदरसननानकदिजेदि
जे॥३॥४॥रागइमन॥३॥एसेगुरुकेसरनेआवरे॥जासुमररा
डरडरहोतहे॥कवहुनलागितानिभावरे॥१॥नामनिरंजनअवरडर
भजनविद्यानागरगुरुध्यानभावरे॥२॥नानकदासआसहरेप्रभुकी
जनकोराषोमानभावरे॥३॥४॥

लाल

रागइमन॥व॥लालहरिसावरकहेयामारे॥५॥सावरिसुरतमोहन
मुरत॥विसरथनहीयकघरि॥१॥बन्दावनकिमेकुजगलितमेमुर
लिअधरनधरि॥२॥चऊससिहीतवालरुमदवि॥चरराकमरति
तधरि॥३॥६॥

म

रागइमन॥३॥माइहेमेरेविननिषुनिय॥भवभयमंजनिड्यस
वमोचनि॥५॥कनककिभुषनिकराडलमणिनि॥नरमुराडमालिनि
तोहेजगतारिनि॥१॥मनोरथपुरनिजयभडकारिनि॥गिरिकेन
दिनिषुखवरदाहिनि॥२॥७॥

न

रागइमन॥३॥नमोदेविनमोदेविनमोमाहामाया॥सेवकजा
नियतुपिकरोमकोदया॥५॥तनुअनुपवनजनधरमेसा॥विकट
वाधरशिरसुरलितकेशा॥१॥अवजुगसवनंदसनविललाला
आधरअधिकसोभेरुधिरलोधारा॥२॥खरुअभयवरमुराडलिय
करो॥खरखरहसियसकरडखहरे॥३॥उनथडरगरजगलेधरमा

ला॥ शिवसंगरंगकरलियकरनाला ॥४॥ प्रेथप्रिथिआसनदहोदिसा
पुजावलिलियकेचलिलोमहानिसा ॥५॥ केरुकेकरुतिसंगोडाकरडाकि
नि॥ सबकरकटिकटिवाधिलोकिकिनि ॥६॥ किरुपकहिबोमातामुसीरो
भवानि॥ करुअवधानमकोजयानन्दवानि ॥७॥ ॥८॥

माधो

रागइमन ॥ माधोजिचरनचितलाल ॥५॥ संखचक्रगदाघदमविराजे
मुखमुरलिसनमोहन ॥१॥ मुमर्तोहियभुजुनकेसागर ॥ मुदपदयेक
जपाड ॥२॥ ॥३॥

हेरु

रागइमन ॥५॥ हेदयानिदयाकरजनपावञ्चानन्दसेनमनहरगाव
तापितदसदविथेदख जनिभवानि ॥६॥ सुवासुवावलदेविअंगवि
राजेरा-मातेलोकेरारिसेनगरकोटकीरानिदखभंजनिभवानि
॥१॥ ॥२॥

कमल

रागपुर्विइमन ॥६॥ ब्रजगुनगुनोरिराजवलचितधरेगडवाचास
॥७॥ गोकुलकेनारिरावास्यामप्यारे ॥ चितधरेसुनइक्षाकरहास
॥८॥ गोपिसमानिसीमाथेमकुटधरे ॥ निरखटहनतेरोभुयभंनि
॥२॥ ॥१॥

नरेश

रागपुर्वि ॥६॥ बालवसेस्नेहलगिति ॥७॥ कामकेटिछविमोहनमूर
तिहा ॥ वपगावयनगजराजयनादेखतसवजगमोहैहेरि ॥१॥
माहनमुरतिगलमेजयतिकिसाला ॥ तन्दकितन्दनकशनिख
राइनगवधिकप्रेमधियारिहेरि ॥२॥ जमुनामेजायनागनाथका
लिहा ॥ म्बकुलतारनागोवधनधारनइककिमानडतारोहेरि ॥३॥
जोगिजन्मककिजोगमेगावयहा ॥ कहयकविरासुतमेरेभैयाकेश
वमनमोआयहेरि ॥४॥ ॥५॥ ॥१२॥

साधनक

मोक्षद्वय

शिविन्दारामक

कहकासी

रागपूर्वि ॥ प्र ॥ साधनकरते पुनि जन जीते ॥ केते नारद केते ब्रह्मा केते ज
लकाल ॥ ५ ॥ बहिविद्या अत परवहिय दंपार जै से कथल मिलि चतुलन
दोले ॥ धुनिके प्रभु तुम वहनायक अति दिस कह के नन्दवपाल ॥ ५ ॥ ५३ ॥

रागश्मन्त ॥ प्र ॥ जो कह दुदैव करे सो हिसाचा ॥ ५ ॥ उचित गमन नृप अयने
निवासा जिवन को भय होय नरासा ॥ अवतोक धिन मोरे दुतत यासा
५ ॥ बोलत जय परका सविलासा संकर सुमेरन होय जग आसा ॥ हरि
के चरन कमल चित वासा ॥ २ ॥ ५४ ॥

रागश्मन्त निरुत्त ॥ वे ॥ ग्वविन्द नाम को आधार तेरे नाम मन भजरे वासा
र ॥ पिपाता रि सुदामा तारे अरन रहि के काज समाने वसवा फारे हर
नाकु समारे धरनर सिंह धर अवतार ॥ ५ ॥ हर्जोधन के मेवा तपाग पजा
य विहर घषाय भाजि ॥ गज के कारन पया डेवा य रूपत जिय डवार
२ ॥ हस्वासन को मान घदाय अवर रूपति कारि रवठायि ॥ सुगायठ
वतन गरिका तारे अवका सो चतवार ॥ ३ ॥ विप्र सुडामा को दालि डता
रिल कापति सेरा वडामारे ॥ अजामिन से अधम डधारे अवका सो
चतु मरि वार ॥ ४ ॥ ग्वविन्द नाम सदा सुख दायि जिन सुमेरा निनरी
गत पायि ॥ सिव दत्त प्रभु जिके यहि कविता यिने रि माया अ परं पार
५ ॥ ५६ ॥

रागफाहरा ॥ प्र ॥ काहे को मिजा को रामा धनि ॥ ५ ॥ मन सारा ममनो
रथ परंवे ॥ सुख निधान किवात धनि ॥ ५ ॥ कहा भय कपनिके संपति
कहत फिरत अपनि अपनि ॥ २ ॥ देत न लेत घातन हि सरवत ॥ जसे भु
जंग सिर रहत मनि ॥ ३ ॥ शिवसन का दिआ दिवसा दिन ॥ इत वयु
रन के कोन गनि ॥ ४ ॥ जाके प्रित निरंजन हरि भो ॥ कहरो हिदास वा
के सदा वनि ॥ ५ ॥ ५ ॥

राग नव

रागका हरा ॥ प्र ॥ लगनलंघि हिरामसरामसो ॥ क्र ॥ यहिसंसारमायाकि
सागर ॥ वैठेवेथेकाहेकेगुमाय ॥ १ ॥ नुलसिहिराकिमरमनजाने ॥ संतन
करछेपाल ॥ २ ॥ धाऊरद्वारेहरिहरधियल ॥ ठाटेहनुमानसाथा ॥ ३ ॥
ध्यानआनन्दपरसुरामसो ॥ गुरुलंगोप्रतिपाल ॥ ४ ॥ २ ॥

सोभनगुरु

रागका हरा ॥ चै ॥ सोभनगुरुहेलागिरिमेरेमनदेखनकोजायसकलानि
हारत ॥ क्र ॥ देविमाइनिसवासरनहिनहिबिहरत ॥ सुरबिकारनउधर
माननकरत ॥ १ ॥ दयालहिमीपतिजयपरकासनरपति ॥ सबभावन
भनतजाधनधरत ॥ २ ॥ ३ ॥

जयनमि

रागका हरा ॥ भु ॥ विनतिदिपालिपलेहेकरुनातिवसाहामायादे
विथकुरातिहेभवानि ॥ क्र ॥ श्रीसुराचन्दनधूपअर्घ्यचामृतविसे
हे ॥ उफेलजिफोलनानास्नाननयामाल ॥ १ ॥ छिगुलिवरनजोति
सुर्गकोटिनेजडतिहे ॥ जोडवत्रिशूलनानादयित्ययाकाल ॥ २ ॥
त्रिभुवनवापितदम्बरुसबदधिकहे ॥ डेडावमनसग्याकअसु
रकबुद्धि ॥ ३ ॥ श्रीजयपरकाशचोडाछिचरनवासहे ॥ पुरनपिआ
सजिमनयात्रविलास ॥ ४ ॥ ४ ॥

शिवभज

रागका हरा ॥ प्र ॥ शिवभजोसिवभजोलेमानशिवरहा ॥ क्र ॥ सित
भजभजोलेमप्रागतिसंसारनेजो ॥ क्र ॥ सिरपरगागाजडाधारिसि
रसोहेकानकुराडलगलरुडाकिमाल ॥ थैइततताथैइमिकिडि
मिकिवाजेइमिकिडिमिकिडम्बरुवाजेतोपार्थनियति ॥ १ ॥ ५ ॥

मधुप्रय

रागका हरा ॥ प्र ॥ सबमुखचापरहिरामसो ॥ देखिनपकिआस
रामसो ॥ क्र ॥ पियातनुनेकोघातनहिदग ॥ नयनननिरधिरहि
रिरामसो ॥ १ ॥ जोमसिकोअक्षरकगतपरतारतरतरहिरामसो
आहिजोहिआगात्रककोजामनरहिगहिहिरामसो ॥ २ ॥

अधरकपोलसुभगनसापरसंदासनविहमिरिसामसो॥परिहरिलोकराज
गुरुजाननयेमपभाववहिरिसामसो॥३॥ वैठजनकभावश्रीरघुवरसंग
सिताइलहिरिसामसो॥तुलसिमनाहुरसिकुलनागरविविधअसिसद
हिरामसो॥४॥६॥

भगवत

रागअनाडा॥चै॥महादेवमहेश्वरजटाजुकुसिरधरिगंगा॥५॥करत्रिशूर
उम्बरगलेरुगाउमालपारवतीअमैरधाप॥१॥७॥

जननी

रागअनाडा॥वे॥जननिनुमारेचरनकिआसा॥६॥हर्गादेविहरमतिना
सिनि॥तुमहिउरगतिवहनि॥१॥कामक्रोधमवलोभमोहसव॥तुमभ
वजलतेतरनि॥२॥दासश्वरिकिसुनहोविनति॥तुमहीजगतकिरानि
३॥८॥

दोलन

रागअनाडा॥ख॥दोलतगंगातरंगासुमेरिभाव॥७॥छलकिछलकिछ
विनिरविहोतसव॥भसमलेपनसवअंगा॥१॥डरगडरसपरतिलकच
उकला॥नृपतिमावसवअंगा॥२॥९॥

केवलराम

रागअनारा॥वं॥केवलरामनजानोसाधुभायिआपटेवेदपुरानजिन
५॥स्वास्तिायिसयेदिआपिअजहुनदिलमोरेपाकवा॥रोजासहे
तेवाजगजारोहुजलेअदरयेथेहुवा॥१॥बाधेल्यापिअनपछारेग
लाकातजिआपुदिया॥जिताजिमुरडाकरडारेयनकोक॥हतहली
लहुवा॥२॥मेरेकहतममातरभायीजोतेरेवदरामकियाइनदोइन
मेआनपछारेजनकोकरुउपदेसदिया॥३॥हिन्दुभुलेवेदसठपटे
मुसलमानकोराता॥कविरकिथाकलअन्नविनोदिकविराकरामन
मानरेहे॥४॥१०॥

गङ्गा

मरमनवर्ष

रामाप्रतारा ॥ हु नोरसवाहे सोरसताहिगौर सपियेवयतोपिलाउका
हु ॥ ३॥ कंशराजाकेसुघरगुभलिनि ॥ वाहेतोपकरमगाड ॥ १॥ ११ ॥

रागकाहडा ॥ ३॥ मेरेमनचमिगयोभगवतगीता ॥ ४॥ उज्ज्वलनकीने
वात्पणि ॥ सागविदुरघरवायोमिठा ॥ १॥ मेरकेवेरसुदामाकेतराडुल
विप्रसुदामाकेविपतहरिता ॥ २॥ जोनरगीतायाठकरतहै ॥ जगमेरहेतो
निश्चितसतिता ॥ ३॥ जिनकोकहामुक्तकोसं सो ॥ तारकुडमयारिवा
सहिता ॥ ४॥ अष्टादशषट्चवरपारायन ॥ चारवेदअवरभगवत
गीता ॥ ५॥ सुरदासप्रभुनुमांरिदरसको ॥ सतगुरुसाचादियोव
लिता ॥ ६॥ १२ ॥

गोपालया

रागधनाश्री ॥ वं ॥ गोपालयापालीपलेगो ॥ सनथिमननलेवनपदला
तंवलेवले ॥ अगमवेदसहूलेपुरानविचालयाले ॥ विनानमउसो
लेसोले ॥ १॥ वसुन्तापालेमुमालेमाले ॥ २॥ सोगलिलो ॥ कसदलेसो
पडमुमामेलेथवकेमालयावेलेचाले ॥ ३॥ ब्रह्माठिदेवमुलेमानया
जागसललेवनुजितमनकोलेकोले ॥ ४॥ जगतसजुलथोलेसदाडचो
निवयलेवसुसपदवलेवले ॥ हाकसुपापनकेलेवाडावतयमतेले
देमायाहुनेजोलेदोले ॥ ५॥ १॥

आजुमरा

रागधनाश्री ॥ वं ॥ आजुमहाप्रभुजनमभयोसुनिहमदरसनकोआय
सुन्दरवदनकमलपानन्दितदेधतनयनअथायजसोदा ॥ १॥ जिन
केदरसनसोखवजगमोचरिपदारथपाय ॥ भागदेघोत्रिभुवनप्र
तिपालकनन्दमहरघरजाय ॥ २॥ सुमरनतातलियदिनजिनकेभग
ननपापगमाय ॥ चौदहभुवनउदरवसजाकेसोअवम्वदसमाय ॥
३॥ राजेलहिमिपियापाथिविदुमलभुपतिहरिगुनगाय ॥ देवोपर

मपरषकेलिलागोफुलवपकहाय॥३॥२॥

सुदामा

रागधनाश्री॥श्रु॥सुदामामतिरदेविभुलेरे॥५॥तिरियापठावलचेथ
लीलगा॥तराडूलवाधियायोरे॥५॥तराडूलदेविबहुतमनहरधित॥जोमागे
सोफलपायोरे॥२॥यहिथावखलिरामहमारिषोपरिया॥अन्नरको
दवनायोरे॥३॥आवरेसुदामाअरोषामेवैथो॥चाउदिसचवरडोला
योरे॥४॥सुदामाकेप्रभुतुमारिदरसको॥गरिवनिहालकियोरो॥५॥३

अभिलाष

रागधनाश्री॥३॥प्रभुजिगुनअवगुननविचारो॥राखोलाजसरनआयकी
रविभुतवासरेवारो॥५॥जोगिरिपतिगिरिसीन्दूमसिकरिसुरनलुलि
षनिहात॥ममकृतदोषलिषोवसुधाभारितोनतुलेमेरोनाथ॥५॥जोग
यत्तवततपनहिजानोवेदविमलनहिभाषो॥अतिरसलुवृषखान
जुठापरअननचित्राषो॥२॥जाहाजाहाममनकियोजोनिनमहताहा
ताहायहिकमैहो॥कामक्रोधमदलेभमोहैतेविषमविषमपरसपायिहै
३॥होहृदयारसवहुविधिसमरथअसरनसरनमुरारि॥कृपानिधानसु
रकुडतहैलिजेयभुजाप्रसारि॥४॥॥४॥

रामा

रागधनाश्री॥३॥हमारिनुमकेलाजहो॥जानतहैतमअन्नरजामिजो
जियमाइपरि॥५॥कहतअवरकहुअवरकरतहैहरितोठगिकरि॥
सुनवनिताकोमोहपरजेवसुधवुधसवविसरि॥५॥अपनिअवगुन
काहालेवषानोपलछिनघरिघरि॥अतिप्रपंचकेमोटवाधिकेअप
नेसिसधरि॥२॥सेवाभक्तिपकोनहिजानोकेसेकेउधरि॥वरनकमलरि
सालनानकएहिवटपकरि॥३॥॥५॥

जयशंकर

राजनाम

रागधनाश्री ॥ ३ ॥ जयजयकृष्णहरेसुगारि ॥ ४ ॥ मक्षेकभवारानरसिंहवे
दनितप्रह्लादउधारे ॥ वावनप्रसुरामरामेवलिङ्गलनिजकुलरावनमारे ॥ १ ॥
वलभडवुडकिपाकरमुर्तिकलिरूपपरमेससहारे चारिपदारथहरिपद
सादेगावतकृष्णमनदशश्रवतारे ॥ २ ॥ ६ ॥

रागधनाश्री ॥ ४ ॥ रामकामडंकारासाधभायि ॥ ५ ॥ ब्रह्मरावेदजानेकिहु
नाहियठयगुनाकिहुमहरमनाहि संघातपननेमअचारारामरहेवहुते
नारासंतो ॥ १ ॥ संन्यासिआपहिभागवानाअहंकारतनुभरमलुलायि
घरघरीफिरलगावयआचारारामरहेवाहुतेनारासंतो ॥ २ ॥ सौराजिज
नेकिहुनाहिभरभरमठिधतरचवायि डदंकालगयजमद्वारारामरसवा
हुतेनारासंतो ॥ ३ ॥ तपसियकदेहरनकाथिधुमयानपिवयतफलगायि
कंदमुलफलकरियआहारारामरहेवाहुतेनारासंतो ॥ ४ ॥ कवितासोक
वितायिमेफलाकलिकरकथयनिमनमेफला ॥ जोकोहिकथनिकथय
अपारारामरहेवाहुतेनारासंतो ॥ ५ ॥ भ्रमतेभ्रमतेसकलजगमायाराम
नामकहुविलेपाया कह्यकविरसुनोभायिसाधगपतवातमेवगात
जनायासंतो ॥ ६ ॥ ७ ॥ ॥

अराधक

रागधनाश्री ॥ ५ ॥ अलषपुरुषनिरवाननिरजनजोगिआभरे ॥ ६ ॥ महा
समुद्रविचमथयकश्रीजनकमलफलेवहुभाति ॥ वहिकमलाविचम
मरारतहेप्रानपुरुषमथवारिनीरज ॥ १ ॥ हसिसिंहविचवाहनचतियगा
व्यपंचडनारि ॥ घरकेवालषवानाचनचावयमायारुयप्रकारिनी ॥ २ ॥
चिउतिकेनषविचहसीसमावलतिनिलोकपरचारि ॥ गागाजमुनाविचअ
अरहेसविदेषहुमनउजिआयिनि ॥ ३ ॥ दासकविरयकनिरगुनगावयसे
तोइहोविचारि अचकालप्रभुनिकलिगयोहैकविरपरचारिनि ॥ ४ ॥ ८ ॥

सूरश्री

भजनि

जगन्नामसे

प्रभुसे

हरनामसे

रागधनाश्री॥ भवहरनिजगतातिमाइ॥ आनन्दरयाकरनिजगमे
नसभरनिसदातन्दरिसारनि॥ ५॥ जगनकालपाउखहरनका
लिकाआपहिसुमरनि॥ वन्पहभगतकिविनतिसुनिनिजेअत्र
कालनिसारनि॥ १॥ १॥

रागधनाश्री॥ प्र॥ भजनिमानहरेभवभय॥ माइतेरिपदजगभावे
आजधिरेमनलायि॥ ५॥ सिंहचठिनुमसाजवनिहेहेमगिरिना
रुहये॥ देविदिजेसरनभनेसकेलभुवनकेभुये॥ १॥ १॥

रागधनाश्री॥ वं॥ रेमनरामसेकरुसेह॥ वहरियहिजगजन्मना
हिनाहिसेसोदेह॥ ५॥ बुलबुलजैसेइयजिविनुसमजवलगि
वरसतमेह॥ वसहिघटतेपाराजैहैउडिहेतनखेह॥ १॥ क्याभ
लेनरकनककामिनिदेविभुतवितागेह॥ यसवयकेकामनआ
यिहेहुदिहैजवदेह॥ १॥ यकनामअधारकरुमनकाइसकल
संदेहदासतलसिभजजश्रीपतिसुफलकरुयहदेह॥ ३॥ ११॥

रागधनाश्री॥ वं॥ प्रभुनुमदीनकेउखहरन॥ पतितपावनप्रनकि
लजावानअसरनसरन॥ ५॥ बलकीहोकोरवपारासुतसेफ
पटयासाठरन॥ ववापिगुगहअग्निदिहोनाहिपायोजरन
१॥ उरिदेविमुदामाआयधायपरसेचरन॥ लक्ष्मीतैअदबुददि
होदानअधरनठरन॥ २॥ मारिकेशविधंसकिहोकडकहैगि
रिधरन॥ सुरकेप्रभरुपासागरभक्तितारनतरन॥ ३॥ १२॥

रागधनाश्री॥ वं॥ हरनामविमलपकावानमनहलुवाइआयिहो
५॥ तनकराहियेमद्यतहोमतमैदाकरछान॥ वसुअयीउद
गानिकेसाधोअजवमिथाइछान॥ १॥ तनकरियलेजपारना

होमचवालेहकरसेर। सुरतिइदिलगानिकेसाधुमनहिमनहिकरुफेर॥
 २॥ कहामानुमारिहादियाहो कहामानुमारिदोकान कहामानुमारिरु
 त्रिवनिहेलागिवस्तुविकारा॥ ३॥ गगनमगलविचहादियाहोत्रिकुति
 हमारोदोकान॥ रहनिहमारिइनिमुनिमहलागिवस्तुविकान॥ ४॥
 लोभरहलचटियावहेहोलरंचोरासिधान॥ विनगुरुसाधकबुडिमर
 तुहेसंतरिगयोपार॥ ५॥ कहनकविरसुकेशबाहोनुकातिआगम
 पाल॥ सतनिलादयरामनामपदविषलादयसंसार॥ ६॥ ५३॥

रागश्री॥ ३॥ उत्तरवरसजोगीयकअमलवईसरः जोगीरिषिदरवारव
 इसर॥ ४॥ खनेजपघनेतपघनेरेभसमरेवघनेघने॥ जोधरयधियानरव
 नेघन्य॥ ५॥ स्ववर्नकिथालीयहेलमनीकभरीयभाषीलीह॥ छारडवा
 लभीधिलेहु॥ ६॥ हादेनीधिलियोउतजोगीमुषडनवोलाईभीधिलि
 हुकिडुकहेनवोलायिमागीयो॥ ७॥ रुरामुषडनहेलभीनदारी
 नीजोगीरुप॥ वहेराजकुमालः मागीयो॥ ८॥ आगतवजावलसिवकेन
 चावलघुमिघुमि॥ सिवदंमरुवजावलघुमिघुमि॥ ९॥ मनयविद्याप
 तिसुनरुमदायनीजोगीनहि॥ वहेत्रिभुवन्यानाथजोगीतक्ष॥ १०॥

रागसारांग॥ चौ॥ सितलपवनअतिसुगंधआलिरिहन्दावनवेथैमग
 जोरुनहेवनमालि॥ ११॥ सुनिधुनिवडुकिजुकिवसावटजमुनाकेतन
 निघटनिकटनटनागरवोलतहेआलिरिहन्दा॥ १२॥ पुषानकिमैजल
 चितकसुमनदिलताललितफुंजभवनवेथेधिरारिलाल॥ सुरदा
 समदनमोहनतडपितजैसैमितवागिवेगिचलोदरसदिजेनुमक्ष
 प्राराप्यारे॥ १३॥ १॥

आवत प्रभु

राग सारंग ॥ प्र ॥ आवत प्रभु देवे मोरे चैता ॥ ५ ॥ सघन जय घन गगन घ
टामनु विजुलि चमकत नैना ॥ अमल नदि जल विन्दु छिरकत जन सेन
जै सरेना ॥ १ ॥ निरत लता हर परमलता कर चञ्चल ताल बजोना ॥ पु
रुनत तरुन रुन पगुने पर जे सेमलाल कछोना ॥ २ ॥ भगत लता त रुसि च
न दया दया वा निरधि सुषमौना ॥ प्रिय पद छारु म हा जन वैथैत भुय भा
व अलि दोना ॥ ३ ॥ २ ॥

अनाथ

राग सारंग ॥ वे ॥ अनाथ विनति छु निरि मिये जगद विके ॥ ५ ॥ तु व विन
नहि आवन वेद पुरा नि ॥ सिंह चटिय त्रिभुर इम्व रुदंड डिमि डिमि वाजे
॥ १ ॥ रवडां जो गिनि वहे संग साथे ॥ भुत भैरव डाकि निगन रुध डिमि डि
मि नाचे ॥ २ ॥ गिरिवर नदि निभात विचारिनि ॥ कहय दास अनाथ जा
ति करुना नयन रिम ॥ ३ ॥ ३ ॥

लोचन

राग गोरिसारंग ॥ चौ ॥ लोचन लाल हे डरव मोचन ॥ ५ ॥ खंन मृग नयनि
करा डुरा रे जल मे डरे अमुजा मिमन सोचन ॥ ५ ॥ चन्द्र वदन स्या
मच कोर है जो रिड पमा हा पावय क विराज लोचन ॥ प्रभु मोरुन लालन
रिाल धारन जल धारन स्या मारंग निल क निहे गो लचने ॥ २ ॥ १ ॥

सिब सुभु

राग गोरिसारंग ॥ चौ ॥ शिव संभुताथ हे प्रह्ल हे भवर ॥ ५ ॥ सुर लोक के नाथ
इम्व रु त्रिभुल धारे पना ग भुवन चठन वषभ के पीथ ॥ १ ॥ कमल वद
न अर्ध चन्द्र सिर सो है गले रु राड माला वधं वर दाला ॥ गीर्वाण युद्ध विक्र
मन रपति कर जो रे भव सागर पार करे पावती के प्राराना थ ॥ २ ॥

प्रभु न प्रया

२ ॥
राग गोरिसारंग ॥ प्र ॥ प्रभु मफ या या य विचाल ॥ माया सभल लया जि
वाज ॥ ५ ॥ संसार असार सार धकाजु सेवोना ॥ सुख यार स सता से

दियालिमजोडा॥१॥ सूर्यलस्यविसेवनयोनिदिनहिस्प॥ आइवनमभालण
आसानजिचोडा॥२॥ रूपजौवनधनचोडाथासधिरन॥ नामयाआखल
गुललुतुनमवोडा॥३॥ हाकहअनाथयानाथदिजगतया॥ चरनसरन
विबथुलिजितफोडा॥४॥ ३॥

रागगौरिसारंग॥ वं॥ कैसेदरसनपावयमेरेरामजिदेवादासगुरुपानदेवा
नारुरिकेचरनचितलावमेरेरामजि॥ १॥ नहरिभगतिनगुरुकेसेवा॥ यहय
हुजनमगमायोमेरेरामजि॥ १॥ कहदेवादाससुनभायिसाधु॥ रामभजन
गतिपावमेरे॥ २॥ ४॥

रागगौरिसारंग॥ वं॥ जवलागिघटमोरेप्रासानातातवलागि॥ १॥ जवमो
रेसाहेवबोलिपटावल॥ बुधियायिघरवार॥ १॥ मातपितासुसुतवंधुभा
यि॥ कोहिनहिआवयमेरेकान॥ २॥ महाधानविचनैयाभुलल नासजु
वारनपार॥ ३॥ मिराकेप्रभुनुमारिदरसके॥ चेतनलागोभायिपार
४॥ ५॥

रागगौरिसारंग॥ मगलि॥ किन्नेभलेवुरेहिकलेसेआप्याहकमैव्याकल
खासा॥ चिस्केमुरारि डुनियातमासायाजिमजमैमुरुषलोकनिहारा
जिवंदाकिभरवासायहडुनियातमासा॥ ५॥ ६॥

रागगौरिसारंग॥ वं॥ राधानामप्रितिलगावरो॥ १॥ माटिछोदछोदिमहल
चनाया॥ लोककहेघरमेराहर॥ १॥ लियादियातोसंगचलेगा॥ करिगं
गाअस्नानहर॥ २॥ घरापुरुषजवनिकलियायोहै॥ नाघरनेरानमे
रा॥ ३॥ रामनामकाभरोधजाना॥ भजलेजयजयरामाहर॥ ४॥ मसर
मकायहिलगनहैभजलेसितारामाहर॥ ५॥ तुलसिदासप्रभुनुमा
रिदरसकेभजतेगोविन्दरामा॥ ६॥ ७॥

रामभजन

जवलागि

गुरुद्विप

राधानामपुनि

सरस्वति

रागगौरिसारंग॥६॥ सरस्वतिभगवतिवदनमहिवागवादनजगजोतिवनी
॥ सरदचक्रुडुतिआनन्दपुरनविनाकरधरजपमालापुस्तक॥ ग्यानसु
कतसुखदाहिनि॥ १॥ हरिबिधिसंभुजरनजगसेवितसकलभवनगति
देविदेवि॥ मंदकजुषतमखाति॥ २॥ चररासरनगतिवदनमहिप
तिरसिककविरतनुजयजयवानि॥ भूपतिलंकसुभदाहिनि॥ ३॥ ८॥

आरिज

सागगौरिसारंग॥ चौ॥ आलिरिकहारेवितहेआविरहडुखसुनि॥ ५॥
योनेहकियोचाहेदारेदारेदवरेफिलेफुलफीकहनडनेमदनमुरे
१॥ २॥

वरोजाय

रागगौरि॥ चौ॥ चलोजायसुनोमुरलिधनिकहुवजायवभोवयनी॥ ५॥
मोरमकुटमाथेतिलकविराजे॥ आसेपासेगोधेनु॥ १॥ १॥ ॥

कावमन

रागगौरि॥ ५॥ कावमनराम्यानामरामहेलहाय॥ ५॥ जनमयासाथ
धायमनेराम्याणामसेवदनथवतडपाय॥ चोनेमडुधसंसारअधि
रथमनसिसेकावमनराम्यानामधाव॥ १॥ अचेतरमनेमनचेतनानि
यावदनकालवयिहुदोकाय॥ मनुमरेमटेमनडुखसुखमायाकाय
षिलिहिकवाइताथिराय॥ २॥ धनअरननयायगलितअगाराकाय
त्याखनदवनमचाव॥ चोनेमुइसेयिनिवजन्मनचिसेअनधनजनन
हुपाव॥ ३॥ हाकस्याविततिपालिकोसतिवहासकरुनामिषान
भतिसोव॥ श्रीरामचक्रयाभजनानियावमनपरलोकधरमसलोव
४॥ २॥

मोरनन

रागगौरि॥ ५॥ हेमापिमोहननन्दकिसोरारिकाहचलोजातकि॥ ५॥
होवसकिरिसावरोजोगोरियावसतो॥ करालहरनचललनकिल
लकिनिजेप्रासाहयेरि॥ १॥ ३॥

जयजयशारति शारतिको

विजयशारति

दिनचर

रागगौरि॥ शारति॥ वं॥ जयजयशारतिगनपतिसुमेरो॥ ५॥ देवसु
निनायकमंगलदायक॥ विघननिवारणसंकरनन्दकी॥ १॥ कवि
मनतारकसंतनपालक॥ सत्रुविनाशनसनकष्टनन्दकी॥ २॥ ४॥

रागगौरिशारति॥ जयशारतिकरोसिवसंकरतिहारि॥ ५॥ तेजकिभा
रिभरिनोहेभारि॥ भवसवनकिलयकरोहोविचारि॥ १॥ दयालक्ष्मीसि
पतिभुपतिभारि॥ जयप्रकाशमलभगतविचारि॥ २॥ ५॥

रागगौरि॥ वं॥ द्विगुनह्रायमफया॥ ५॥ खालनिहंगुलियासिरस
चक्रमातयामोक्षमालगलसकोखाया॥ कोटिकोटिसुरजयातेज
जुलवसस्त्रयाभयंकररूपधरवया॥ १॥ हेलमानिमर्शिकयामदक
सथुस्पतयाहृदयसक्राडजोलविया॥ मोलियाहारनतियाकोस
चोडवेतालयालुयाजभितनजसचिया॥ २॥ हतनहिलायासवद
नडायावविसेजुलपक्षवयरिया॥ देवमुनिसाधकयाभगतिनयाक
याक्यादतवस्रजुननिया॥ ३॥ नागनसाधोजयाक्षमायावदाह
यालाभनक्षियालिमहया॥ मायामोहयापयाअथाहासमुद्रयादे
गाजुलेक्षियालिनिपाया॥ ४॥ ६॥

रागजायंती॥ वं॥ दिनबंधदिननाथयाहितेकथायोहेतुम॥ ५॥
जादिननुमगीधातारोलकापतिरिपुमारो॥ तादिननुमदेवतने
केवंदितेहोडायोहै॥ १॥ जादिननुमगनिकाकेअगुनाकोगुन
मानो॥ तादिननुमसवरिकोजुठेफलषायोहै॥ २॥ जादिननुम
हारिकामोडोपतिकेचिरवढायो॥ महाराजगजाकाजेनदधया
वनवायोहै॥ ३॥ जादिननुमभारथमोभिषमकोप्रसारयो
तातिननुमपाराडुसंगेसारथिकहायोहै॥ ४॥ तमहाअजान

जाने तुम दाडिभ जहुन आन ॥ बहुत अधिन होइ सुरग नगायो है ॥ ५ ॥ १

राग जाजत्रि ॥ वं ॥ आषति अरोषे ठाठिन नदनी जनक की ॥ कमल
कोमल गात को कहै पिता सो बात ॥ दाडि दे प्रतिपाता तधनुष तोर
नकि ॥ १ ॥ पुष्पा को माला हाथ सखि सव लिय साथ ॥ ठवर थवर जैसे
घुतलिक जककि ॥ २ ॥ लिया है धनुष वान धै चो है सरब नतान ॥ वासु
कि धनुहि जैसे लटिका खेलन कि ॥ ३ ॥ नल सिद्धो इस आया जनक प्र
तिपा पाय ॥ आनंद वटाइवा जे जान कि सुमन कि ॥ ४ ॥ २ ॥

राग जाजत्रि ॥ वं ॥ मन्दि को वारे को यि माला मेरि लै गइ ॥ माला
ते मेरि मगाउवा के दरसन कहा पाइ ॥ औ से वि सवा सिफा हाका
ति मेरि को गइ ॥ १ ॥ ३ ॥

राग प्रथारि ॥ प्र ॥ कर करुना मोहि दिने जननि देवि ॥ पापि पद
म प्रति प्रतिहिने माया मगल लीने ॥ नव पद मनहि मुखर निरस
मति चंचल मुख विलिने ॥ १ ॥ वेद विहित विधि जजन विरोधिया मरप
र स समाने ॥ गुरु सेवन पद मन नहि भावै माया मगन अध्यानि
॥ २ ॥ बाला पन मे खेलत भुले न जाने जय माला ॥ विषय विषन गन
जोवन जाने ह्व भयो ॥ इरव जाने ॥ ३ ॥ निन्द कियो निषी अवसर विते
नाहक जनम माया चरणा सरन गति दास कहै मय को दे हो चर
न कि दया ॥ ४ ॥ १ ॥

राग प्रथारि ॥ प्र ॥ त्रिभुवन बालि निष्पामा संकरि ॥ संकर को
रा निरूप मेरि सुर्य के टिके ते जैया ॥ मगड माला गले से है त्रि
नयन र मनी कुराडल अलक ठ सोभा ॥ १ ॥ जोति रूप जय जाला मु

माधुर

मन्दि

प्रथारि

त्रिभुवन

विदेविरचनालकीविराजे ॥ नृपतिप्रिर्वानकेजुगजगराजेभक्तकोग
तिमुक्तिदेनि ॥ २ ॥ २ ॥

गोपालराग

रागभथाहारि ॥ वं ॥ गोपालयाचररासरन ॥ ५ ॥ अधमअनाथधम
मोहमायामन ॥ व ॥ विमानकृष्णविमानध्वससारपारगमन
१ ॥ अहितअथिरजनगुनधनजन ॥ रतिरससुखदकोसपनथे
डन ॥ २ ॥ बुद्धादितदेहतोलतलचाडथन ॥ धदेहेमिपितोलेनफु
कहुगुमान ॥ ३ ॥ गपालदासनहलयाहुनेजतन ॥ भागतिभावतका
हुलाविविवेकन ॥ ४ ॥ ३ ॥

रघुराजराग

रागरामकं ॥ हेइस्त्रीगुरुयादयान ॥ सुलपतीसुधंरादेविगतरा
न ॥ वडअनगुलुयाकेडपदेसकाय ॥ १ ॥ हेदेवगलयाकेवडछर
बुधयोप ॥ थीथीमुषइस्पस्पस्परवहेदेयाव ॥ २ ॥ हेपरलोकसवड
यातधत्वमनीयाम ॥ गनपुडेयानावपदलोकासंलाय ॥ ३ ॥ हेमडी
मदलयाथासमडीरलनाथ हादेथवत्परयागडसभगवानस्प
दा ॥ ४ ॥ इस्पगिगुरपदयानरागनेत ॥ लोकनाथवीवजीत ॥ नंवह
रात ॥ होस्पचानंपलस्वानहरमीखायावान ॥ ततहाभुतामु - नसी
रसतयाहाव ॥ १ ॥ लोक ॥ अतितसुधंरवरिअलुनरसंभर ॥ अमी
तंभतठागतसीलसतयाहाव ॥ २ ॥ लोकना हअनगरतनमल
तीसानतीयरव ॥ सुरजटटीकलयाचीतस्वहभाताकलोक
ना ॥ ५ ॥ गरुडमीयाखामिराज्यपरहरताप ॥ याकवरवीवटवमची
भालमयाहाव ॥ ४ ॥ लोकनथवीवजीतस्पनवरहरदस्यान ॥ ॥

नादर

रागहिंदोल॥ प्र॥ नांदरदसमनुवाहरिभजोविलंभनकरोरे॥ ५॥ यहिसंसा
रकायकीवारि॥ समुमिसमुमिपागधरना॥ १॥ यहिसंसारअनिनिकेचि
लागी॥ विनुहीधनजनमरना॥ २॥ नावतहैयहिसेवतनाही॥ कोनेविधिसे
उत्तरोना॥ ३॥ नावतहैप्रभुनामजो लिजे॥ मुक्तिपदमपदपावना॥ ४॥
मुरदासकेप्रभुतमारीदरसके॥ तरनकमलचितवरोरा॥ धं ॥ १॥

हरिबिज

रागहिंदोल॥ वं॥ हरिविनुवाधेवदनमनिनकिहरिविनुप्रभविनुवपितेजल
परानकि॥ ५॥ मयिचैलियावैसलगेतचिरउडिकेस॥ अलपवैसलामो
रापियापरदेस॥ १॥ मासुगलिगतिरहिगेतोहाड॥ हाडकीकंकनसोहिभे
लाभार॥ २॥ अंगकेकापरभयिगेतधिन॥ नानकेकेवैसरिसोहिवलेहि
न॥ ३॥ कोहियजेपाथरदेवकीहिवैथेव्यान॥ हमधनिपूजेप्रीभगवा
न॥ ४॥ २॥

कोहन

रागहिंदोल॥ वं॥ कोनचोरायोतोरेवंसिहेमाधो॥ ५॥ वासकिवासुरितेह
रिकासन॥ दोसोमागोवावाजिसो॥ १॥ ३॥

रामकरवावा

रागहिंदोल॥ वं॥ रामकरवावारांमकरभाइ॥ रामनकहैताकोरामवा
रायि॥ ५॥ रामकरनगजगनिकातारे॥ रामनामप्रहलादउधारे॥ १॥
रामकरनगजपतितउधारे॥ गडनमुनारिअहल्यातारे॥ २॥ रामेरेसाहेव
पिवरेप्यासा॥ ज्यो ज्यो पिवयतप्यो प्यो प्यासा॥ ३॥ कहयकविरुनुनोभाइ
साधु॥ साधुनकरयधमगंनिपावय॥ ४॥ ४॥

गजवदे

रागथाहागारा॥ चौ॥ गजवदनसुखसादनमदनमुरतिलमोदरयकरा
पनसिरसिनुरजबजयजयनमोलेत॥ ५॥ गवरिसुतगरुगरोसलिवि
मजानअनेगभैवचंदितनुवसकललट्टिरिधिसिद्धिदातोविचाताविशा
वरनरितदेस॥ १॥ विप्रवितांपकहैसुखदायकअभिराजेजाकेसुरत

किरतचहुजगमेसु छि ॥ एहिनामआदिप्रहसनमोनमोनमोनमोनमोनव
चाकर्मनाकवनेसांगसुमेरतनुवचरनभेस ॥२॥१॥

रागव्याहागरा ॥ चौ ॥ कालितातकालिभवानिकालितोवैरानिसोहैकालि
कालिमहाकालिमधुपलोवतहैकिकालि ॥ ५ ॥ लालोइयाधारेलालद
त्रविरिहिलाललालेकोचरनलालकमलकेखवतहै ॥ १ ॥ केसरस्व
पियारेपियारेकंचनकि - भुषनपियारोहियारोधकफान्योकर
जातहैकी ॥ जानसेतकेप्रभुरियोवरिहरियोनन्दधरेमनगोडुन
किह्योमतजातहै ॥ २ ॥ २ ॥

रागव्याहागरा ॥ प्र ॥ वोलागमपिजलकेसुधा ॥ ५ ॥ मुधेग्यानचेत
करदेखोधवाकरतसकलजगमुवा ॥ लालहिजानहमसिमलस्यवा
मालाचौचनिकलगयिभुवा ॥ १ ॥ गडिगडिहाथकेथेवरसाजेअन
हुनचेतनहिचलनाहुवा ॥ अन्नकललेजातमजापिहारिचलेजैस्य
जुवारिकिजुवा ॥ २ ॥ पाचोनारिस्ककरदेखोदेखोडिगसितनयना
जलकवा ॥ सुरदासप्रभुनमारिदरसकोसंतनकोमुखअंमतच
हा ॥ ३ ॥ ३ ॥

रागव्याहागरा ॥ प्र ॥ विवजितहितउपदेसओ ॥ ५ ॥ वसयासिने
हिगनगलितोलमनेजिन ॥ मभालपाआइवविदेस ॥ १ ॥ लिमसो
सेवसरसवसनुसेचोजथास ॥ तोलमतविवेकयारस ॥ २ ॥ रसतिव
चनह्रासेनगलसितलयासे ॥ विसेहसजोगयासदेस ॥ ३ ॥ फेनिव
जुमानथनिजिगदिउखयायास ॥ दतवहविजितितआस ॥ ४ ॥
हाकसयाथलिमतिभगतिनलायागति ॥ यडजितकाहुजयाथास
॥ ५ ॥ ४ ॥

कालितात

वोलागम

विजित

हे जगन्नाथ

श्रीजगन्नाथ

कृपावत्सल

मौज्योयम

रागव्याहागरा॥४॥ हे जगन्नाथ मउथा समरवडन॥५॥ गोपिनिया जगल सक
यद्विन छलेया ज॥६॥ प्ररुषदरसन विवजित मटे ज॥७॥ समुना पाती र
स मेवम उगुथा स॥८॥ धिरतिन जित सलिल थिव गु तुलु मज॥९॥ हाक ह्म
या केचरन निसु दिन छिचरन॥१०॥ अवलायामन प्र रेया वद्विन मटे ना॥११॥

रागव्याहागरा॥५॥ श्रीजगन्नाथ स्वामि मन भजो ले॥६॥ निर्गुन रूप नि
रंजन थाकुल॥७॥ जैसे जल मो कमल विराजे॥८॥ वलम प्रहृष्ट सुभदरा
मायि साधु संगत व हिरचाला॥९॥ एक अरज श्रीजगन्नाथ दास
कि यरुप चाक्षदक वहु नहुटे॥१०॥ ६॥

रागव्याहागरा॥६॥ कृपावत्सल यात दय कुरु हरि जून॥७॥ असुरन सुरया के
अंम जला कवेले॥८॥ मोहि निरुपन हेय क॥९॥ सिताथे सुन्दरि जगत स
मेवम उ॥१०॥ वत्सयात डुरवतु सिपक॥११॥ रुप पुन जित थि कु वजात्वा तिनि
रानिया ज वयन क॥१२॥ राजा दको या जाया चौ डरावन॥१३॥ वत्सयात सि
ल कृति कृतिन क॥१४॥ राक्षे सजात स सुवुद्धि भिवि क्षरा॥१५॥ वत्सयात छ
त्रन कय क॥१६॥ हाक ह्म देव ह्म हरि चरन सरन॥१७॥ वत्सयात डुरवतु फ
ट्क॥१८॥ ९॥

रागव्याहागरा॥७॥ ज्यौ ज्यौराम रावित्यौ त्यौरहिय॥८॥ कवहुन घ
तम वं भोजन करिय॥९॥ कवहुन मुठिय क अन्न नहि पायिये॥ १० ॥
कवहुन वासामल मल पहिरे॥११॥ कवहुन फटिय क गुडरीन पायिये
१॥ कवहुन वतिया पलंगा पर सोवय॥१२॥ कवहुन मुठिय क घासन
हि पायिये॥ ३॥ ८॥

विप्रावि

रागआरति॥ चं॥ विष्णुविदारनकिजेआरति॥ नाकेजसनजेहानसुधारेधा
 रेडरविचलिजे॥ ५॥ अगमअपाललिलालससधसेस्वभावहुविधिसाजे
 वजनतालमदंजसजसागावतमुनिगनराजे॥ १॥ चौमुखदिपधु
 पफजमालानातानेवजससाजे॥ धरियअगुगजराजुवदनकेसुरग
 पातपदवाजे॥ २॥ सिसनमारिजोरिकरजुगकेसनसुधकरिसाजे॥ भाव
 भक्तिपरसेवाकिजेजयजयजयपदगाव॥ ३॥ संकरलालगवरिसुनसु
 न्दरभजनतभिमकिरभाजे॥ आगननाथनाथकेपदपदपदचारिनिवा
 जे॥ ४॥ १॥

देवोमाइ

रागआरति॥ चं॥ देवोमाइवनहसैआयगोपालाआरतिसाधुचले
 जवाल॥ ५॥ धुनिकेधुनिसवअंगलपतायागोलोचनकेतिलकवना
 या॥ १॥ मोरमकुटकरमुरलिसाहै॥ नखवरस्यदलेजगमाहे॥ २॥
 नन्दजसोदादेवनआये॥ कनककरसभरमंगलगावय॥ ३॥ २॥

माइजन

रागआरति॥ चं॥ माइजननिकोअन्ननयायाभक्तजनकोतनसुखदा
 यि॥ ५॥ सुगन्धधूपदीपआरतिवनाया॥ जलफलतामुरनैव्यदेचरु
 या॥ १॥ सुरनरमुनिजननानलगाया॥ यक्षकिन्नरसवआरतिगा
 या॥ २॥ सुखकोटिजोतिआरतिवनाया॥ तंत्रमंत्रसवनवपदहोयि
 ३॥ ३॥

निराजन

रागआरति॥ चं॥ निरखतरूपसितारघुवरकोकविनहिजातवधानि
 आरतिकरतकसत्पाएनि॥ ५॥ कनकधारेजगमानिकमुकुताभं
 रयवहुविधिमानी॥ मारोमानसकलभुवनकोकिरतुमहिमावेदव
 षानि॥ १॥ मोरधनुकाजनकगंजपुरननिनिलोकमेजानि॥ जनक
 रायकेलज्यारोषोपरसुरामभयमानि॥ २॥ सुरपुरनारिमुदितमंग
 लमनबोलतजयजयकाल॥ नाचतनभयअपसरामदितमनवरषसुम

नहरषानि॥३॥दसरथसहितनअधपुरवाजेडचरतजयजयकाल तुल
सिदासप्रभुकरयहजोरिभक्तअभयवरदानि॥४॥ ४ ॥

रागआरति॥वे॥हरतसकलसंतापजनमकोमगाजतरमजमजाल
कीआरतिकिंजसीमदनगोपालवविन्दकि॥५॥गोघतरुचिरक
पोलकीवातिअलकतकंचनथाल॥चन्द्रकोटिरविभानुकोटिछविम
खसोभानन्दलालकि॥१॥सखचक्रगदाप्रदमविराजेअवैरवयज
ब्रिदीमाल॥मोरमकुपिताम्बरसोहैवाजतवेनुबजालकि॥२॥सु
न्दललोलकपोलनकेछविनिरखतमदनगवपाल॥सुरनरमुनिजन
करतआरतिभक्तवलछलप्रतिपाल॥३॥घंटातालमृदंगआचरि
अजनकुसुमगुलाल॥मयवतिवलिरघुनाथदासप्रभुमोहमगकु
लवालकी॥४॥ ५ ॥

रागआरति॥वे॥जयपुरुषोपुरुषोतमकिजेअवहमआरतिकरो॥५॥
तिरेसुमदियोहैमानसभागतिभावयहरिनाम॥जोतिपुरुषसेखातमवो
हेभरथजनहरिनाम॥१॥ध्याननयजोगिजनदेखतअवरनकोउपाय
अठजोमैनामैकहुकिजेभषतिभावयहरिगाय॥२॥ ६ ॥

रागआरति॥च॥आरतिकरनजनककरजोरिवडोभागहमआयोमेरी
५॥सितास्वयंवरधनुकचढायी॥सबभवनमेगर्वनिवारे॥१॥तोख
नुकदियोदरकुटका॥रघुकुलहंसयरावनभयसंका॥२॥आय
सितासंगचलिय॥अलघनिलवजयमालापहिते॥३॥गजमोटिय
नकेचौकयरावय॥सबसखियनमिलिमंगलगाय॥४॥मिठिलापर
मैभगतवढावय॥दासमुरारिआरतिगावय॥५॥ ७ ॥

रामर

जयपुरुषो

आरतिकर

आवर्जिन

रागाश्रारति॥च॥आवर्जिनयायश्रारति॥५॥कामतश्रदिनदयकसेइ
तालपाचिकनसेनेहनयाव॥मायामोहश्रहंकारकुटकिपापयाभा
रकोटिसुरयायाजोति॥१॥दयालहिमीयाधनिनिपालयाश्रधिप
निजयपरकसनहाल॥भगतिभावतवससचरनकमंलरसल
सिकलनाथेश्वर॥२॥८॥

सोवर्जिन

रागाश्रारति॥रं॥सोवर्जिननाथमोहनवधिनाथ॥५॥श्रगतिह्रया
धिगतिपायमकुश्रारति॥लुकमिनिदेविश्रवनाथ॥१॥कामक्रो
धलोभश्रतिउरमतिमुरति॥मरवजतित्रिभुवनानाथ॥२॥माया
मोहपापश्रसश्रविवेकजालस॥थकावजिजडुकल्यानाथ॥३॥
चरणासरनचिबकरुनाकृपातिव॥हाकल्यपानाथरघुनाथ
४॥९॥

दिव्यश्रारति

रागाश्रारति॥रं॥दिव्यश्रारतिभगतिभावयकरतजोतिरूपसाज
ना॥५॥रसतचपलकोटिरुचिरचरननवविभासरे॥देवदैत्यध
नुजश्रदिसिवभावना॥१॥श्रमलकमलपदविराजेश्रचस्वास
श्रनिवास जयप्रकाशसूर्यवंसिनोगभावना॥२॥१०॥

जनमश्रनि

रागाश्रारति॥वं॥जनमजनमजिदासगोपालयाश्रारतिभावभगति
नयाय श्रनंतश्रपालयाश्रादिपुरुषयाश्रनेगश्रवतारकावसया
५॥वेदउधारपुयावतलमगलधरनिधरनिधलंकृष्णया॥नरसिंह
सिंघयादानवरोसियापेनपिकायावस्याकृष्णया॥१॥वावनवृक्ष
नवेदविचारयावलिराजाहलेयाकृष्णया॥रामरामवलरामश्रीराम
नुसेक्षेत्रीयारावनपदमकुटकृष्णया॥२॥कुरुनाकर्मकृयावत
लकथकेनकलियाकालकलंकिलया॥कुकनकंसकिसिकपटिप

तत्तारुमजुनामजुसेस्याकस्रया ॥३॥ पदमपवित्रपालिपलेनिपायाये
तापदविसेविज्पाकस्रया ॥ हाकस्रनाथयानाथगोपिनाथअखन
फुटकाकंथविरस्रया ॥ ४ ॥ ११ ॥

रागाश्रारति ॥ वं ॥ येगुलिपेदारथलायइयामयाश्रारतियाय ॥ ५ ॥ श्रीरव
णकेसरिकसुरिनयाय ॥ फलमुलनैवदेहया ॥ १ ॥ नगलनदिवाक
रणानमनचाय ॥ भगतिनपुरनयाय ॥ २ ॥ एकचितनहरिनामका
य ॥ धनजनमायामोरुवाय ॥ ३ ॥ हाकस्रयामनलहिपालिवमवाय
वविनाममडुजिडयाय ॥ ४ ॥ १२ ॥

रागाश्रारति ॥ वं ॥ जयवोलोश्रारतिश्रीनारायनकी ॥ ५ ॥ गवकुलमेगोपा
लकिराजे मयिनिसंगवलेरी ॥ १ ॥ करुयकविरसुनोभायिस्वाधु हरि
केभजनगुनगार्थी ॥ २ ॥ १३ ॥

रागाश्रारति ॥ च ॥ जयजयश्रारतिजागनजननकी ॥ ५ ॥ कालिभवानिजि
प्राजमनि ॥ गुरुमुखसुनसवसानि ॥ १ ॥ देविदयानिजिभुवनरानि
सुनगुनिजननिभवानि ॥ २ ॥ १४ ॥

रागाश्रारति ॥ च ॥ हरधरजिकोमरमनपायाजनीयचोलाश्रजववनाया
क्र ॥ पानिकेसियधवनकिधाया ॥ आठसासदससिवनलागा ॥ १ ॥
पाचतेत्रकिगुडरिवनाया ॥ चक्रसुयीदोनथिकरिवनाया ॥ २ ॥
आपहिसिवयआपुवनावय ॥ आरापुरुषसेहनेपहिरावय ॥ ३ ॥
कोटजननकरमुकुटवनाया ॥ विचविचहेरामेतिलालगाया ॥ ४ ॥
हिरनिलकाकंचनवेल ॥ करुयकविरसुयीगुरुमेरा ॥ ५ ॥ १५ ॥

येगुलिपेदा

जयवोलो

जयश्रारति

हरधरजिको

अरि

रागआरति॥ च॥ आरतिअंजनीतालजतिकि॥ गावतसुरनरनागरा
 रहवाजतअतयटतालजतिकि॥ ५॥ तोरनसारमजातअसुरकेसे
 वकरामदयाल जायजनकपुरफादिसी पुकेलाइलाइविहालज
 तिकि॥ १॥ विरराविरमहाबलवाकेभुजगिरितुंकवहाल॥ सोहनकु
 राउलकामनदोडमानोवरनममाल॥ २॥ लोचनअरुनलोतलविछा
 यअम्बरपितरसाल॥ वर्जदेहलक्षराजिययाताजानकिसोकनि
 काल॥ ३॥ शिवकेअंखमारुतसुतजगमोहरनभक्तजमजाल॥
 श्रीहनुमंतवाहापुरभाइसरनागतभिमखाल॥ ४॥ ५॥

गलकलितेवो

रागकेदारा॥ र॥ भवानिहेथुगुख। फुटकिरान॥ दिविरामपुजि
 सहाय॥ ५॥ बालबजिजरमसपुविकजियापसरे॥ सोहुनेकरु
 नाप्रधान॥ १॥ धनजनतोलतावजुयधुनअधमसते॥ अगपानि
 पामरपुरेयाव॥ २॥ वरराखरराविवविपालियाकोसतिवरे
 नयमतेताकालबाजव॥ ३॥ यायमफुदिभजनहिहिदिया
 रतेवनयोजिशरिगजव॥ ४॥ हाकलदियालिवालषयाआसा
 जुलद्विद्वस्यारे॥ जनमजनमद्विसहाय॥ ५॥

भवा

रागकेदारा॥ र॥ संतोसदाप्रमिपालगुह्येकालि॥ ५॥ संखचक्रग
 रापअविराजेगलेरुडकिमाल॥ भयरीगरपतिसंगलिरीगरातो
 जागिनीसाथ॥ १॥ श्रीररावाहापुरसाहुनपकोसदारहोप्रिति
 पाररामप्रसादराअस्तुतिगावयदीयोश्रुतिहाय॥ २॥

रागकेदारा ॥ स्व ॥ भवानिद्विचरनसरनशदर ॥ ६ ॥ शुगुलिसंसारसकप
 दमन्यजुलधरमविवेमयाक मोहयावसजुस्पतिनभुललपुपापया
 भयनमगाक ॥ १ ॥ शुगुलिवराजयलपावनलसलिलश्रुतिमिरवजव
 पल्पलानखफनिथगुलिजिवउति ॥ मचोडधिरनसदारे ॥ २ ॥ श्रसति
 - मुदिनिदेवियाभगतिनमुगुतिभजनखडाव ॥ अनाथजनपनिस्
 रनमेवमदुखिद्वलविरानसाहाय ॥ ३ ॥

रागवसंत ॥ सविजीवनमतेनामदजयाकाय ॥ भवनसमदुवतिशु
 दलश्रजीगुतिस्वसेनतुस्वयमगाक ॥ ४ ॥ नेकरनननहेललसनहेय
 केसव ॥ जीपनिवरसिकलजाकमतेडा ॥ १ ॥ रसिकलमिषावानहि
 लावस्वयावनमोहलपाडईनिथेनेन ॥ धिलनमचोनगपाननुगल
 सवतुधान ॥ वायमालिवधकावापाकमतेना ॥ २ ॥ वडावजिचो
 जथासथेसितलमुलसधुसेतयास्वानभेनस्वाकथधीनमिजन
 हयभागेयाफलनलाथ ॥ जीवनतुनलेनगाकमतेडा ॥ ३ ॥ जरम
 सुफलजुवकरमसमिसतवहरिजयासेवाकनह्राय ॥ स्वगुलिलो
 कयाधनीपुरुषपरसमनि ॥ पुनेयाफलनलाकमतेसवी ॥ ४ ॥

रागसिहाज्या ॥ वं ॥ हियाहिथंलुमनकावहरियानामकाव ॥ ५ ॥ गन
 ससिद्धिपतिगनयाथाकुरंगलसविजोनावदुवन ॥ सरनसेवलपेच
 हियाहिहिनेचरिडलीकडपकालन ॥ १ ॥ जुलयोअजुगुतिजुल
 योजगदुखजुइवगाथेगाथेआवन ॥ धनसमनतसेधनममधासध
 ललपुपापसलिलने ॥ २ ॥ वनेनेलोहिजिसवनिवजनमयुरिवडा
 ववयसियमालर ॥ नयावचोडखडजमयासासनानजनमन

उखसिलवृक्षनं ॥ ३ ॥ कलिसजरमकपटपापमनकधिनगातिलाय
 लाकनं ॥ थलियादिनिनथुगुलिजनमसधनकरिनामकावने
 ४ मनुषेजरममजुलेसदानिमननगथेगथेमसिले ॥ सुजनयासु
 वचनसुमतिमडेडानसुखसपावभोगयातन ॥ ५ ॥ कसंगसंगसक
 बुद्धिपापमनकातिकुलनासजुरनेदयावधनकायदसेनदान
 महुदलिप्रजुलिथजनमं ॥ ६ ॥ मखतेथसंरिरमखतेतिरिजन
 मखतेपुत्रपरिजननं ॥ ७ ॥ मनयानाजुकोथवतदइवथथेमदान
 पुन्यमालनं ॥ ८ ॥ वलथवदवधकवलमहुसजन वलनहुखविसे
 सननं ॥ परयातहुखवियपदमपापलाकपरलोकनरकसव
 तिव ॥ ९ ॥ सालयासालससाधुवसंगससहजनसुभगतिलातनं
 परयातइयकालपरमधरमपदमपदलातवृक्षनं ॥ १० ॥ डेडानपा
 पफुकडहुनेहरिकथाडहुनेभारतपुराननं ॥ ११ ॥ मयापासकेने
 जननधरमनजपलेपेहरिनामकावनं ॥ १२ ॥ वचनपितलवासुदे
 वसुतवचनहरिसेवाभावनं ॥ १३ ॥ जुजुभपालेऊजुगतिविहलपुज
 यजुसदाजसमालनं ॥ १४ ॥ ॥ १ ॥

राजसिद्धान्ता ॥ वं ॥ कृष्णजुविनानमनधिरमजुवनि ॥ १ ॥ दहले
 विरहनदधजुलयोमनगथेचोनेवृक्षवविनाननि ॥ २ ॥ हयिनिसमा
 वमनिनुगलमदिनक्रातिबोधयायमजिवपरा ॥ ३ ॥ वसमदय
 कजिरमफयावेघलदिनकायजुलजिह्मफिहावरि ॥ ४ ॥ दसन
 मवियानमियधुनजिमननवेरथमवन ॥ ५ ॥ जलमनि ॥ ६ ॥ ॥
 गथेनथजिवहनेथुगुलिहुखसुकनेयायिवसुनानजिडपायनि

विदरसनवासत्रवलतिरियाथाससीवप्रभुकरुनादयावति॥३॥ मडुक
 लयाधमनिसोगुलिलोकयाधनिजनमजनमजिहिदासनि॥ कलियापास
 नकेलेफेनिवसुनातमेलेहाकसयायाहुनेउधारनि॥४॥ २॥

शिवश्रीमहा

राजसिद्धाज्या॥ वं॥ शिवशिवश्रीमहादेवत्रिभुवनानाथ॥ ५॥ खववहिअ
 गहेगुलिरंगसिलसांगावासविले॥ त्रिभुवननाथभनवसाथंयैतपिसा
 रइ-जुलं॥ १॥ मडमलुदालेविनकोवाल-नगहालंजेजुलं॥ इसस
 हितिसानागनहिसावाहनथुसाधम्मजुलं॥ २॥ गलसकोवालमोल
 यामालेनागननिनंविजतल॥ विभुतिनबुलंजोडविश्रुलंचडकला
 लंहुडतलं॥ ३॥ धुडेगुलिलासाहुडवुथासावाहानथसाधम्मजु
 लंथमअवधुतंवानसजुक्रंजोगिजुयावफीनजुलं॥ ४॥ गजिभाड
 तोसाअफिननसायसनयानेमसुजुलं॥ मिषासोगोलेमिगुलिषो
 लंकामदेवभसमजुलं॥ ५॥ लसवेसनदिरववषसभन्दिडांकरनाथ
 सिधिविले रसनविज्यासेप्याषनहुसेमुसुहुनक्रिसेथानफलं॥ ६॥
 छिगुलिवरिंह्यायअसक्रंदोडक्षमप्यावजिनसिवं॥ हाकसअना
 थंयाहुनेउधारंलोकयाउधारयावशिवं॥ ७॥ ३॥

जगन्नाथ

रागसोराथ॥ ८॥ जुगतसोपनमानजोगि॥ अजारजारेसाधसाधया
 वपपदनिरवान॥ ९॥ पाचवाधेतिनछोडेआठडारेकाथ॥ आवहं
 साधिवपानिषुषमनाकेछाटा॥ १०॥ मूलवाधनाभिसाव्यइडापिवप
 वनसुखमनाघरकरेआसनमिठेआवागवन॥ ११॥ उलनिपवन
 वटचक्रभेदगगनगनोजापि॥ अदेवेदेषयअपिवयपिवयरहेत
 त्वसमान॥ १२॥ पागिआसामारिमनसामेनदारेथोइ॥ करेनानकजोग

अधिसायापुकरताहोयि ॥ ४ ॥ १ ॥

रागसोरथ ॥ ३ ॥ मोहनसविजिजिववसमान ॥ ४ ॥ वलिवासमयसहानह
रखनगुचोससुनभुजाव ॥ आबदरसंनलायवसगनहिजिसनगलमुयाव
॥ १ ॥ मधुरासहरसमुषयाथासववहुगतिनुइवधगाम ॥ २ ॥ अनेगरस
षनिजियनिमलुमनिपरयावसजुलश्याम ॥ ३ ॥ करुनामडसवजायमने
षवभालयेथममसयाव ॥ विरहतापनसलिलगडावनलेनिवममुथप
रान ॥ ४ ॥ हाकहमकुसदिनिपतिपुरुषमनिजगतजपनसोयाव ॥ लुमडा
छनगुनमतमटेनजिनभमलयाजिलसात ॥ ४ ॥ २ ॥

रागसोरथ ॥ ३ ॥ वारिघनगरजेगरजेरसकिबुदनवरसेमेहरवा ॥ ४ ॥
एकअधिसाधिरांतिविजुलिचमके ॥ पवनचलतसनननननननवर
से ॥ १ ॥ मोरपधियाराकोयालिकुकेय ॥ रुगुरुवावालेरुननननननन
वरसे ॥ २ ॥ कालिकुलिवदरियाउमानिपुमानिया ॥ मेघगरजेघननन
ननननवरसे ॥ ३ ॥ ३ ॥

रागसोरथ ॥ ३ ॥ कृष्णफिरतहेवनवासुरिवाजेआसहोगोपिनीसव ॥ ४ ॥
मधुरिवनफिरतकोहितहिसाथे ॥ सविमवसुगंधनसरिलियहाथे ॥ १ ॥
मोहवदनदेपिपिह्यातनसाथे ॥ भुवनवरसवचासुरिवाजे ॥ २ ॥ वहदि
सघनघनमेघवर्षाहै ॥ पुंवनवरसनलागिरोसारे ॥ ३ ॥ कमलनय
नमृगअंगमिलावय ॥ श्रीररावहादुरहमकेस्पयावय ॥ ४ ॥

राग ॥ मल्लार ॥ रामनामवसीमेरोवनरामनामवसि ॥ कोहुकहैमिला
भैयवाहेरिकोहुकहैकुलनसिमेरो ॥ ४ ॥ कोहुकहैकुलदियआगर
कोहुकहैरामरसी ॥ जानसतगुरुहाठलिनुदरसकोरधसि ॥ १ ॥
देखतहिषअचलनिनुअधिकसोभारसि ॥ भरवषाजवदियपठा

मोरनसवि

वारिघनगरजे

कृष्णफिरत

रामनाम

यत्पतरामनामकसि॥२॥नेरेकारनश्यामसुन्दरसकजगूनहसि॥दा॥
समिलालालगिरिधरकाटिलेजमफासिसेरो॥३॥५॥

जलविह

रागमल्लार॥३॥जलविहरनमैसंकरमंगनभयिगिरिजालियसंग॥५॥
मलयायवनसितलवहनहेसोभामानविराजितहै॥कोकिलमयुरधुनि
मधुरहै॥५॥जलसितलछिरकरनहैभावमानविराजितहै॥न्यररावहा
दुरभनतहै॥२॥६॥

होउथोकरि

रागहोलिमल्लार॥३॥उधोहोकारेनगपालआय॥५॥कीवहिदेसमे
पतिउतनाहीजोतिकनाहिनकोहिमैविरहिनिकेवेथानजानेहियाराडु
खहोयी॥५॥किवहिदेसमेचात्रिकनाहिदावरनाहिनमारो॥कालिघटा
वहुवरैआयेवरंसेघनघोर॥२॥कीवहिडुनकीवातनसुनिस्वोचिर
हेवनवासि॥स्वामिहमारोसुधीविसरिगयोहैपरमानन्ददास॥३॥७॥

दोहोगतु

रागहोरिसोरथ॥३॥होहोहोवालवुपरदेसीयाहोरिमैकासंगखेलिय
५॥भरिगयोतारनगरसागरबोलनलाग्योयंछिया॥गहिरवनदिखा
नावनपाठकैसेविधिलेविहसदेसिया॥५॥साथसखिनमिलिरेचोअ
हिरोलेगावतरागसदेसिया॥वालापनकोअवलानिवहैअवनिव
हतनगासिया॥२॥घरघरकामिनिकरनकलोलैहमविरहिनिवन
वासिया॥मिराकेअभुगिरिधरनागरलागिविरहनआगासिया॥५॥
३॥८॥

वलिघरि

रागहोरिसोरथ॥३॥वलिघरिअवदिनहोरिआयघरआवयघनस्या
म॥५॥लोकाकहैदुनायरटारो॥बहियर्धोवहिरुपाम॥५॥धन्यतेरोभा
गेसोहायभामिनिअवरसोहैडुजैवाम॥लक्ष्मीरामकोइक्षायुगय
वहिसितावहिराम॥२॥९॥

रागानुबन्ध

रागानुबन्ध ॥ ३ ॥ हाहाच चलवितचतुर घेले होय रिमुषा तिलक सो है मृग
मदके ॥ ४ ॥ कोहु अविरोडारे कोहु पच्छा रिमारे ॥ नेक दुदय होअयने
सजको ॥ ५ ॥ नायनोवाहु वंदस्मके फंदो विराजे गो रिय कक समिति
दामिनि अधिके ॥ यह विध घेले राजाराम पिया सोइ नाम सुन्दर सो
अयने रूगरो ॥ २ ॥ ५० ॥

रागानुबन्ध

रागानुबन्ध ॥ ४ ॥ औरतागर घेलन हो रिपि हा आवनगर घेलन हो रि ॥ ५ ॥
घेलन गाल घेलन गो पियन ॥ परस परस वां हो जो रि ॥ १ ॥ धूम मचो है
रास मय डल मै संग लिय गोय किं सो नि ॥ कोहु मारत फुका अविरोडारे
कोहु पच्छा कालिले लै दो रि ॥ २ ॥ कोहु लिय मृग मद दिकत कोहु लिये
चनुन वोरि ॥ माध सो है सुधि अरग जावे नी सो है फेंदा दो रि ॥ ३ ॥
वदन ललित पर अलख विश्व रि ते विच दियो तिलक थोरि ॥ रूप वनो
राधिकाने रि मानु कियो काम कि चोरि ॥ ४ ॥ के हरि कटिल चकटि है
पारि और देव नयन के रि ॥ चलन चाल हंसा ति डोले अडर लाग
न वारि भोरि ॥ ५ ॥ गालन मै जै सो काहु वनो है गो पियन मै राधा गो
रि ॥ मले वम के प्रभु रि मिमगन भइ छिनि छित दे तो न सवोरि ॥ ६ ॥ ५१ ॥

सयन कुंज

रागानुबन्ध ॥ ५ ॥ सयन कुंज वन राधे चल हो फा गु घेलन गिरिध
र ॥ १ ॥ इत डवत नि है राधिका गो पिय विच मनो हर नाम ॥ चहु दि स
चाल विंडु रि के छवि सरस ताल वाजित आनन्द पर ॥ १ ॥ रंगिले
गुलाफ कहू मवेलि भरि भरि गो धलिय पिता म्वर ॥ छविले दास्य
प्रभु जनम जनम वलि चर राक मल राति न आनन्द पर ॥ २ ॥ ५२ ॥

मोहनआज

रामनद॥३॥ मोहनआजलजमायेरी॥४॥ एकवरनन्दजसोमनिद
येचकरवलभडभाइ॥ एकवरवसुदेवउधवठायेचकरदेवकि
माइ॥५॥ भरिचकारिगमोयरडारेमारतकुमकुमजोर॥ वारंवारसो
रेछतिहुवनहैगोधिनिमाचनचोर॥६॥ कासोकहुमेरिपिरसपिरि
आवतहैनन्दलाल॥ गुरुजनकेविचवगलदवावेछुटतहैसधि
जाल॥७॥ सुइसनटितकोहिनहिसधिरिआधिरगवालकिजात
उठतमसपालअनेकताहापरछितकिचोंदरिरात॥८॥ अचला
भिजिगइसारिभिनिचोलियाधरकीमेरि॥ जवमेसावरयकवर
पाउतवरापुरातिमेरि॥९॥ श्रीररावहाडुरप्रभुहोरिछलैसवरा
जनकोराज॥ ८॥ १३॥

रंगहोरि

रामधनाश्री॥१॥ रंगहोरिहोराधेवेलतनन्दकेलालसौ॥ वेलत
वेलतभलयनथवेसनिडडिगयवालसौ॥२॥ चुवाचन्दनअविर
यनंगजा॥ भरिचकालिगुलालसौ॥३॥ गोरिचङ्कावनवेलनच
लिया॥ मदहसिहुटेद्वारसो॥४॥ सुखासप्रभुनुमारिदरसको॥
चरराकमलकेआससो॥ ३॥ १४॥

वृजवक्त्रा

रामासोरथ॥१॥ वृजवक्त्रासंगवेलनेहोरिविनुदेवनन्दलाल॥२॥
जाइकहोउधवनिदुरसेवितनलागेवाहार॥३॥ वृजवनितावस
छोडिकेमाधवकुविजाकेपनप्रीत॥ मेरसुरथरुमनिसुदिन
लेखतहमकुविजाकेरीत॥४॥ कोयलीकहुकेपपिहावालेवर
सनलागेमेघ॥ सोरसिंगारअकरथगयोहैअजहुनआयेस
देस॥५॥ चुवाचन्दनअवरआजाकेसरहिरकनिहार॥ पृथि
नारायणप्रभुचिरजीवयजगभरिराजनिहार॥ २॥ १५॥ ॥

सुतोसधि

रागव्याहागरा॥ प्र॥ सुतोसधिनन्दकोटोटाहोरिकेरंगमचाय
 अतरफुलेलचन्दनश्ररगजा॥ केसरद्विरकनश्राय॥ ५॥
 ग्वपिग्वालसवमिलिषेलनश्रविरमुललउडार॥ गावनवे
 उमृदंगवजावनदेवतमनललचाय॥ १॥ यकवरनारिनपाति
 नवेथेयकवरनरपतिभावयकुमकुममारनहसिमुमुकावन
 तेनावानचलाय॥ २॥ तारनमैजैमोपुरनचठासधियनमै
 राधापावय॥ मरिगानमैजैसोचिचामनितरमेकह्यकहाय
 ३॥ प्यारिप्यारेपरसपरदोहडरसोडरमिताय॥ तानवरस
 कहेजिवाजनुसवमोहैकामकिरुविरसाय॥ ४॥ १॥ ॥

गौरिग

रागव्याहागरा॥ प्र॥ गौरिलियदोगुलालवेलेलालसो॥ ५॥
 हातलिनपचकारिनद्विरकन॥ भरिभरिगोधगुलालसोल
 लना॥ १॥ विपटसेलेचतुरहोमोहनधैरेभुवतिनजालसो
 ललना॥ सवसुषयेमदुटेगिरिकेशववाधिलियकरसाल
 सोललना॥ २॥ २॥

वनिवनि

रागव्याहागरा॥ प्र॥ वनिवनिश्रायमनमोहनजवमुरलिते
 रमुनाइ॥ ५॥ सोहसिंगारभषरादादस॥ पहिलेसपरिचुना
 इ॥ १॥ पुडनगुलाललालभयिवादर॥ श्यामवदनश्रवरनहि
 २॥ श्रीरपावराडुरप्रभहोरिषेलनश्रसलवन्योश्रवरना
 ही॥ ३॥ २॥

लंगरहो

रागव्याहागरा॥ प्र॥ लंगनहोरिषेलनजोपकरेमारहात॥
 ५॥ द्विनिलियमोरेशुरंगचनरिया॥ मागिकरिकरगात॥ १॥
 पुटिगइमोरैमोतिकेलडिया॥ दुटिगइसंगसात॥ २॥ ४॥

पराविशिष्ट

रागव्याहागरा ॥ प्र ॥ स्थाविचित्रनारिदुहावयमाइमाइहो ॥ ३ ॥
मनमोहनजवमुरलिवजावय ॥ श्रवनसुनतहमेजउठिधावय
॥ ४ ॥ मारोकंचनमोनिनहिरा ॥ सवहिसधिनमिलिकरनवरायि
माइहो ॥ २ ॥ ५ ॥

कोषेहेतो

रागव्याहागरा ॥ प्र ॥ कोषेलैहोविनुपिहाआयोरिफगुनहोरि
॥ ३ ॥ पंचजनामिलिहोरिजाषेलै ॥ मेरेपिहाघरनाहिनआयोरि
फागु ॥ ४ ॥ मैकहुषेलैहोरिनवोरि ॥ जाकेपिहाघरनाहिनआ
योरिफागु ॥ २ ॥ ६ ॥

लालकउने

रागव्याहागरा ॥ प्र ॥ लालक्योनडावोरिलषपरदिरकगुलाल
॥ ३ ॥ जनिदारोहीमोरेसनमुख ॥ नाहोकदुगेमैगाति ॥ १ ॥
उडगुलाललालभयीवादर ॥ केसरभरपचकगति ॥ २ ॥ ७ ॥

जमनोनि। ज

रागवेहागरा ॥ प्र ॥ नमटोनियटवावरिअतरगुलालतावनदे
॥ ३ ॥ याहुकोरसलेगाहुकोरसलेरसंहिरसमेरोमनकोधिहुरु
वा ॥ होरिकोदिनआवनदेनुमतो ॥ ४ ॥ ८ ॥

शाशवजा

रागव्याहागरा ॥ जय ॥ प्र ॥ होलालाश्यामवजावयवेनामैकैसे
करदेवनजाउरीमै ॥ ३ ॥ अन्नविराजैसोप्रागाडुषितभइ
जलविनाजैसापिना ॥ सयनिहंहांहांवालायनकिनारि
दुखावैजीवनहोतोदिना ॥ १ ॥ करहोसिंगापलगापरवेठे
पिहाआदरकरिलिना ॥ सयनिहंहांहांजीवनकरसची
जियाभिजेप्रितमपुछपसीनामैकैसे ॥ २ ॥ ॥ ॥

रामजत ॥ ३ ॥ बालेवृष्यारेयानिहास्यानिहंहांहांसेजमोरेनहिआ
 चे ॥ ५ ॥ नैनाहमारोदिगंवरसोभितनिसुदिनरहतउधारे ॥ येया
 निहंहांहांक्यातकसिरपरेजियामोसोरयनरहोडुधारे ॥ ५ ॥
 काठकठोरिराधिकसिधितवाजुचन्दतेतोउधारे ॥ स्यानिहंहां
 हासोहसिंगारअभुषराहादसतोरसवैजनिदारे ॥ ६ ॥ ५० ॥

वसतराग ॥ ललितलः वंगरतापरि ॥ क्षीलनकोमलमलयसमिते
 मधुकलनीकलवितकोकीलञ्जितकुजकुतीर ॥ ५ ॥ विहरतिह
 रिरिहसरसवसनेतिपतिकुभतिजनेनसमंसखिविरहिजनस्पड
 रते ॥ ६ ॥ उन्मदमदनमतोरथपतीकवधुजनजनीतविराये ॥ अ
 जीकुलसंकुलकुसुमस्वहाराकुलवकुलाकराये ॥ ७ ॥ मगम
 दसोरभरभसवसवदनवदलमालतीमाले ॥ जुवजनरुदयविद
 रतमनसिजनवरुचिकिसुकजाले ॥ ८ ॥ मदममहिपतिकनक
 दंरुचिकेसरकुसुमविकासे ॥ मिलीनसिलीमुषपातलीपतल
 रूतस्मरभुषवीलासे ॥ ९ ॥ विगलितरजीतजगदवलोकनतरुन
 करनरुतहासे विरहिनीकनरकुनमुषाहनीकेतकिदनुलित
 से ॥ १० ॥ माधवीकापरिमलललीतेनवमालीकयो ॥ निसुगधो ॥ मु
 नीमतसामपीमोहनकारिनीनरुनाकारनवधो ॥ ११ ॥ फुलदती
 मुकरतापरीरभनमुकुरितपुलकितचुते ॥ बन्दावनविपिनेय
 रिसरपरिगतयमुनाजलपुते ॥ १२ ॥ क्षीजयदेवभनीतमिदम
 दयतिहरिचरतस्मृतिसार ॥ सरसवसन्नसमयवतवर्तनमनु
 गतमदनविकार ॥ १३ ॥

सगलिर्गन ॥ सुतरनरघरवाडुलताती ॥ उरिगयोहंसपरलतोहेमा
तीनरहुगी ॥ मातीकोदेहिअनुयकिसेना ॥ नतीगयोर्कभ्योलिड
रिगयोमेरा ॥ नरहुगी ॥ १ ॥

होरघुनाथ

रागकाफिहोरि ॥ ३ ॥ होरघुनाथआयजानकीहो ॥ हामेरेलल
नादशरथसुतदाहुवीरो ॥ ४ ॥ जवरघुनाथलेसायखाधेकट
कउतारेपारा ॥ निनिभुवनजवडोलनलागोडोलहिवासुकिना
गा ॥ १ ॥ कहनमनोधरिसुनोपियारावरांमिलहोदकहुकरजो
रा ॥ नकेमानकिनुमहरिल्यायोवनमेअचानकिचोरि ॥ २ ॥
कुंभकरातजैसोभाइजाकेमेघनाथअैसेधर ॥ कंचनकोगर
कोहोलेवैयापरिखोसायरतीरो ॥ ३ ॥ जंतुबंधजैसोमत्रिजाकोले
क्षिमनजैसोभायी ॥ हनुमचजैसोसेवकजाकोनियडठिलंका
देघाइ ॥ ४ ॥ लंकाजारेरावनमारदियोहोभविक्षराराज ॥ मुले
सिदासप्रभुनुमारिदरसकोजितिचत्योमहाराज ॥ ५ ॥ १ ॥

होरसहोरि

रागकाफि ॥ ३ ॥ होरसहोरिखेलनसावरोहो हामेरेललनाखेल
नयमुनाकोतीरो ॥ ४ ॥ लालहिंगानलालहिप्रहामिलालैह
खेलालैपात ॥ लालैलालवनिजवनितालालैललनाजि
कोगात ॥ १ ॥ कनकेकठौराकेसरभरिकेलेललितादियोहान
अंचलदेवषभामननन्दिनिदिरकनहरिजुकोगात ॥ २ ॥ सबल
सुदामाकेसभरिकेमयोहोकरमदवार ॥ अउजचौरपररा
धेपरहुदिगायोमगमदघोर ॥ ३ ॥ इतहिबुवारउतकवारिराधि
कागयोहोनन्ददरवार ॥ करनमारपरराधेपरजीयोहेन

रुलिको लाल ॥४॥ वाजत निसानमनु घनगरजे महान् अधिक
द्विद्वारे ॥ बालवामिलिहोरिसेलततारपायनवलिजाय ॥

॥५॥ २॥

गिरिकैलास

रागकाफि ॥५॥ गिरिकैलासहिरंगसदासिव ॥ रंगहोरिहोरिहोरि
जायकसासदासिवहोरिहो ॥ १॥ भुजवेतालसमाजे ॥ रंगहोरि
होडाकिनिजोगिनिस्वगसदासिवहोरिहो ॥ २॥ गावहिचंचलि
कुमकरे ॥ रंगहोरिहोभागधनुचटायसदासीवहोरिहो ॥ ३॥
पारवतिविनतिकरे ॥ रंगहोरिहोभाचतमगनमहेससदासि
वहोरिहो ॥ ४॥ चुवाचन्दनअविरयरंगजा ॥ रंगहोरिहोद्विर
कतभसमस्मेतसदासिवहोरिहो ॥ ५॥ सवमिलिद्विस्वजसंभुको
रंगहोरिहोभनयविद्यापतिभागेसदासिवहोरिहो ॥ ६॥ ३॥

अरुका लिखे

रागकाफि ॥५॥ मुख्यकालिषैलैहोरियश्रुपतिनाथजोरि ॥ भवकोभ
सविराजितननमैभगतिकेमुखरोति ॥ १॥ हरकोडिमिकिउम्वर
वाजतगावतभुजवेतालरी ॥ इनकोभालमृदंगकारुडंफना
चतयोगिनीज्वाली ॥ २॥ हरकोवसनवद्यम्वरराजितद्विवर
नेकोअपाररी ॥ इनकोजडितजडावकीसारिलकतअउय
अपाररी ॥ ३॥ सिबकोवाहनवयनवंन्योहैभगवतिकेमुगराज
री ॥ हरकोमाइनवापनकोइउनकेपितागिरिराजरी ॥ ४॥ भवको
भागघोरेपिचकारिभगवतिडारेअविरवी ॥ सैसेवेसवमारिम
योहैवागमतिकेतिररी ॥ ५॥ भयप्रतापसिंहसारुसेवकहै
देहोअभयवरदानरी ॥ भगभगवतिसोयहविनतिमेरिजीव

नाथकविभानरी ॥ ५ ॥ ४ ॥

उफुधका

राफकफि ॥ ५ ॥ डंफधुकारधुनिसवधावयमोहनपैवेलेशुम ॥
यकगावतयकमृदंगवजावतमनमोमिलनकोरिहवारि ॥ १ ॥
अतरएलालमलमलेअंगहोलेलेयिचकारिगुलालस ॥ रंगभ
रसप्रभुरिकेरिहावतलपटिगडुडूमवेरिदायारे ॥ १ ॥ ५ ॥

मैतोपिहा

रागकापि ॥ ५ ॥ मैतोपिहाविनुकहुनसोहायलोगकहैमैकोवाव
रि ॥ ५ ॥ आपनआवतलेधिनपठावतहमकैसेघरजावरि ॥
५ ॥ ६ ॥

चंचला

रागवसत्र ॥ ५ ॥ चंचलाचवारिरेमाइजसोदाकेलालनदेखो ॥ ५ ॥
नितेउठिवेचनजातमहिरिनिनेउठिलालवठाइ ॥ हैकोहिमेरिसं
गसबायिजायकाहासमुकाइदेखो ॥ १ ॥ संगतमेरीडुआयोहिमे
कोरहरिघेरि ॥ सासुसुनयवनवासदियोरिधंधपयोजियमे
रा ॥ २ ॥ वामेहातअरगजाहीनुकेदहिनेगुलापकिरा ॥ रस
कुचनकदानकडायेदरकिगयोमेरिचौरि ॥ ३ ॥ हमतेभवालि
निकंशराजाकेतुमतोइपामसरि ॥ मिराकेधभुवरजनमा
नोअंतकहिरअहिरदेखो ॥ ४ ॥ १ ॥

छोहनेज

रागवसंत ॥ ५ ॥ छोहनेजिजमुनायापारविनतिडेनेमालहेस
काहज ॥ ५ ॥ मनयाहतासनवयाथनिकारजनयनेमठेवि
वनिधा ॥ ५ ॥ मतेसनेअवलावलवातसगासालावलुलकुल
मंभिनेउभार ॥ १ ॥ सदस्याद्याटसअनेकवइवलसलाज
नमनसमकाल ॥ साजलवनेथासमेवमडुअवससअनया

चनिलसमुधार॥२॥परयातिरियाधनप्रयमनकेवरनदिनदि
नथुगतिवेहान॥छपटकंतोलतिवहनयायमतेतिववयमानि
थनवारवा॥३॥भास्करमल्लयावचनेडडावहनतोलतिगुमा
नविकार॥रसपावससवसजुवसिसेसमयसुवसयावरसन
म्बपाल॥४॥२॥

रागवसन्न॥वं॥श्यामसुन्दरवसन्नवेलसराधावहनेतलमुजाव॥
ॐ॥गोपीगतयनिजुलमेहालाव॥ततसलचसालपुयाव ३॥
गकरनरडेकुसिंहसंवरनकेतिपोगावाशु॥१॥सुन्दारवन
सवाजनथाजव॥कथनलतालमदंडोलकदयखिननगराज
न्नरनमोरकतमोरादाराखंजनि॥२॥अविरचवाचंषेलिहोला
व॥थिथिजोडनयावहिलावहोलाव॥होतकावकाहुरसनधि
न्याकहृकहृयाअनाथयाआसाधिपालि॥३॥३॥

रागवसन्न॥रसनसुन्दारवनसफाउतस्मितलोकाहु॥सोसेगप
पिपनिसनडालागुमयालोकाहु॥ॐ॥श्रीरवराडकेसरिचवा
लवातातललो॥थिथिलसमसियावथवयासामलकाहु॥१॥
अविररगांजानयासरनहोलाकाहु॥यिदनप्रबुलिहसपले
स्वानहोलाकाहु॥२॥कुलेललचवेलिबुयाअतमहोला॥दोल
कमदंगाथासरसनमेहालोकाहु॥३॥वाजनयासवदनत्रिभु
वनतेलो॥हेसेदेवमुनिपनिसंधानथजुलोकाहु॥४॥पालि
यापामलसलदयकावजुल॥हाकहनकरुनादसेसोयभतिटे
लोकाहु॥५॥

श्यामसुन्दर

रसनसुन्दर

रागगौरी॥३॥ललनवितंमायोअयोहोरी॥आवनअवधिदयायो
 ॥४॥उमगिसकलवनतेसुफुले॥मेरोमनविरहजगायो॥१॥
 कैयारिकुरुकेपपिहावोले॥मेरोमनअग्निजलायो॥२॥नरभय
 नन्दनहोरिषेले॥लिषिसुनिमनललचायो॥३॥१॥

रागगौरी॥३॥बालाबेलनआयिसलोनि॥भुवनवसनवनाइहो
 ॥४॥थैथैकरतसकलवजवासि॥होहोरिकरगाइ॥१॥गोस्तिनाल
 मुखरोरिडारे॥निरखिनयनामुसुकाइ॥२॥बेलनसिंहप्रताप
 साहेज्जु॥अइसैधुममचाइ॥३॥२॥

रागमालश्री॥३॥मात्रिकागनदियकरंधरजगजननिजंत्रवजा
 वलरे॥जोगिनिगनतखनेहरखितनिस्नेसाजलरे॥१॥मुदिनभु
 तवेतालतलदेवमहाभेइरवमदंगसागलर॥सवहिसंगमअंग
 अनूपमरंगसाजलरे॥२॥तखनेधुनिसनिअसरमोहिनिदेव
 मतसंगितसोहलरे॥सकलछरवलकनकडत्रकजसरमाल
 रे॥३॥नकलरुधिरकयालहरलेमधुनसवविधितेजफुलेल
 रे॥अस्नहासविकासदहहिसहरखवाधरले॥४॥रक्तविजय
 रुधिरवहियलकोटिकोटिजश्ररजिवरलरे॥तखनेइश्वरि
 तिरुपसाललसकलस्वरले॥५॥भगतिश्रयनिअदिदेव
 गनप्रततिविप्रतिकयलमुनिजररे॥किरतिकिनरसरसभ
 यंकरागीतगावलरे॥६॥अपनेयदरागकमलसोवासकल
 खनमोहिसरनदेवार॥फुनधानसमारिसंगमकिंदुनहोय
 अवर॥७॥आममोहिअवलवकिंदुनहिविषमपरिससार
 जलनिधिरे॥जोतिकजुगनपतिजगजेतिविनतिपरलरे॥८॥१॥

मोजकागर

भगवति

रागमालश्री ॥ श्री ॥ भगवति देहने विनतिकरुणान् ॥ ५ ॥ मधुकैत
 वलैरवासरस्याजवयाजवजगननिदान ॥ इच्छादिदेवगनमु
 तिजनपनिसेनसुमलपुयालियलेधान ॥ १ ॥ धूमलोचनचंड
 मुकुसहितनरकविजययाहितोदान ॥ श्रीभरिश्रमभसुस्यः रस
 नसितावथस्वलवलपुभगतवदन ॥ २ ॥ भुरलपाचोडसन
 पायसत्रयानंदितमभालपादिभजनध्यान ॥ क्षमायायमा
 लदीनासियाववालषतिनविहनेत्रभयवरदान ॥ ३ ॥ कुमुदि
 त्रिदेविनहाजलपुलाहानिनस्यामिसहीतनहार ॥ सोगुलिलोक
 याधनिदिपालिपरसमनिः मेवमडुगातिदिविनात ॥ ४ ॥ १ ॥

रामकानाग

रागमालश्री ॥ श्री ॥ कालिकानगावालिकावलप्योलजगतउवा
 इने ॥ ५ ॥ ववसुपायसमानशरिरसः वसतधुद्वेगुलिशाजग
 हिरयारे ॥ मोरयमत्रकसवनवलसः मुनियारुलकतयानरे
 ॥ १ ॥ गरसनरवलगतलवसकेरुहाततलमुतिधिदरे ॥ नवदु
 खपारसिरिरदवदधुरलयेकालहातिनरे ॥ २ ॥ नगलकुति
 तिः थयातआतिषुतिहोलेदेनकचकुटिनते ॥ रक्तविजयासत्र
 रिदइनेयातोवनस्रपादिपुतिगारे ॥ ३ ॥ अतिनभयकरमुर
 तिवसस्तुयातयानेकुलिमरुररे ॥ भुयतिठुयामनसतनम
 नभावभागद्विधानरे ॥ ४ ॥ ३ ॥

राजनेदिन

रागमालश्री ॥ वं ॥ राजनेहिमहाहिलजाधि ॥ जयतिजयजयसं
 करजिताजिपदवुजायजय ॥ ५ ॥ ज-नमिमसनमातिभिषन
 कुचितातममुकुता ॥ भमतिनिरवधिदइत्यागतयुधिमितभइत
 नन्दिनि ॥ १ ॥ असुरवरसिरहारनसदुरअंहातलुनसाजिनि ॥

देवीसीतलि

किरतिकतिकतिरुक्ति-नितिसतविरति-पिति॥२॥ इति नन
मतमसामपाकितिवारकारनिरुपिनि कालिकारुतरुपिरियु
धिकालिकभुतरुपिनिजय॥३॥ भुपजग। जयआहंसविनयमम
संभवितेपते॥ विलसंतायुधिअविरताहृदिहृमुखतंसुखसप
के॥४॥ ४॥

रागमालश्री॥ अ॥ देविस्मेगुलिभवंनयाथकरानिष्ठिगुलिचरन
सदारो॥ अ॥ भनिमुस्तअसुरहृषापिधिअतिवललाकरो॥ दश
तेअतिवलखडाव॥ हतिहति-कसकलससालरो॥ १॥ अश्वरज
नयनिकालनभितकावखेथ्यतलम्रहंकालरो॥ जागिरेगरमुज
वहतिहतिनियातफटकेडपायरो॥ २॥ नडावसवदथेधिधिरुत
कावनयोडुनुडुनघानरेवाडेसेकलरतः सवदडुनुनुनदस्य
रुवाअनयासरले॥ ३॥ शुभनिशुभयासरविकखजअसुर
सकलचंगाकरो॥ खवनचसजोस्यातितनहसहसेनुगालस
सुलसौपायरो॥ ४॥ हालघाघलपायलतोलेमालस्ययरभय
करथानरे हिनखमिजुसे-कसमुदरलारपरवतचिडरे
५॥ जंबकडललनकोखकललनजुलयोगिधमुजवरे मधि
डसुखजलकवत्रवेनालयाअदिकाहिधारेदयावरे॥ ६॥
स्पवकदयकेवयलिरुतकेमनसअतिरसतावरे॥ देवन
देवभास्यलोकनरामकासेसंसारयामइदिविनानरी॥ ७॥
शंशारकेसेनयालोकयामरबोधवालखस्रदयकावरे॥
वारकभास्करमल्लथाकुलयाआनन्दफलविविधिनरे॥ ८॥
५॥ ५॥

रागरामकिलि ॥ गिरतो लज्जामय थभजन कआई ॥ कौन तेरे मावा
 वा कौन ले पथाई ॥ १ ॥ सुधर स्या ॥ नम सुधर देवि ॥ हिड लय जो धाई
 भागो भागो हमे रिये रिड वर जाई ॥ २ ॥ सुधर ॥ भागीन हिजा सुधरी
 नु सुदा किलाल ॥ कालीनाग सलितो रे फूल लितु आई ॥ ३ ॥ जाग जा
 कानाग काल पुरु आई ॥ फूलिल यले ॥ फूल सरु सरु भारिले जा
 ४ ॥ समजी समजी माई वावा ॥ समजी सुधर आई ॥ एक समजी गरु
 धमित्री कालीनाग ले ॥ ५ ॥ हात चीत यक मन भर थ जो धाई ॥
 श्रीरूप आनंद भयी गोपाल गीत गाई ॥ ६ ॥ सुधर स्या ममन हर
 कानुम आई ॥

राग ॥ गुंजलि ॥ सित कमला कुच मन्दल धीत कुन्दल कलितल
 लित वन माल ॥ १ ॥ जय जय देव हरे ॥ दिन मयि मन्दल मन्दरा
 भव खन्दत ॥ मुनि जन मान सहस ॥ २ ॥ कालिय विष धर गंजन
 जनर जन ॥ नहु कुल नरित दिनेस ॥ ३ ॥ मधु मुर नर क विनाश
 नगरुडा सने ॥ सुरकुल केरि निदान ॥ ४ ॥ अमल कमल दल लो
 चन भव मोचन ॥ त्रिभुवन भुव निदान ॥ ५ ॥ जनक सुता कित भ
 खन जित दुखन ॥ समर स्या मिमित दस कथ ॥ ६ ॥ अभिनव ज
 लधर सुन्दर ॥ श्रीमुकुट चक्र कोल ॥ ७ ॥ तवर नेयति गवय मि
 ति भाव ॥ कुल कुसल प्रन तेख ॥ ८ ॥ श्रीजय देव कवे रिदं कुरु
 ते मुद ॥ मंगल मुजोल गित ॥ ९ ॥

रागमारसिजातिदेविमाताजगतजननिभगतजनवरुदाहिनि॥
 प्रथमसुसेरुजनपतिब्रह्मादेविचरनमनाहाइय॥ब्रह्मादेवशिषि
 देवगनमिलिसिगमगसुगार्थे॥५॥त्रिभुवनमराडलेधावलगा
 रिवरदेविधगाभवानिय॥त्रिनलोककिजगतजननिभगत
 जनवरुदाहिनि॥६॥परमहुंसससुधरिहिदयापावनोवासि
 निवनकसरिरचंदिजनादवेरुसुहावनि॥७॥संघचक्रगडापत्र
 लेलेकोतिधनुषिजोपासिनि॥धनुषवानकोथाश्रुकसदा
 वसिरछाजनि॥८॥कनककिंकिनिजरादलमुनिमयश्रुतश्रुति
 त्रिभुनि॥९॥पुरतचक्रमकतस्वमित्तसिरसिंदुरछाजनि॥५॥
 कलिकाकरकालभेरवमारिकावरदाहिनि॥जलपाजगमग
 जातिभगतजनवरुदाहिनि॥६॥श्रुतिकाम्रोस्मरभारिष
 स्वरिठकनवचंदिनि॥देशनवनायकोतिरक्षी॥दुखदारिदुख
 दारिदुखनि॥७॥त्रिभुवनमन्दलधालगिरिवरदेवदेन
 त्रिरंजनि॥त्रिभुविवरदेहोदेविदुखदरिदुभंजनि॥८॥शराव
 परुत्रिसुकरधरसुरमारसंधारिनि॥देविमाताजगत
 जननित्रिनेत्रिलोगसुधारनि॥९॥

रागमारसिजाति॥देविभैरविग्वरवनाथवरदिसेसचदेय
 प्रथमदेविउतपत्रभुहंजनभयेहोकेलासय॥जोतिज
 गमडाचदुदिसदेविचोधिजोगिनिसाथये॥५॥सयनादियहो
 श्ररवनाथभैरविदेविमनार्येय॥विसासयभोगप्रसन्नेदे
 विवरदियसवदेसय॥६॥देववचनवरदानपाइसकलने
 पालमारयघातसिंधासनजितिरियोहंश्रचरयसवदे

सय ॥ ३ ॥ देव वरत माथम कृत वरत सुर्ज उदार्येय ॥ तपस्या नितिरु
 पप्रगत भयत घतनेया लया र्येय ॥ ४ ॥ सिलहि मे भित माथम कृ
 त कृता डल कृत कृत कारय देव वन न श्री रन वाहा डर साहा के ज
 सयार्येय ॥ ५ ॥ सरहि अरव सर कर हो मा फ देवि चरन मनार्येय
 जोय हि मंगल शावत को हि देवि दरसन पार्येय ॥ ६ ॥ ॥ ६५ ॥

राग मारसि ॥ जय देवि इश्वरि पुन्य गिरि दरसन दे उ सव हास के
 आ फुता माये परवत वैधे निकत मृ की नारय ॥ हात घहु रे त्रि सु
 कर धर सीरु वाहिनि आर्येय ॥ ७ ॥ मरा डमाला धर्ज धप रु अंग
 फल सुहा र्येय ॥ ८ ॥ इति कि डि मि कि उन्वरु वा जे प ध धनि सु नार्ये
 य ॥ ९ ॥ हात धरिया निल कश्च भित लगत धारा पि जिय ॥ आ फ
 तो मार्येय प्रगत ॥

राग मादसि ॥ ज्वाला जनति जत ग माता त्रिन तै लो ग गि मादय
 वारिवन गागा पारि धिर न दि वि च जल ध पि थ ये ॥ तै तिस को ति
 जय रगान धं दे इश्वरि माई य ॥ १ ॥ बजे सो रित्रा मुर सुधर त्रिन भ
 वान कि माई य ॥ २ ॥ ज्वाला माता जो ति जग म के तन गर किरा ति
 मा ॥ ३ ॥ जयं ति माता जगत देवा डन सार थ गोर घना थ य ॥
 उदय अता व डु दा दि न्य धं दे इश्वरि माई य ॥ ४ ॥ बंदे क स म
 पुर सा गर मन कि मो कि म हल वना ई य को ति ति थ भ य ग
 रह जन को पा प दु ता ई य ॥ ५ ॥ धं दे ग वान ये हो पर ना प न
 मार क ल्म कि क द म — य से व क अ र्जि मे र स्वा मि भ ग्री
 चौ दि स ल का फि रा ई य ॥ ६ ॥ क हं स क वि र सु न त भ ग्री जन
 नि स्ने म गा गा ई य ॥ ७ ॥ जो रि गा व त अ स सा हि व क रा थ की जा

२५ ॥ ६ ॥

रागाश्रासावरि ॥ राम्यानामकावहरियानामकावसिति नदवस्तु नृपालनम
मालगोविन्द द्विभराराम्यानामकाकोसाल ॥ आवरसथोजीप्रानह
रियादिन ॥ मुलनमुगुतिलायवीसुभगतिनगोविन्द द्विथनराम्याना
मकाकोसाल ॥ १ ॥ षड्विद्विचोनेघरद्विनेथोसंसार ॥ कहुयादि
नसवन्मनियवील ॥ २ ॥ धनसलोभमहुवमलेयमाल पुरुषसखा
सेतलजुलपोतीसाल ॥ ३ ॥ थोहृदयतोकपुल्ललोभयाजाल माया
नतोलतवनेधसंसार ॥ ४ ॥ दानपुन्याकलोकधलिदतसाल ॥
वलनसीवालयोगोविदगोपाल ॥ ५ ॥ धरमविचालयाववमलेयमाल
धनयाजिमिति नधरममवाल ॥ ६ ॥ जगतीततामित्रवदकमाल ॥
थीथिस्वमउभारुकायावविदेहाल ॥ ७ ॥ सुभितिमिभषादहानाथो
वसार वसयाकपादकलोकसेनहाल ॥ ८ ॥ गोविन्द द्विथनराम्याना
मकाथोसालराम्यानामकावहरियानामकासिती नदवस्तु नृपा
लनमुमालगोविन्द द्विथनराम्यानामकाकोसाल -----

----- लुदरायनीदेविजयमाहामाईसिरनारीदेवि
भवानिगत्यतवनलुयअनिन भुधरि हे - लायामनुकसकवनसि
लमारनुदश ॥ १ ॥ हससकदलगरसमोलामाल ॥ मुषिजियाहा
लनजियावविज्यकलुरश ॥ २ ॥ भगतिजनयातउधारयावडीन
गलीवषण्यावयापतिपाललुरश ॥ ३ ॥ तिभवान्पारानिजमनिईश्व
रितजवसंघसलिरिसुलदा ॥ ६ ॥

रागविभास ॥ तालचो ॥ रुकायनिदेविजयमार्ग ॥ सिद्धारिदेविः भ
 वानि ॥ ५ ॥ स्पस्तवरीरूपः अतिरासुश्रुति ॥ हेलायामनुकराः क
 वरा ॥ सिलमाल ॥ रुदाय ॥ १ ॥ हससकुन्दल गलसमोलमाल ॥
 मुत्तियाहालराः तियावविज्याक ॥ रुदाय ॥ २ ॥ भगतिजरायातई
 धारयावदिनगगरिवधन्याव ॥ यावपतिमाल ॥ रुदाय ॥ ३ ॥ श्रीभुवा
 न्यारनिजननिईश्रुति ॥ जवसंघराग ॥ खवसंतीसुल ॥ रुदाय ॥ ४ ॥
 आसाराथसागस्यः अन्यगरुपवरी ॥ मतेलेतयाहिराताकालरा
 त्याव ॥ रुदाय ॥ ५ ॥ ह्लासासमुकामुकेरियानदिपारिस ॥ द्विगुलि
 महिनिहायसुनानफई ॥ रुदाय ॥ ६ ॥ हाकमअनाथया ॥ विमति
 द्विपारिस ॥ विवदरसरा ॥ द्विपालियाकोस ॥ रुदाये ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७

रागवसतवीगनराजविनायकदरसनविवदिन ॥ स्पवजयाम
 डकखेरतनयाजोतिटिक ॥ कितकियागेललाकवानस्वभासि
 लमलाक ॥ विगनरा ॥ १ ॥ मनुषेस्वरपयागतमुषअतिवानलाक
 सेषनागस्रवजोलरिधिसिधिसगलाक ॥ विघनरा ॥ २ ॥ सुधस्य
 कदंतअतिनस्वलास्वभाताक ॥ प्रापुवसमानबुल ह्यामुफ
 तिलदिनरिक ॥ विगनरा ॥ ३ ॥ लैनरडुजपुर्मातसुधलोहा ॥ तना
 नजोसोमउरुपथमजुसेजुडववाहेतकुजसिलनविज्याकदे
 वजनयाकजुसोजगतयापुजाफसेसिधिवलदानविसे ॥ विग
 नरा ॥ ४ ॥

सन्त १००० मिति फाल्गुणावधि च उधिविशाखाटानक्षत्रः वज्रयोगः मंगलवारश्च सुहु
 श्रमसायकितायसिधयकादिनजुल ॥ ॥ दानपतिसिद्धिपुरनगरयाकाइयय
 गोत्रगुरुदितरसिंजिगरुनारातंदयकाधकितायदयकावः श्रीपरमेश्वरश्री
 परमेश्वरिष्टीतिनहरिभजनसउताजुल ॥ ॥ शुभम् ॥ ॥
 लिखितेललितापुरनगरयाचूकवाहालयाश्रीवजाचार्य्यभिहर्वनलिखीते
 शुभम् ॥ ॥

गीर्गोविन्द	१
वसंतराग	१
रामकलि	१
सिंधुराग	२
गडरिराग	२
रागकेदाल	२
काकराग	३
रागकोला	४
रागविजय	४
रागनत	५
रागनत	५
रागभुषारि	५
कामोदराग	५
देशास्वराग	५
भईरवराग	६
रागधनाश्री	६
बलारिराग	६
गोपिवन्तराग	६
रागमालुवा	७
रागमालव	७

रामकलि	७
सागराज	४६
रागगुंजरी	४६
रागपहदिया	८
रागभईरव	९
रागरामकलि	१०
रागरामकलि	११
रागविभास	१२
रागश्री	१३
रागमालवः श्री	१४
रागआसावलि	१५
रागबलारि	१७
रागललित	१८
रागवेलाउ	१९
रागकोला	२०
रागतेलि	२१
रागकाफि	२२
रागयर्मजति	२३
रागभिषरास	२४
रागकोसि	२५
रागईमन	२६

रागकहा	२८
रागधनाश्री	३०
रागसारंग	३१
रागगौरिसारंग	३२
रागजानिदति	३३
रागभथपारि	३३
रागहिंडुर	३४
रागव्याहागरा	३५
रागआरति	३६
रागकेदार	३७
रागसिद्धाया	३८
रागस्वारथ	३९
रागमला	४०
नत	४०
रागधनाश्री	४३
वसंतराग	४५
रागमीर	

गाधाराग

४८

५५

५५

५५

५५

५५

तममनहेतपराती भवती वजारा वाते ॥ के ते क
 उमे पाला सतान ही हरो ॥ १ ॥ तव ते गये न भा ॥ २ ॥
 बचराने वाते ॥ ३ ॥ जव ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 को तेरी ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥
 धाने वाते ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥
 नेतुम को तेरी ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥
 के मे रहने वाले ॥ ३४ ॥

राग कसन जी ज ग धा मा पर भजी ॥ १ ॥ अतम धन नी रज
 न पुरन वेथो दिवत भुती न हना पर भजा ॥ २ ॥ भा के
 आनी भा के ॥ ३ ॥ पानी देव भुती न हना ॥ ४ ॥ पर भनी
 ॥ ५ ॥ जहा देवो ता स साव मेरा ॥ ६ ॥ देव व सुन्या त पर
 भुनी ॥ ७ ॥ ८ ॥ अमन्य नंद कहे स सा ध्या नी र गुन
 ॥ ९ ॥ न वरा ना पर भुनी ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥ रास ॥ सुन न पाली ना ह ॥ अक कही देवो कही हन
 गली गली से पाता जसा ॥ १२ ॥ कही देवो वाल ॥ १३ ॥ वी दा
 जो मो हो जी ने तो हरा ॥ १४ ॥ मो ही ते जा ॥ १५ ॥ स्व वाते जी न मिल
 गी न पो हरा ॥ १६ ॥ रा वंद स भी हीत वात कसन धवी ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥ सुने म प्रेस मा ॥ १९ ॥ मं प्रेस वा ॥ २० ॥

नी र गुन
 १५०-१५
 पानी ५१
 भुनी

रणजय श्री ॥ वो ॥ चंदूसीर गंगाधर जोसा जप माता ॥ श्री ॥ सी सी
 थी सी पुरे या व अधिरास तितः सी व सी व संघ देव मोक्षे फल वी
 व ॥ १ ॥ जस हात ल पची न ची भु व न्या वी त ॥ वी व न नः भगि जु न
 स्या त छि न ची पुरः सी व ॥ २ ॥ पासा गौरि जोसा दुरि ईसा धु छे गती ॥
 फसा जोति उसा न ती न सा छि धनुर सि व ॥ ३ ॥ येत हल स्वाण ध
 गुल गल छे त मात ॥ मुसा रास वास छि सः भगती व वासः सी व ॥ ४ ॥
 दोह गसा भुत पासाः दवुद वु थासा ॥ मनु पुसा गजी रासा क मै द नु
 जोसाः सि व ॥ ५ ॥ वया थरा वरो गरा ज्पा न्या भे जि मरा ॥ छि व
 एन फो से चो ना भगति या ना वः सी व ॥ ६ ॥

एण मातु वा ॥ तान गरं ॥ चेत रा मा धव जे अधीति ॥ मस्य या पासा व
 दुव्या धी न ॥ १ ॥ खरो जामा धव जु हे सी ति ॥ रोने करो उ या गुन
 सित ॥ २ ॥ विसम वंता रा भये वी त ॥ म काल म वरा जी व रा थी
 त ॥ ३ ॥ विल रा म दोत यथा य ॥ नील स रा तु वु सी थ्ये वी यं ता ॥ ४ ॥
 मे व्या जी ले वी सा स रा द्य ये ॥ व द्य ये जु ल ला ती रि स्या ये ॥ ५ ॥
 सि धि रा र सि त्या स्वा मि दे व ॥ ज्यो पि ना थ या प द वे था स्ये
 व ॥ ६ ॥

रागगौरिः॥ जेवाताः॥ ज्येसं वर हादेई स्वीरूपीः॥ बाभुबोरचीना
रायराः॥ सैसानयातवसन्ने ध्याण यातजुलः॥ हादेराएकस
चोरा^{जा}ह^{मन}थकाई व.आसाः॥ बीचीनारान भाततपा जोराः॥
जोग^{मन}दुई^{मन}नीपगुण सातः॥ रागगौरिः॥ प्रतातः॥
हेजराधननुमीचन हार नारजतः॥ सहजरा वरणपरगजेः॥ लो
भमोहतमः सयनुति सदुनेनुतायः॥ जैगा जेत रागोधि गमानः
हारा मरा मेरा मरा रामनाम मातः॥ १॥ आस पास रुमात दुष्ट
बान दुवीय मो मात मो मातः॥ धूर्तः॥ हिता वल सतीतस
तलफलनी भातसः॥ कुबुची गुभनसित सातः॥ तोरिवसैम
भोग जोग उजोगरा अमुत्पे जन्म पानः॥ २॥ उपकात लम यत
वचि यासुष सहेतः॥ साधुजन संगम कातः॥ प्रानपेत तया
लेशसिमा ह्या या थीत घरी मदुतः॥ ३॥ राम जेत आदिन
हथ नयी लंकतीतः॥ मसेने आचात विचातः॥ सिधीनह
सिंहा स्वामी जेपी नाथ सेव वाहिकन मजुते उधारः॥ ४॥
रागकाताः॥ नौमाः॥ हादेः श्रीमछि दरवी भुवा न्या नाः थहेज॥ अ
नुरिसरातनः सितस गमसाहेः तरुण देवाः करजराः करतोसेजेः ५
तरथ करजरा मनरथ एजेः मारि मये मकुतवीर जे एजेः नसुपदे

प्रलेखनी ज्ञानावः उधारया कथोस सार ॥ हे ॥ १ ॥ श्रीमत्सुगुणी
 उवनयाः रदिनरथयाः स्वना जुलर्न दल कारया ॥ श्रीगुणी
 दिसा पतिः देवदिग्गल तस्य मधे स प्राप्नु वी ज्ञानावः ॥ हे प्र ॥ २
 वेदिगल सद्य चान्ः जोगिनी यानावः हट्टट हिना वेग वाक ॥
 उनमत्र भद्रवया हसवी ज्ञानावः धुधु हुनर स रा वी ज्ञा क
 ३ ॥ पुष्पुनी या जगत् अस्वक मन्दपवी ज्ञा क आरम्भ न जात्रा ॥
 असुरनागरा लो क पद्य स्य व पतीः धव धव म रा हर्ष मात ॥ ४
 मधे दार ज कुलः स्वर्ग्या लग रा अनग वा ज म धा नाव ॥ सुय
 स्वकोती चीलो केना थया दर स न पुजा भाव या क ॥ ५ ॥ न पती
 श्रीरुजी ड वी क्रम सा हा प्राप्नुः जुन ला क ॥ चो स धि प्री धी वी न
 चो रा पी र ल ला क प्रातीः करुना म स्वयार था वा क ॥ हे प्र ॥ ७

राग ॥ ॥ उन लाइ मीली क धुमेवन वरा हाय हाय ही ताक
 उन हय ॥ ॥ दिदराम चंड सव देवरा को सिता ह मा रे क ठ न हे
 सुरा प्रभु ये क आय अचम को मा हा न वी करु म धये ॥ १
 क हेराम चंड सुतो लाइ मेरि सिता वी नामे मे ह द य ट मे ॥
 का हा मी ले मेरि ज्ञान कि नी दि नी अव के से प्राप्नु थी जट
 मे ॥ २ ॥ अजित सो मन सुन प्रभु मेरि ऐस्य स्व क ह द ये क
 मे ॥ जो के कारन वन वास आइ हे स्व ज्ञा ती ची त धी र्ज

धन्ये ॥ ३ ॥ रासलक्ष्मो मरा दुन भाई मली के सिता की कारन
 वरा को कीये ॥ जाये जाये जब देखे जताइ उधी गिरु
 जा को अली केन्द ॥ ४ ॥ सुणि ये पुलु अनि हमारि दुष्ट एव
 मे सिता हने ॥ उच वा हराली उच कारि ये रथ सारथी सब
 उन केन्दे ॥ ५ ॥

रागरास ॥ आज वी द्रावन रा रा धा के न गली ॥ भे जा कह
 ने चलहे ॥ चाल चलै सबी देवन धी वली ये आ वी द्रावन रा
 स रा धा के न गली ॥ १ ॥ जै सी ब्रह्म जी जै सी चवी जै र हात की धी की
 रही ॥ वर प्रावी सुने नाच दे मगहे दे सो स रा सी व धान रा धा के
 न गली ॥ २ ॥ सब सखी की हे सी धार ये क से ये क वनी ॥ ये क व
 नी रा धा ये क वनी ॥ ३ ॥ फुल फुल फुल नारी मोहन प्रम क
 प्रमली रा धा प्रम कली ॥ ४ ॥ लली ताली यो हे भी रई ग मोह
 न वे न व जाइ ॥ व न व जाइ रा धा व न व जाइ हो ॥ ५ ॥ सर रा सबली
 हरी मोहन धान न म ॥ धान म ॥ धा धा म ॥ ६ ॥

राग पारवती देवी ॥ ७ ॥ आनंदे आनंदे ॥ नगर को जाला माइ मा
 ता देवी आजी व बानी ॥ ८ ॥ सरी काली माइ आनंदे आनंदे ॥ ९ ॥

रग के दार ॥ ॥ श्री भुवराधारनीः श्रुतुं प्रमात्रि हेः भगवत्प्राप्त
यं दुख जाना देवि हेः दिवी नारां मडुजीत आ हेमाइ हे ॥ अरुग ना हा
नीलः अरुगु लरिनाम् ॥ स्वकीया कर्तु ना दया देवी हे ॥ दिवी नात
मडुजीत आ हेमाइ हे ॥ ॥

रग के दार ॥ प्रतात् ॥ हेउ बोधो बो वा जत अरुगु ७ पाये ॥ ॥ नेमान
लथगी हेः राम जम मयः हिरमुनी हेराम हिरमुता गज मपी मूयेवा
उयो ॥ १ ॥ अरुगु सेनी कने नोत्रिक अरिनाम् ॥ मंगल हेराम मगनगा
ये ७ पायेः उयो ॥ २ ॥ गुन सिदा लरा मोहन हरसिब ॥ अरुगु मज हेराम ज
राम जरामु ७ पायेः ॥ ३ ॥

रगवी भात ॥ अजावाधा ॥ प्रथम हजा उभराः बीडा हाः कुलध अरु
देवी हलो ॥ देवी देतो हलो नमस्तुति जलमा हातः चंड भंड धनि बीडा त
हीनो के तुंड धरि ॥ बट राम हैती हैनो राज हकुमान ॥ ॥ ॥

रगवी भात ॥ प्रतात् ॥ ॥ जमुना नित मानिण ॥ लरित भती मधि
नेः मफवायेन धनी कुवीरु धमनि कीमती कथी लरित गहिनी
महिनी दुयात तीरि वेदि हले उटि दुयाये जीमी नीमि सिंहा
अवम काय ॥ १ ॥ लथरा काये मजीवः बलत तावता वीव ॥ हनरा
दतला गलरा वड धधमं धोला हात मरा दने जीत अमज मवी येतु
बने

हो वल म धु हो अ हा त्वा ल श्री म रा रा रा
म ग वा ल श्री ही । हा ज हो वा वा ल ल
मी ता क मे दे रा श्री ग ले सा य ल म
र रा वा च प्र र न मे प्र र न श्री ही सा र दे व
नो दी पु च वी ल । पु के म ता । म वा रा
मी ले ली न्ये मा य का मे र सी पु पु थ म
व का र डी हा डी न डी न डी क नी श्री थी पु
की ल न प । गा दा गा दा व क व रु थ के
हा वो डी प च मे व व र नी व र नी स व ल मे वा र
हा जो डी धु व रौ व ल म स क रौ नौ मे वा हा च डी
व डी स मे नु गा व क व थ के पु ले डी स नु गा
न डी हा ले डी वा मे नु गा ल म नी न्या श्री ग ले
पु हा डी डी ना र प हा स र पु डी क ल क लो ल
मी व मा फा डी डी मा लु व

मोह पास फेर का म्मा मोति छेन ॥५॥ चेति चेत मराते र दुआ हे
उसल ॥ वेहाल बोचा लहे र मोक सो कते ल ॥६॥ भगती सु
डर सण सुष वि यनी से ॥ वसे धी नर सि ह्या स्वा मी गो पी ना था
लीत ॥७॥ ३०

रण मान ॥ चो ॥ बाल छि ल छि यार सः पुरुष मनु या व सम फ
यामन या दुष ह्या य ॥९॥ ला हा तरा तरा सि व सि ॥ छि से वी
से बा स वि व न ना न ॥१०॥ वसे न लि हा रा य था ॥११॥ न ले रा दे
ले न ना पः ख चि म द य कत पं म जि व जी व बो ध या य ॥१२॥ नी सु ल
ज न म जी वः मो लो यो जो व न च न ॥ मा ला क ले न ना प ता य ॥१३॥
सो धि न र सि ह या जी वः गो पी थ वी ज्वा ई व व न स आ न दु य छ य
॥५॥ ३६

~~राग रासा गा इ हे ग न प ती ल ग व ड न ना सी र क व र भ व नी के न~~
~~थे क र ध न की व ना सी धा स न डु प तो दे वी ती भ व न~~
~~थे क र द त ग न व ध न की ना मे का ता हा प र रा म व ड जी के~~
~~ना स ना रा सी धी च र न ग ज व ध न की धे व रा सी धी के नी~~
~~ज से व क ड ना ना ३ भा ग त तु ल सी हा स क र जो ती स व भ~~
~~रा म व डी के आ स ना ४~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

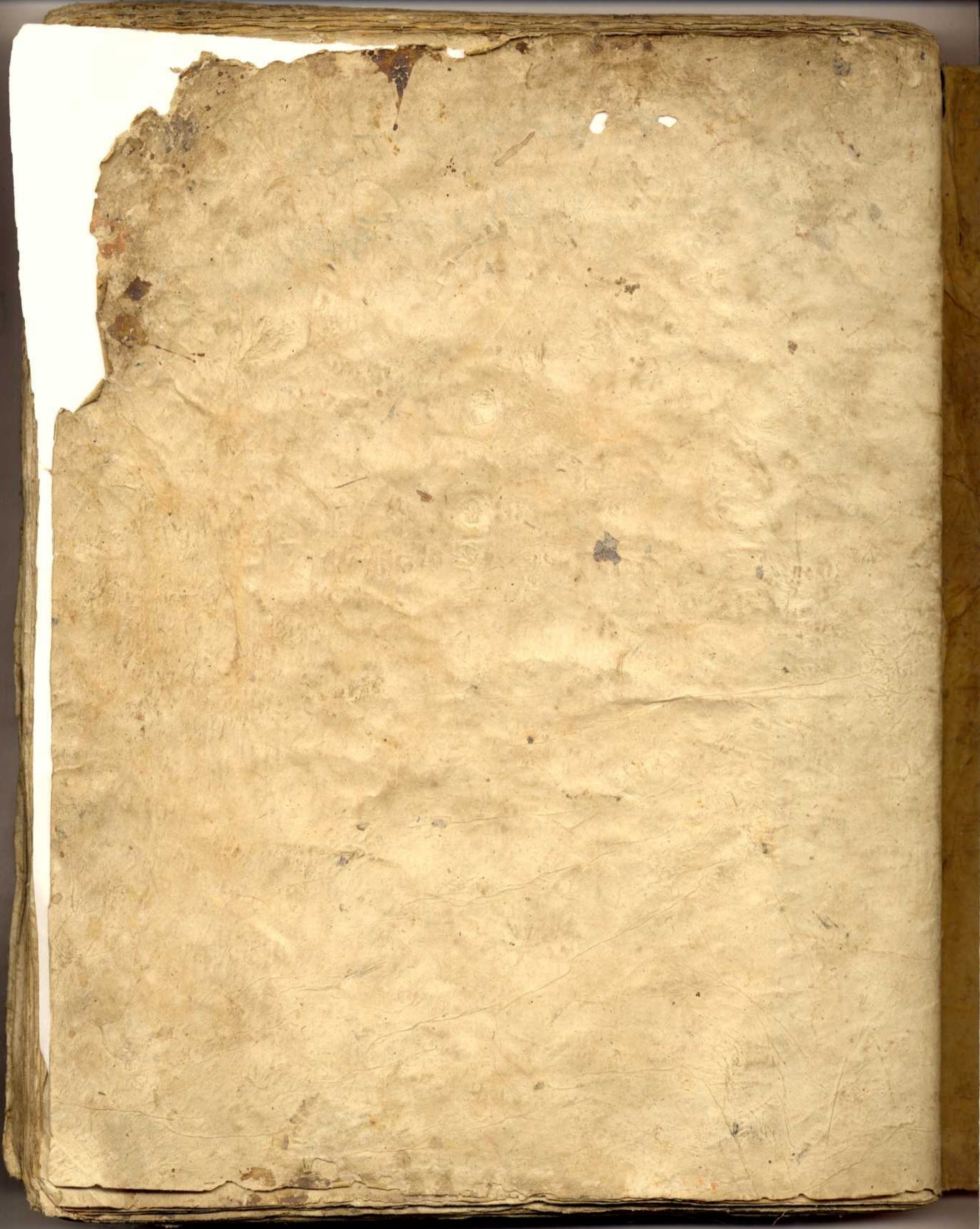
۳۲

[The page contains dense handwritten text in Arabic script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the leaf. The text is arranged in approximately 18 horizontal lines.]

۱۱۱

रागजयश्री॥ ॥ प्रताप॥ ॥ हेवतयमसयांसेवअतिवीलेखनआ
एतेदानविध्याणसेवीसेखण॥ गुणरूपसिलसरिलसयानी॥ वरकरभय
करवरवरनि॥ करपरमाणहमचलसेव॥ बुद्धादिदेवाणनुवरसेवक
परिपीचणदेवकीवलुदेव॥ कपतीप्रतरांकंसमय॥ सनेहरगपीनाथज
स्वदासिवान्॥ नामअजासीनिकुबुजसमानि॥॥ उमेन्हादकीपान॥ नात्
डजागाणसुनामसिया॥ गुह्यनिसारननुनसारन॥ लिटिएरसिंहव्या
निगविनाथाभावरण॥ ॐ॥

ਨੋਵ ਸੇ ਖੁ ਅੰ ੧੨੩੪੫੬੭੮੯੧੦
੧੧੧੨੧੩੧੪੧੫੧੬੧੭੧੮੧੯੨੦
ਸਾਈ ਨਾਰਾਇਣ ੨੧੨੨੨੩੨੪੨੫੨੬੨੭੨੮੨੯੩੦



वर्णा ते लोके वि एजेः सा सो व जरा जवी शा या नवी कोलेः हा दे से
त श भु मुगुति मुगुति पुल दा दानः मछि दर मय नी कोल व ई दु नि
प्र भा से

एग को ला ॥ तान चो ॥ वि त स न क ल सः हे वे ल स मु ना रा ॥ ना
म न वे च रा ए त ल स ङा य ॥ १ ॥ लु व ल स क ल स वः हे व रा म
दु वा ने ॥ थ यि रा ना च न त य व मु मा त स ना न ॥ २ ॥ अ ज ल वे
ला व रे वा वो हे हा ल ना का या म्या ॥ पू हि स्या चं द्र मा भो रा क त
ग स या व ॥ ३ ॥ स लि ल को म ल छु रा हे का ल वो व हा व ॥ ही द य
ऊँ क त द ई व चं द न ॥ ४ ॥ सि धी रा र सि ह्या म्या मो हे पा
पि ना थ ग्या नी ॥ भ ज ल वे अ रा गु न ला व रा व रा धा रा नी ॥ ५ ॥

रा ग प र्म ज लो ॥ प्र ता न ॥ प्र थ म स आ द ल न अ मि त स त वे न ॥
चं द्र मा व नु ले ज म द्वा य मु स ल रा ॥ सा च व आ सा म वो ये म
ते ला ॥ १ ॥ स ये ह व म रा स व व फ ला म घ ना ॥ २ ॥ व ना ची
तो ला से द र सि र स वे रा ॥ का लि वो रा हि रा प रे स्वा य र्प के रा ॥
सा च व ॥ ३ ॥ सा स ल रा जी स् व न व ने जी व ते ल ॥ ही ह र धा व
व्या रा गु ग ल स ये न ॥ ४ ॥ हे नि हे म व य रा से ना च स म ॥ मा या

